

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई विस्स्री, शनिवार, मार्ज 31, 1984 (चैन्न 11, 1906) **स**o 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 31, 1984 (CHAITRA 11, 1906) No. 13]

हस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के छव में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-- खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघलोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुबनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांश 2 मार्च 1984

सं० ए० 32014/2/84-प्रशा०-1--संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयवितक। सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स० स्टे०से० का ग्रेड ख) के पद पर कार्य करने के लिए सहर्प नियुक्त किया जाता है :---

ऋं०	नाम	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		 अवधि	अभ्युषित
सं०				•	
1	2			 3	4
1. প্র	ोटी० आर० शर्मा	•		13-2-84 से 12-5-84 तक	दीर्घकालीन रिक्सि के स्थान पर
2. श्र	ोशाम प्रकाश .			8-2-84 से 7-5-84 तक	नियमित रिक्ति के स्थान पर
3. শ্ব	ो एच० ओ० मदान		•	13-2-84 से 12-5-84 तक	—–वही <i>—</i> –
4 প্র	ो वी०पी० महाजन	•		22-2-84 से 21-5-84 तक	— <u>बही</u> —

- 2. उपर्यक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के०स० स्टे०से० के ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति सदर्थ आधारपर है और इससे उन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।
 - उनकी नियक्ति इस गर्त पर है कि कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग अन्मोदन करदे।

एम० पी० जैन, अवर सचिव (प्रशा०) सघ लोक सेवा आयोग गह मंत्रालय

का (० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1684

सं० ए०-22020/71/80-प्रणासन-3--आणृलिपिक श्रेणीः "ख" के पद पर रू० 650-30-740-35-800-द० रो०-40-920-40-1040 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर प्रोप्तिति हो जाने पर, श्री सुगनोमल ने दिनांक 1/3/84 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (श्रेणीः "ख" आणुलिपिक) के पद का कार्यभार प्रहण कर लिया।

हारका नाथ पुलिस अधीक्षक मुख्यालय केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, विनांक 8 मार्च 1984

मं० ए०--19035/2/82-प्रशासन-5--श्री मोहन लाल अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो को दिनांक 29 फरश्ररी, 1984 के अपराह्न में अगले आदेण तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

आर० एस० नागपाल प्रकासनिक अधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 मार्च 1984

सं० ओ० दो-924/72-स्थापना--श्री आई० एम० बराधीस ने मरकारी सेवा में निवृत्त होने के फलस्थम्प पुलिस उप-अधीक्षक, 45 वाहिनी, के० रि० पु० अल के पद का कार्यभार दिनांक 29/2/1984 (अपराह्म) को त्याग दिया।

दिनांक 8 मार्च 1984

मं० ओ० दो०-501/69-स्थापना-केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री वलयन्त सिंह आजाद सहायक कमान्डेण्ड ने सभी आवश्यक औपचारिकतायें पूर्ण करने पर अपने नाम के साथ अर्घ नाम "आजाद" मिटा दिया है। तदनुसार के० रि० पु० बल के सभी कार्यालय अभिलेखों में इसे अधिकारी के नाम के साथ अर्घ नाम "आजाद" मिटा दिया जाता है।

> . ए० कें पूरी सहायक निवेशक (स्थापना)

जोशी

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई विल्ली-110003, दिनांक 2 मार्च 1984

सं० ६०-16016 (2)/1/84-कार्मिक--लेखा महानियंद्रक के कार्यालय विसा मंत्रालय, व्यय विभाग, खान मार्किट, नई दिल्ली से प्रतिनियुक्त पर स्थानांतरण होने पर श्री आर० सी० एस० नेगी ने 6 फरधरी, 1984 के पूर्वाह्न से महा-निदेणालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई रिल्ली में लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> सुरेन्द्र नाथ महानिदेशक, के० औ० सु० ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 मार्च 1984

मं० 11/11/82-प्रशासन-1—-राष्ट्रपति, निम्नलिखित अन्वेषकों को उनके नामों के सामने दिशास कार्यालयों में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनिकिः) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को तारीख 29 फरवरी, 1984 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं जो भी अवधि पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं:—

क्र. सं. अधिकारी का नाम	कार्यालय जिसमें कार्यरत है
1 2	3
1. श्री बाबू लाल	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।
 श्री आर० एस० मीणा 	जनगणना कार्य निदेशक, राजस्थान, जयपुर
3. श्री ए० जी० भास्करन्	जनगणना कार्य निदेशक, तमिलनाड, मद्रास
4. श्रीएच० के० बी० सिंह	जनगणना कार्य निदेशक, मणिपुर, इम्फाल
5. श्रीः वी० गंगारा अ न्	जनगणना कार्य निदेशक, तमिलनाडू, मद्रास
6. श्री ए० के० पौल	जनगणना कार्य निदेशक, अक्ष्णाचल प्रदेश, शिलांग
7. श्री आर० पी० भटनागर	जनगणना कार्यं निदेशक, हरियाणा, चण्डीगढ़
8. श्रीकर्णसिंह	जनगणना कार्य निदेशक, पंजाब, चण्डीगढ़
9. श्रीवी०वी० एस० शास्त्री	भारत के महारजिस्ट्रारका कार्यालय, नई दिल्ली
10. श्री सी० एस० बोस	जनगणना कार्य निदेशक, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद
11. প্ৰাৰী০ ৰাই০	जनगणना कार्य निदेशक, महाराष्ट्र,

बम्बई

1	2	·	3		
1.2.	श्री आर०एस० मौर्य	जनगणना प्रदेश,			, उत्तर
13	श्री के० गोरीनाथन्-I	जनगणना त्रिवेन्द्रम	कार्य	निदेशक,	केरल,
14.	श्री ए० के० सिंह्	जनगणनः गंगटोक	कार्य	निदेशक,	स्तिककम,
	श्री सी० आर० मोहन्ती	जनगणना भुवनेण्वर	कार्य	निदेशक,	उड़ीसा,

2- उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्तियां सम्बन्धित अधिकारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकां) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेंगा। तदर्थ आधार पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्टता और आगे उच्च पद पर पदोन्नित के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को नियुक्त प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

विनांक 9 मार्च 1984

सं० 10/16/82-प्रशासन-I (खण्ड-II)—-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महार्राजस्ट्रार के कार्यालय के निम्न- लिखित अन्वेषकों (सामाजिक अध्ययन) की उनी कार्यालय में अनुमंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अविधि को तारीख 30 जून, 1984 तक की और अविधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अविधि पहले हो, विद्यमान शर्ती के अधीन सहर्थ बढ़ाते हैं:—

ऋ० सं०	अधिकारी का नाम	मुख्यालय
	1. श्री सी० चकवती	नई दिल्ली।
	2. श्री राजेन्द्र प्रसाद	नई दिल्ली
	 श्री चरण सिंह 	नई दिल्ली।
	 श्रीमती सुमन प्राणर 	नई दिल्ली

2. उपरोक्स पद पर तद्दर्थ नियुक्तियां सम्बन्धित अधिकारियों को अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेंगी। तद्दर्थ आधार पर उनकी संवाएं उस ग्रेड में विरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तद्दर्थ नियुक्तियों को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

दिनोक 12 मार्च 1984

सं॰ 11/5.0/80-प्रशासन-I--इस कार्यालय की तारीख 18 अगस्त, 1983 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारिजस्ट्रार के कार्यालय के उप निदेशक, जनगणना कार्य श्री एम० एम० दुआ को उसी कार्यालय में विरष्ठ अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अविध को तारीख 29 फरवरी 1984 तक की और अविध के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, विद्यमान गती के अधीन सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री दुआ का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

र्वा० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 मार्च 1984

सं० 3/वा० ले० प० 1/मी० ए० 1/100-81---महा-लेखाकार, केरल कार्यालय में कार्यरत श्री एन० गोपाला कृष्णन पिल्ले, लेखापरीक्षा, अधिकारी (वा०) दिनांक 2/1/84 को स्वर्गवास सिधार गये।

> ह० अप<mark>ठनीय</mark> संयुक्त निदेशक (वा०)

कार्यातय महालेखाकार, सिक्किम गान्तोक-737101, दिनांक 31 जनवरी84 कार्यालय आदेण

सं 203 स्था०-श्री सुबीन्द्र नाथ घोष ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप लेखा अधिकारी (प्रति नियुक्ति) कार्यालय महालेखाकार, के पद का कार्यभार दिनांक 31/1/84 (अपराह्म) को त्याग दिया।

> अ० कु० देव महालेखाकार

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० ए-19018 (651) 82-प्रशासन (राज०)— विकास आयुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद के अधीन, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, वाराणसी के लघु उद्योग संवर्धन अधिकारी श्री वीं० पीं० श्रीवास्तव (धातुकर्म) को दिनांक 14/12/83 (पूर्वाह्न) से, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के अधीन फील्ड टेस्टिंग स्टेशन में, सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म) के पद पर, तदर्थ आधार पर, नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018 (653)/82-प्रशासन (राज०)—विकास
आयुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के लघु उद्योग
संग्रीन अधिकारी, श्री बी० के० नालुकदार (धातुकर्म)
को क्षेत्रीत परीक्षण केख, नई दिल्ती के अधीन फील्ड
देस्टिंग स्टेगन, जयपुर में, दिनांक 12/1/83 (पूर्वाह्म)
से, सहावक निरेगक, ग्रेड-2 (धातुकर्म) के पर पर, तदर्य
आधार पर, नियुक्त करते हैं।

सं०ए-19018 (654)/82-प्रणासन (राज०)—विकास अध्युक्त, लवु उद्योग सेना संस्थान, हुबती के लघु उद्योग संवर्धन अधिकारी (धातुकर्म) श्री के० वी० रिव को क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई के अधीन फील्ड टेस्टिंग स्टेशन, कोल्हापुर में दिनांक 28/1/83 (पूर्गाक्र) से, सहायक निदेणक ग्रेड-2 (धातुकर्म) के पद पर, तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

राधारमण फोजदार, उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1984

सं० 12 (27)/61-प्रमासन (राज०)—राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यापार विकास संस्थान, नई दिल्ली में सचिव एवं प्रणासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर, नियुक्त किए जाने पर, डा० एस० बी० श्रीवास्तव ने दिनाक 18/2/84 (पूर्वाह्म) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (औद्योगिक प्रवन्ध प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार छाड़ दिया। एस० के० पुरकायस्थ उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 फरवरी 1984

सं० प्र०-6/247 (213)/56—नई दिल्लं। के मुख्यालय में कार्यरत स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) तथा स्थापन्न सहायक निरोक्षण (अभि०) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए ग्रेड-111, अभियांतिकी णाखा) श्री डिं। एन० पण्डित सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 29/2/84 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ल(-110001, दिनांक 23 फरवरी 1984

सं० प्र-6/247 (460)/II—राष्ट्रपति, सहायक निरोक्षण अधिकारी (अभि०) श्री पी० डी० भट्ट को 20

जनवरी, 1984 के पूर्वीह्न से छः महीने की अवधि के लिए तद्र ये आधार पर निरीक्षण अधिकारी (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III ग्रुप "ए" अभियांत्रिकी शाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री पी० डा० भट्ट की तहर्य नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का दाता करने का हरू नहीं होगा तथा उनके द्वारा की गई तहर्य सेता उस ग्रेड में वरीयता और पदोन्नति तथा स्थायीकरण की पालता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

श्री भट्ट ने 20 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से बम्बई निरीज्ञण मंडत के अर्थान अहनदाबाद में सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद का कार्य भार छोड़ दिया तथा उसी तारीख से उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकरी (अभि०) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> एस० वालासुम्रमणियन उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालयं (प्रशासन अनुभाग ए-1)

नई दिल्लीं, दिनांक 9 मार्च 1984

सं० ए-1/1 (1165)—-राष्ट्रपति ने श्री बी० के० भसीत की सहायक निदेशक (बिकी कर) (ग्रेंड-I) के स्थायी पद पर दिनोक 11-3-83 से स्थाई रूप से नियुक्त किया है।

> सोहनलाल क्पूर उप निदेशक (प्रशासन)

हस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, दिनांक मार्च 1984

सं० 1571 बी/ए-19012/11/ओ० एस०/एस० के० डी० 19 बा०--भारतीय भूगैज्ञातिक स्पर्वेक्षण कीवना विग, कतकता के श्री एन० के० दता, अधिकारी सर्वेक्षक 22/5/80 (पूर्वाह्म) से स्त्रेच्छापूर्वक सेवा नितृत्त हो गए।

> अमित क्रुणारी निदेशक (कार्मिक)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1984

मं० 10/16/81-एम० तीन/चार--महानिदेशक, आकाण-वार्णा, श्री पी० बी० नायक, सहायक अभियन्ता, मुख्य श्रीमयन्ता (पश्चिमी क्षेत्र) का कार्यालय आकाणवाणी,

बन्द्रई के	स इ।य क	अभियन्ता	के पद से	15-2-84	(अपराह्म)
से त्यागन	त्र को	स्कार	करते हैं।		

यतेन्द्र वर्मा प्रणासन उप-निदेशक (ई) कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1985

सं० 1/4/84-7-१०-ध- चम्हानिवेशक, आकाणवाणी, एतद् द्वारा श्री एव० आर० एग्रीन को आकाणवाणी, सिलीगुडी में दिनांक 14-2-84 (पूर्वीह्न) सं प्रशासनिक अधिकारी के पद परतदर्व आधार पर स्थानांपन्ने रूप में नियुक्त करते हैं।

> श्रीमती रुवमणी दःस गुप्ता उप-निदेशक (प्रशासन) • स्ते महानिदेशक

(सिविल निर्माण स्कन्ध)

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1984

सं० ए-32014//83-सी० डब्ल्यू०-1--महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली, निम्नलिखित व्यक्तियों को पदोन्नत करते हुए 650-30-740-35-810-द० रो०-- 35-880-40-1000-द० रो०--40-1200/-६० के वेतनमान में सहायक अभियन्ता (सिविल)/सहायक अभियन्ता (विद्युत) के पदों पर, प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीखों से स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं:-

ऋम सं०	म सं० नाम स्थान व तैनार्त		नियुक्ति की तारी ख
1	2	3	4
सर्वेश	 វិរ		
1. 哎。	नरेन्द्रन	सहायक इंजीनियर (वि) सी० सी० ड ब्ल्यू०, आ० नागपुर	25-11-83 (पूर्वाह्न)
2. डी	কৈ ঘীল	सहायक इंजीनियर (विद्युत) सी० सी० डब्स्यू०, आ० पटना	3 1-12-83 (पूर्वाह्म)
3. टी	नारायणन	सहायक कार्य सर्वेक्षक (सिविल) सी० सी० डब्ल्यू०, आ० मद्रास	12-10-83 (पूर्वाह्न)
4. ਟੀ	· नानकन	–वही⊷	31-10-83 (पूर्वाह्म)
5. एस	० एन० दास	सहायक इंजीनियर (सिविल) सी० सी० डब्स्यू,० आ० अगरत्तला	31-10-83 (पूर्वाह्न)

		-
 सर्वेश्री		
6. के० र्गत;दुरई	सहत्यक कर्त्य सर्वेक्षक (सिचिल) सी० सी० डब्ल्यू०, आ० बम्बर्द	12-12-83 (पूर्वाह्न)
7. एन० विजयम्	सहायक इंजीनियर (सिविक)सी० मी० ड ब्ल्यू०,आ० गौहाटी	16-12-83 (अपराह्न)
8. ए० चट्टोगाध्याय	सहायक इंर्जानियर (सिविल) सी० मी० डब्ल्यू०,आ० राजकोट	7-12-83 (पूर्वाह्न)
9. डी० एस० के० भगवान	सहायक इंजीनियर (सिविल) सी० सी० डब्ल्यू०, आ० बंगलौर	13-10-83 (पूर्वाह्न)
10. ए० के० सरकार	सहायक इंजीनियर (सिविल) सी० सी० डक्ल्यू०, फ्रा० पुणे	25-11-83 (पूर्वाह्म)
I 1. जे० के० स्वामी	सहायक इंजीनियर (सिविल) सी० सी० डब्स्यू०, आ० गोलापुर	29-10-83 (पूर्वाह्न)
12. विपलीब्कर	सहायक इंजीनियर (सिविल) सी० सी० डब्ल्यू०, आ० पणजी	9-11-83 (पूर्वाह्न)
13. टी०एस० कपूर	सहायक कार्य सर्वेक्षक (सिविल) सी० सी० डब्ल्यू०, आ० शिलांग	7-10-83 (पूर्वाह्न)
14 पी० गौकत अली	सहायक इंजीनियर (वि यु त) सी० सी० उ ब्ल्यू०, आ० शिलांग	2-2-84 (पूर्वाह्म)

 उनकी नियुक्ति, पदोन्नति आदेम संख्या ए-32014/ 1/83-सी॰ डक्स्यू॰-1, दिनांक 24-9-83 तथा 12-12-83 में उल्लिखित नियमों एवं मतौ द्वारा मासित होगी।

> एस० कें० मोहिन्द्र मुख्य अभियन्ता (सिविल) के इंजीनियर अधिकारी कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1984

सं० ए-19020/20/80-एम० एच०--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री डी० आर० पुरी को 5 दिसम्बर, 1983 के अपराह्म से आगामी आदेशों तक सफदरजंग अस्पताल में प्रतिनियुक्ति के आधार पर लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> पी० के० धई उप-निदेशक (प्रशासन) (सी०जी०एव०एस०-2) **कृते** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1984

सं० ए०-19011/1/84-स्टोर-1--राष्ट्रपति ने श्रीमती जी० विजयलक्ष्मी को 20 जनवरी, 1984 के अपराह्म से तथा आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो, मद्रास में श्रन कल्थाण अधिश्वरी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 मार्च 84

मं० ए०-19012/1/84-स्टोर-1--स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री एस० सम्बा मूर्ति को सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो, हैदराबाद में 8 फरवरी, 1984 के पूर्वाह से आगामी आदेशों तक लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त कर विया है।

> आर० सी० गुलाटी उप सहायक निदेशक (भंडार)

नई दिल्ली, विनांक 12 मार्च 1984

गुद्धि-पत्न

सं० ए०-12025/10/81 (जे० आई० पी०)/प्रशासन 1 एम० (एफ० एंड एस०)—-जन्नाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, पाण्डिवेरी में डा० (श्रीमती) एम० दोलोड की जीव रसायन विज्ञानी के सहायक प्रोकेसर के पद पर नियुक्ति से सबंधित दिनांक 14 जुलाई, 1983 की अधिसूचना संख्या ए०-12025/10/83-(जिन०)/प्रणासन-1/एम० (एफ० एंड एस०) में '22जून, 1983' के स्थान पर '2 जून 1983' पढ़ा जाए।

पी० एन० ठाकुर उप-निदेशक (प्रशासन) (सी० एंड बी०)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

मं० ए०-31014/2/81-प्र०-I---निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के स्थायी पव पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

सर्वश्री.	
1. आर० एम० कारपटे	15-5-82
2. वी० बलराम मूर्ति	15-5-82
3. जी० एच० धनकर्	13-6-82
4. ए० सी० गुईन	1-3-83
5. पी० एल ० वशि[©]ठ	1-6-83
 फिलीप इटरिया 	1-9-83
7. एन० पी० काम्बले (अ० जी०)	1-9-83

उपरोक्त अधिकारियों का विषणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर स्थायी होने की तारीख से निचले पद पर उनका ग्रहणाधिकार यदि कोई है तो स्वतः ही समाप्त माना जाएगा।

दिनांक 21 फरवरी 84

सं० ए० 31014/2/83-प्र०-І—निम्नलिखित अधि-कारियों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) के स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

सर्वश्री

1.	आर० श्रीनिवासन			9-2-1983
2.	जी० एस० सोद्री		,	9-2-1983
3.	के० सम्पत कुमार			9-2-1983
4.	एस० सी० खुराना			9-2-1983
5	सी० एम० जनार्धनम			9-2-1983
6.	के० सी० लहीरी			9-2-1983
7.	टी० एन० मेहरा			9-2-1983
8.	एम० रत्नाकर			9-2-1983
9.	टी ० ए० नारायणन			9-2-1983
10.	टी० सी० भट्टाचार्य			9-2-1983
11.	बी०एस० ड⊺गा			12-3-1983
12.	टी॰ एस॰ कृष्णामूर्ति			12-3-1983

उपरोक्त अधिकारियों का सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग III) के पद पर स्थायी होने की नारीख से निचले पद पर उनका ग्रहणाधिकार यदि कोई हो तो स्वत ही समाप्त माना जाएगा।

गोपाल भरण शुक्ल कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय भीर भण्डार निदेशालय

अम्बई-400 001, दिनांक 8 मार्च 1984

सं० डी॰ पी॰ एस॰/41/2/83-प्रशा॰/5687--परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋष और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने सहायक ऋय अधिकारी श्री ए० एम० परेलकर की छुट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी ऋय सहायक श्री पी० एन० उक्ती क्रंडणन नायर को रूपए 650-30-740-35-810--द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तारीख 29-11-83 (पूर्वाह्म) से 5/3/1984 (अपराह्म) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन रूप से सहायक ऋय अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन, प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग . हैदराबाद-500016, दि० 12 मार्च 1984

मं० पं० खं० प्र०-16/3/82-भर्ती खण्ड II— निवेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा श्री के० एम० कौशिक, परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक की उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ हुए से स्थानापन्न नियुक्ति को, श्री जगदीण राय गुष्सा, सहायक कार्मिक अधिकारी द्वारा छुट्टी बढ़ाने के फलस्बह्प 14 फरवरी, 1984 से लेकर 27 फरवरी, 1984 (पूर्वाह्म) तक बढ़ाने है।

टी० ग्री० घाडगे, वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग इमरो उपग्रह केन्द्र

ए 1-6, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र

पीज्या, बैगलूर-560058 विनोक 1 मार्च 1984

सं० 020/3 (061)/प्र० अ० 84—इसरो उपग्रह केन्द्र के निवेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं दर्शाई तिथियों के पूर्वाह से अगले आदेश प्राप्त होने तक अस्थाई आधार पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

का० सं०	नामश्री	पद .	दिन ौ क
1	2	3	4
1.	क्षी० कामेण	वैज्ञानिक/अभियंता- एस० बी०	04-04-1983
2.	पी ं वामनोहर	वैज्ञानिक/अभियंता- एस० वी ०	20-04-1983
3.	राजमोहन पनाडिबल	वैज्ञानिक/अभियंता- एस० बी०	13-06-1983

í 2	3	4
4. पी० सी० श्र वलसन्	वैज्ञानिक/अभियंता- एस० बी॰	05-09-1983
5. एस० मतिअलग	ान् वैज्ञानिक/अभियंता- एस० बी०	16-09-1983

विनांक 2 मार्च, 1984

सं० 020/1 (3)/84-स्थापना—इसरो मुख्यालय के कार्यालय आदेश सं० एष० क्यू०/प्रशासन/4-20 (5)-3 दिनांक 20 फरवरी 1984, के अनुसार श्री एल० रामधंद्रन ने इसरो उपग्रह केन्द्र में 22 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्र में सहायक लेखा अधिकारी का पद संभाल लिया है।

सं० 020/1 (3)/84-स्थापना--इस्प्रो मुख्यालय के कार्यालय आदेश सं० एथ० क्यू०/प्रणासन/4-20 (5)-3 विनांक 14 दिसम्बरं, 1983 के अनुसार श्री गिलराय अमलकुमार ने इसरो उपग्रह केन्द्र में 16 जनवरी, 1984 पूर्वाह्न से सहायक क्रय अधिकारी का पद संभाल लिया है।

सं० 020/1 (3)/84-स्थापना— इसरो मुख्यालय के कार्यालय आदेश सं० एच० क्यू०/प्रशासन/4-20 (5)-3 दिनांक 14 विसम्बर, 1983 के अनुसार विक्रम साराभाई ग्रंतरिक्ष केन्द्र, विवेन्द्रम से स्थानांतरित श्री एम० आर० रामचंद्रन ने इसरो उपग्रह केन्द्र में 31 दिसम्बर, 1983 के पूर्वाक्ष से सहायक भंडार अधिकारी का पद संभाल लिया है।

एच० एस० रामदास प्रशासन अधिकारी-2

महानिद्शाक नागर विमानन का कार्यांलय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1984

सं० ए० 32013/2/83-ई०सी०--इस विभाग की विनांक 25 जून, 1983 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2/83-ई० सी० के कम में महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखिन बारह सहायक तकनीकी अधिकारियों को विनांक 5/5/83 से और अन्य आदेश होने तक तकनीकी

अधिकारी है :–	के ग्रे	ड में	नियमित	आधार	पर	नियुक्त	किया
क्र ० सं०	नाम	-			 	· 	· <u>-</u> .
सर्वश्री 1. के ० ए 2. एम० 3. एच ए 4. वाई० 5. श्री०। 6. ए० वे 7. के ० ए 8. एस० 9. सी०० 11. एम० 12. टी००	एस० ब जी० र एस० ग एस० दि हि० मुख एस० ए आर० दस बी० ग	गानाः मां साटिय स्वास गा गाराण साराण साराण साराण	यन र गुप्ता				

दिनांक 28 फरवरी, 1984

सं० ए० 32014/3/83-ई० सी ०--महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारियों की तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक या पवों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सामान्य शतीं के अन्तर्गत जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है:-

ah Alataki anga kana ini katsara		44. ए० एस० शिवरामकृ ष्णन	31-12-83
कृ०सं० नाम	तारीख	45. एम० एस० सिंघल	31-12-83
		46. पी० बोस	31-12-83
1. जै० आर० देशमुख	31-12-83	47. एस० एस० सन्धु	31-12-83
2. एस० के० राय	31-12-83	48. भार० एल० सुन्दर राज	31- 8-83
एस० दोरेराजन	31-12-83	49. एन० आर० बोस	31-12-83
4. टी० एस० कृ ष्णामूर्त्ति	31-12-83	50. टी० जी० नायर	31-12-83
5. एस ० वरदराजालु	31- 7-83	51. एम० आर० राजऋषि	31-12-83
6. जे० सी० डी० सिल्वा	30-9-83	52. पी० के० दास	31-12-83
7. डी० एन० कुन्डु	31-12-83	53. पी० जी० घ न्द्राणा	31-12-83
 ए० पेरियास्थामी 	31-12-83	54. एस० के० विक्यास	31-12-83
9. वी० जी० सुन्दररामन	31-12-83	55. सी० एल० सेन चौ धरी	31-12-83
10. जी० एन० भ्रोका	31-12-83	56. ए० के० वि श्वा स	31-12-83
11. एम० एस० गोगटे	31-12-83	57. एच० एन० रंधे रि या	31-12-83
12. के० एल० पटवा	31-12-83	58. एम ० जी० संदैल	31-12-83
13. एस० बर्मन	31-12-83	59. एम ० जी० मुलमु ले	31-12-83
14. टी० पास	31-12-83	60. झार० जे० राम	31-12-83
15. एम० के० घक ्रपाणि	31-12-83	61. पी० एस० बागड़े	31-12-83
16. वी० के० एच० शर्मा	31-12-83	62. बी० एस० गुलाटी	31-12-83
17. पी० के० मजूमदार	31-12-83	63. जे० एच० नायर	31-12-83
18. बी० जे० हुङ्डर	31-12-83	64. श्रीमती प्रीति कुन्डू	31-12-83
19. वी सी विश्वास	31-19-83	65. एस० पी० बांसवाङ्ग	31-12-83

	T
ऋ०सं० नाम	—————————————————————————————————————
20. एच० एस० तुली	31-12-83
21. नामदेव एच० भौचरमल	31-12-83
22. सी० आर० गुहा	31-12-83
23. एडविन थामस	30-11-83
24. मी० भार० कुट्टी	31-12-83
25. ए० एन० विश्वास	31-12-83
26. पी० आर० चौधरी	31-12-83
27. वी० एन० सरकार	31-12-83
28. चमन सिंह	31-12-83
29. डी॰ एल॰ हेटे	31-12-83
30. आर० पी० जोशी	31-12-83
31. बलबीर सिंह	31-12-83
32. जी० एल० चावला	31-12-83
33. आर० के० डी० चौधरी	31-12-83
34. एस० डी० भल्ला	31-12-83
35. जे० पी० गुप्ता	31-12-83
36. ए० कुमार [ँ]	31-12-83
37. श्री० एस० करमालकर	31-12-83
38. फे॰ एस॰ एन॰ अय्यर	31-12-83
39. डी० एन० हालदर	31-12-83
40. आर् अरूल प्रकाशम	31-12-83
41. जी० सुब्रह्मण्यम	31- 7-83
42. एम० एस० देयोल	31-12-83
43. एस० के० नन्दी	31-12-83
4.4 H. Day - Company	

श्रम सं० नाम	तारीख
66. जी० एरना	31-12-83
67. जे० बी० कृष्ण	31-12-83
68. जे० एस० बेदी	31-12-83
69. जे० घोष	31-12-83
70. आर० के० नाज	31-12-83

जीं० बीं० लाल सहायक निदेशक प्रशासन

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 मार्च 1984

सं० ए०-38019/11/83-स्थापना-I—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्निजिखत सहायक मौसम विज्ञानी अपने नामों के सामने दी गई तारीख को वार्षक्य आयु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए:—

ऋ० सं०	नाम	निवृतन दिनांक
	. س. رده <u>دی رسی می دی در سیاحت است این است است این است این این ا</u>	مدين وخاصيات لكا احد إدارت والم الكارشة السياس
1. श्री	के० एस० वेंकटकुष्णन	30-9-83
2. श्री	के० वी० कृष्णमूर्ति	30-9-83
3. श्री	वी० बालासुब्रामनियन	30-9-83
4. श्री	पी० बी० होर	31-10-83
5.श्री	ए० के० सेठ	31-10-83
6. श्री	एन० आर० आर० बनेगल	31-10-83
7. श्री	एच० सी० मल्होत्रा	30-11-83
8. श्री	वी० नटराजन	30-11-83
9. श्री	एल० एच० पीटरसन	30-11-83
10 श्री	आर० रामासुद्रामनियन	30-11-83
11. श्री	वी० के० पथुर	30-11-83
12. श्री	ए० सी० बासु	31-12-83
13. श्री	डी० एन० पाल	31-12-83
14. श्री	एम० आर० हींगोरानी	31-12-83
	——————————————————————————————————————	

मौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

के० मुखर्जी

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1984

सं० 3-607/82-मु० जल भू० स्था०-श्री एघ० एल० रिव प्रकाश, सहायक जलभूविज्ञानी का सहायक जल-भूविज्ञानी के पद से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया है 2-526GI/83 और उनका ताम केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड की नामावली में 24-2-1984 (अपराह्म) से हटा दिया गया है। बी० पी० सी० सिन्हा मुख्य जलभूविज्ञानी तथा सदस्य

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 3 मार्च 1984

सं० 2/84 फाईल सं० 7/1/83-प्रणासन-I (ख)—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा, निम्नलिखित अधिकारियों को, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में अतिरिक्त सहायक निदेशक के ग्रेड में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप-बी) सेवा में मौलिक स्थायी क्षमता में उनके नामों के सामने लिखी तारीखों में नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं∘	नाम	पदनाम	मौलिक क्षमता में अतिरिक्त सहायक निवेशक के रूप में नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4
सर्वेश			
1. ए०	सी० हरी	उप-निदेणक	2-9-75
2. कें ०	आर० भगवान	∽वहो−	2-9-75
3. एस	० आर० नायर	~वहीं <i>~</i>	2-9-75
4. সা	र० पार्थसारथी	–वही–	2-9-75
5. जे	० एस० वधवा	 वही	1-5-76
6. अंड	ानास सिंह्	–व ही –	26-6-76
7. एस	o एस० भट्टाचार्य	सहायक निदेशक	26-6-76
8. आ	र०पी० कायस्थ	उप-निदेशक	29-6-76

सहायक निदेशक 1-6-77 13. एम० सी० मोहेन्द्रा उप-निवेशक 1-6-77 14. रायउद्दीन 15. टी० बी० एस० उप-निदेशक 30-9-77 राममूर्ति सहायक निवेशक 16. ए० के० मण्डल 30-4-79 अति० सहा० 1-1-80 17. एम० पी० कालीया-निवेशक पेरुमल 18. वी० विद्यासागर उप-निदेशक 1-7-80 उप-निदेशक 1-7-80 19. जी० एम० चाधला

–वही-

–वही-

सहायक निदेशक

उप-निदेशक

9. ए० के० पूरी

11. वी० मुथुवेल्लयाथम

12. एच० आर० गुप्ता

10. टी० नरैय्या

बी० एम० लास अवर सचिव

29-6-76

29-6-76

26-10-76

1-5-77

विधि, त्याय श्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग,) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं प्रीमियर मीटर्जं एण्ड इंस्ट्र्मेंटम् मैंन्युफक्वरिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में। बम्बई, दिनौंक 3 मार्च 1984

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर प्रीमियर मीटर्ज एण्ड इंस्ट्रू मेंटस् मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया हो तो रिजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बिलिमोरिया प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, तारीख 3 मार्च 1984

म० 672/12234/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर बिलिमोरिया प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटिन कर दी जाएगी।

ओ० पी० जैन कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार मह(राष्ट्र, वस्बई

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एसोसिएटिड रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। कोचीन, दिनांक 3 मार्च 1984

सं० 1844/लिक्ब/560(5)/2208/84---कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 450 की उपधार। (5) के अनुसरण से एतब्द्वारा सूचना दी जाती है कि एसोसिएटिंड रोडवेज प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट किया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हाजी वि०एम० सेयद मोहस्मद राऊषर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 3 मार्च 1984

सं० 427/लिकिव/560(5)/2207/84—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतब्दारा सूचना दी जाती है कि हाजीबी० एम० सैयद मौहम्मद राज्यर एन्ड संस प्राईवेट लिमिटड कानाम रजिस्टर से काट दिया गया ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

> के० पंचापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

कम्पनी अधिनियम; 1956 और सूरज ऋषिट एंड इंवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 6 मार्च 1984

सं० (1007)/560/7299—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि सूरज केडिट एंड इन्बेस्टमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिटीजन सेविंगस एंड फाइनेन्स प्रा० लि० के विषय में।

पटना, दिनौंक 6 मार्च 1984

सं० (7018)/560/7302—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि सिटीजन सेविंगस एंड फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बालाजी ऋडिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 6 मार्च 1984

सं० (1027)/560/7305—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि बालाजी क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> ए० धहाब अंसारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ग्रेटविन बेनी-फिट एंड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड भोपाल के विषय में

ग्वालियर, विनांक 8 मार्च 1984

क्रमांक 1084 (पी० एस०) (सी० पी०)
3064—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की
उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती
है कि इस नारीख से तीन माह के अवसान पर मैसर्स ग्रेटिवन
बेनीफिट एंड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड भोजाल का नाम
इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट
दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रवेश, ग्वालियर कार्यालय, ग्रायकर ग्रायुक्त आन्द्रप्रदेश हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1984 आदेण

सं० 99--अद्योकित आयकर अधिकारी की पुष्टि आयकर अधिकारी, वर्ग- Π के रूप में उनके नाम के सामने स्तम्भ संख्या 3 में अंकित तिथि से हुई है ।

कम सं०	आयकर अधिकारी का नाम, पदनाम और कार्यरत स्थान	पुष्टि की तिथि	रिक्त कैसे हुई ?
(1)	(2)	(3)	(4)
5 8 17	भी पी० एस० एस० समचन्द्रन भा०अ० (मु०) (अन्वे- ाण-सर्वेक्षण) का० आ०अ० दराबाद ।	1-3-84	श्री वै० चक्रपाणि आ०अ० के संवा निवृत्त होने से ।

2. पुष्टीकरण की तिथि पाश्वं तिथि में आशोधन योग्य है, यदि ऐसा करना आवश्यक समझा जाए।

> एस० रामस्वामी आयकर आयुक्त, आंध्र प्रदेश—1 हैदराबाद ।

प्र<u>रूप आहें. टी.</u> एन., एस., ----

नायकर निभित्तियन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ज (1) को अधीन स्वता

बार्ड सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्वेश सं० अई-4/37 ई० ई०/1718/83-84—यतः मुझे, विजय रंजन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्तिस जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- एन. से अधिक है

और जिसकी सं० पलाट नं० 405, 4 थी मंभिल, सुन्दर पार्क, 'बी बिल्डिंग, आफ बिरा वेसाई रोड, अंधेरी (पिष्चम) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबग्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित्त हैं। रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3-6-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरममान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्तित का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोनें के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ उपधारा (1) के जधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों अर्थात् ड--- (1) मैसर्स सुंदर मन्स्ट्रकशन कंपनी

(अन्तरक)

(2) श्री राजाराम पाँडुरंग येवले

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पातित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस बुब्ना के राज्य में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राया;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-विष किसी अन्य व्यक्ति इवार अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळांकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया जया हैं।

ग्रनुसूची

पताट नं ० 405, 4 थी मंझिल, 'सुन्दर पार्क, 'बी० बिल्डिंग, आफ विरा देसाई रोड, अंधेरी (पिष्चम बम्बई 58) में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि ऋ० सं० आई०-4 33 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3 जून 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (मिरीक्षण); अर्जन रेंज 4, बम्बई

विनांक 9-2-1983 मोह्यु ध

श्रक्य बाहु हु हों. एव ु एव .-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

वारा 269-व (1) के बधीन सूचना

नार्त सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांस 8 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई०-4/37 ई० ई०/523/83-84---यतः मझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० ष्राप नं० 7, अंधेरी शिव-शिक्त सोसायटी, कायसर रोड, अंधेरी (पिष्चम, बम्बई-58 में स्थित। है तथा जो और जिसका करारनामा आयकार अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में रिजस्ट्री है। तारीख 2 जून 1983 को प्रबंक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के निए कत्तरित की यह है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री पी० जी० जयसिंह

(अन्तरक)

(2) बाम्बे डिस्ट्रीब्यूटर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्बत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नेपा है।

अन्सची

शाप नं० 2, अंत्रेरी शित्र-मितः सोसः।यटी, कायसर रोड, अंधेरी पश्चिम, बम्बई-58 में स्थित ।

अनुसूची जैसािक कि सं० ए० आर०-4/30 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1983 को रिजस्टुर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज:4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न

विनांक 8-2-1984 मोहरः प्ररूप मार्चे. टी. एन. एस., ------

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-इ (1) के अभीन स्थना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्वेश सं० आई०-4/37 ई/2443/83-84—अतः मुझे, विजय रंजन,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आफिस प्रिमाय सेस नं० ए-211 और ए-212, 2 री मंझिल, सुपर शांपिंग कांम्प्लक्स, कांदिवली, पिष्टिम, बम्बई-67 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है रिजिस्ट्रीकतां अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आय कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 14-6-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कर्भित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जारा/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विषः

अंतः अब जुक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल (1) मेसर्स ममता प्लास्टिकस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रेमनाथ अमरनाथ पुरी

(अन्तरिती)

(4) भगता प्लास्टिक

(वह ज्यक्ति जिसके बारें में अधीहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त संपर्तित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुनारा;
- (त) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबद संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकोंगे।

स्पद्धीकरण हिन्स्हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है 10

अनुसूची

आंफिस प्रिमायसेस नं \circ ए/211 और ए-212, 2 री मंझिल, सुपर मांपिंग कांम्प्लेक्स, प्लोट नं \circ 17 और 18, की बलवी रोड, कांदिवली (पिण्चम), बम्बई-67 में स्थित । अनुसूची जैसा कि फ्रं॰ सं आई-2 /2443/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक विजय रंजन 14-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 13-2-1984 मोहर ⊔ प्ररूप आई.टी.एन्.एस्.-----

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांस 13 फरवरी 1984

निर्वेण सं० ए० आर-3/1796/83-84—श्रतः मुझे, विजय रंजन.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक हो

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 4, प्रांउड फ्लोर, गौतम निवास, वर्षना को-प्रांप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड 7 बंगलौज, जय प्रकाश रोड, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूमूची में और पूर्ण रूप से विणित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई और जिसका करारनामा आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। अधिनियम 1908 (1908 कार्यालय में रिजस्ट्री है। अधिनियम 1908 (1908 कार्यालय में रिजस्ट्री है। अधिनियम

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए,

सतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के,अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् स्—— (1) डा० तनमुखराय हर्षदराय रिदानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कांताबेन व्हिक्पारीख

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गय। है।

नन्त्वी

पलाट नं० 4, ग्राउंड फलोर, गोतम निवास, वर्षेना को-ग्रॉप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 7 बंगलोज, जयप्रकाश रोड, अंधेरी (पिण्चम), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई० 460/83-84 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीखा 13-2-1984 मोहर : प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस. - - : ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4 बम्बई

बम्बई, विनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई-4/37ई० ई2570/83-84—-यतः मुझे, जियथ रंजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लोर नं० 159, जहबाहर नगर को-आप हाउसिंग सोसायटी लि०, गोरेगाव (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। और इससे उबबाब अनूस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आय कर प्रधिनियम 1961 की धारा 260 क, ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 18-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्री डी॰ एन॰ भक्ता, लक्ष्मीबेन एम॰ भक्ता ग्रीर जे॰ एन॰ भक्ता

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री डी॰ डी॰ गांधी और आर॰ डी॰ गांधी (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री भाडूत

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त् सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृत्यी

प्लोट नं० 159, जवाहर नगर को-आंप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मातृ पितृ स्पृती, गोरेगोव (पश्चिम), बम्बई में स्थित।

अनुसूवी जैसािक क० सं० आई-2/2570 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दूसरा दिनांक 18-6-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4 बम्बई

तारीख: 13-2-84

मोहर 🖫

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई०-4/37ई०ई०/2564/83-84—म्प्रतः मुझे विजय रंजन.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्रैंट नं० 401, 4 थी मंजिल, दात्तानी नगर बिल्डिंग नं० 3, सी० टी० एस० नं० 60/61 (पार्टी) आफ मोजे मागठागे, एस० व्हि० रोड, निअप कोरा कोन्द्र, बोरीवली, बम्बई-92 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनु-मुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनिमम सं० 1961 की धारा 260 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बद्देके कार्यालय में रजिल्ड़ी है तारीख 18-6-1983 को पुर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वावत, उक्त निर्माणयम की नभीन कर दोने के अन्तरक के वास्ति में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/मा
- (स) ऐसी किसी साय या िकसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

वतः जस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 3—526 GI/83 (1) श्रीमती ग्रदमा प्रगवाच नाह्लीफनी और श्रीमती पुष्पा टेकचंद लितली यानी

(अन्तरक)

(2) श्री रंजीतिसह जमनादास क्याडिया और श्रीमती हेमा रंजीत सिंह क्याड़िया

(अन्तरिती)

(3) मेसर्थ पात्तानी इंटरप्रायजेज (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रां
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिखा नवा हैं।

अनुसूची

पनाट नं 40 दास्तानी नयर बिल्डिंग क 3 प्लोट बैंकरींग सी०टी० एस० नं 60/61 (पार्ट) आफ मौजी मैगथाने एस० व्हि० रोड, नियर कोराकेंद्र बोरोयली (पश्चिम) बम्बई 400 092 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि कर संर आई-8/2564/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-6-1983 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्य आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

दिनांक 10-2-1983 भोहर : प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1984

निर्वेश सं० अर्ह 4/37 ईर्ड/2325/83-84--अतः मुझे, विजय रंजन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित क्षाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 501/बी, 5वीं मंजिल, कौस्तुभ नगर, रामचंद्र लेन विस्तारित, मालाड (पण्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीत बम्बई स्थित प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, तारीख 7-6-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम स्थामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करनेया उससे बचने में भिष्या के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, रा धन-कर अधिनियम, रा 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्वक्तियों, अर्थात्:— (1) नवजीवन बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री इरेन लोबी बाइफ आफ रोनाल्ड सिविल सोबी

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री नवजीवन बिल्डर्स (वह व्यक्ति जिसके बारेमें अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्परके किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

्लाट नं० 501/बी ग्रांन 5वी मंजिल, इन 'कौस्तूभ नगर', ग्रॉन प्लोट नम्बर्स ए-3 मे ए-6 ग्रॅंट रामचंद्र लेन विस्तारित, मालाड (पश्चिम), बम्बई-400064 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-4/37 ई ई 2325/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विषय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 18-2-1984

प्ररूप. बाहै. टी. एन्. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (मिर्धिमण) अर्जन रेज-III बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1984

निर्देश मं० आई-4/37 ई०ई०/2643/83-84—अतः मझे विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लाट नं० 602, 'बी' विग, 'कोस्तूम नगर, रामचन्द्र लेन, विस्तारित, मालाड (पिष्चम), बम्बई 400 069 है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, तारीख 21-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा को लिए;
- ब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अभीत, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स नवीजयन बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चंद्र रावल

(अन्तरिती)

(3) श्री रमेश चंद्र रावल (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधिहस्ताक्षरी जानता है कि वह समस्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

क्लैट नं० 602 आन 6 वी मंजिल, इन 'बी' विगनाफ विल्डिंग (कोस्तूब नगर) आंन 'लोट नंम्बर्म ए-3 से ए-6 आंट ब्लिंज बालनाय, रामजंद्र लेन विस्तारित, मालड (पश्चिम बम्बई 400 064 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि आई-4/37 ईई / 2643 83-84-श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय **रं**जन सक्षम प्राधिकारी _{घरुष्पप} आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III **बम्बई**

दिनांक 18-2-1984

प्ररूप **वाद**ै. टी. एत्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1984

निर्देश सं भाई-4/37 ई/2101/83-84--अतः मुझे विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

घौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल मेड नं० 165, 1ली मंझिल, शिय-पाक्ति इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल व्हिलेज, आफ अंधेरी-कुर्ला रोड, ग्रंगेरी (पूर्व बम्बई-59 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजीस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 260 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दूरवमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि सिखत में बास्तिवृक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ज्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्ण; जोड़/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसिस व्यक्तियों, अधित्:— (1) मेसर्स शिव शिवत बिल्डसं

(अन्तरक)

- (2) (1) कारोयलथेक्कुट कुष्णन भास्तन
 - (2) सुप्रभा भारतन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगर जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

इण्डस्ट्रियल शेंड नं० 165, 1ली मंझिल, शिव-शिक्स इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल ब्लिज, आफ ब्रंधेरी कुर्ला रोड, ब्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित । अनुसूची जैसा ऋ० सं० आई० 4/39/83-84 ब्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 25-6-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बर्द

नारीम 8-2-1984 मोहर :

प्रक्ष बार्च, टी. एन . एव .-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत बुरकार

क्र्यानिय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1984

निर्देश सं० ए० सी०-101-रेंज IV कल/83-84---यतः, मुझे, शंकर के० बैनर्जी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राम्चीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 23 है तथा जो घोष लेन, हावड़ा स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख़

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों का , जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना जाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) धो अधीन निम्मिनिस्ति व्यक्तियमें अधीत :-- (1) श्री छोटालाल दयाभाई, प्रामीन छोटालाल, निरंजन छोटालाल थाकार

(अन्सरक)

(2) दिपेस कुमार सारावगी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन 7 काठा 7 छटाक 20 सको० फि० जमीन का साथ मकान पता 23, घोष लेन, थाना-वाली, जिला हावड़ा दलित सं० 1983 का 6211।

> शंकर के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

नारीख 18-2-1984 मोहर : प्ररूप माई० डा > एतं > एव > -- --

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1984

निर्देश सं० ए० सी० 100 रेज IV कल/1983-84--- यत: मुझे, शंकर के० ब्यानाजी

मायकर श्रिधितियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधितियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से फिक्षक है

श्रीर जिसकी सं० 23 है तथा जो घोष लेन, हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनूसूची में श्रीर पूण रूप से बाजत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-6-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से किश्रत कहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब; उक्त ग्रश्चिनियम की घारा 269-म के, अनुसरण में', में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपनारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं— (1) श्री छोटालाल दयाभाद, प्राभीन छोटालाल, निरंजन छोटालाल थाकार

(अन्तरक)

(2) श्री सारिता सारावर्गा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन-7 काटा 7 छटाक 25 स्को० फि० जमीन का साथ मक्तान पता-23, घोष लेंन, थाना-बाली, जिला-हाबड़ा दलित सं० 1983 का 6210

> शंकर के० ब्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज IV कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

हारीख**ः** 18-2-1984

मोहर 🖟

प्ररूप आहुर, टी. एन. एस.-----

आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन जिंक कलकत्ता

कलकत्ताः दिनांक 18 फरवरी 1984

निर्देश सं० ए० मी० 99 रेंज IV (कल/83-84-- यत मुझे, शंकर के० ब्यानाजी

ष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह यिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी मंख्या 23 है तथा जो घोष लेन, हावड़ा रिथत है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम। 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिलित उद्देश्य से उपत अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थीत्।— (1) श्री छोटालाल दयाभाई, प्रभिन छोटालाल, निरंजन छोटालाल ठाकुर

(भ्रन्तरक)

(2) देविकनन्दन सारावगी

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस गुचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकरेंगे।

स्थष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जनस ची

जमीन 10 काठा 14 छटाक 25 स्को॰ फि॰ जमीन क माथ मकान पता-23, कोध लेन, थाना-बाली, जिला हाबडा दिलल सं॰ 1983 का 6209

> शंकर के० ब्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज कलकत्ता 54, रफीअहमद किववाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 18-2-1984

मोहर ः

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1984

निर्देश सं० ए० सी० 88 रेंज कल०/19 83-84— यत: मुझे, शंकर के० ज्यानाजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी मं० 220 ए है तथा जो नस्करपाड़ा रोड, हावड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उबापद्ध अनूसूची में ग्रांर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ज्लाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रियाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल को एसे रूरयमान प्रतिफल को पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिक कुप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किर्दा आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री कानाइयालाल रत्वया, जुगल किशोर णर्मा, मुरजमल मातोलिया

(अन्तरक)

(2) मारकारी डेमेलपमेन्ट प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विना के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसा- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

शन्त्वी

जमीन 8 काठा जमीन का साथ मकान पता प्लाट सं० 20,21, 220-ए, नस्करपाड़ा रोड, थाना मालिपांचघड़ा, जिला-हावण दलिल सं० 1983 का 1694

> शंकर के० व्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 18-2-1984

प्रकृष नाहों हो एक प्रकृतकार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

प्राप्त परकार

कार्यालयः, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-धा, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 फरवरी 1984

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज 1406/एसीक्यू/आप-III —83-84 यतः मुझे एस० के० चौध्री ,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बिधिक है

श्रीर जिसकीं सं० 80 गज है तथा जो गरत बोस रोड,कलकत्ता-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूर्वा में श्रीर पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता आधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर्/बा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, क्रथांत क्र— 4—526 GI/83 (1) श्री उडित कुमार राय तथा अन्यान्य

(अन्सरक)

(2) श्री शारदा देवी मावानिया

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे

स्पटिकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

80 गज, भरत बोस रोड, कलकत्ता में अवस्थित मकान का पहला तल्ला का (पहली मंजिल) दक्षिण पूरब में स्थित प्लाट जो छोड नं० 307 के अनुसार 21/6/83 में रजिस्ट्री हुआ।

ग्स० के० चौधुर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कक्षकता

तारीख: 20-2-1984

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅफ, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देण सं० ए० मी०/रेंज- \mathbf{IV} , कल—यतः मुझे, एस० के० चौध्री,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 34 है तथा जो नेताजी सुभाष रोड़ कल० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आए० ए० कलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-6-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे इद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बोदय से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्र) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्षत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री गोपाल चन्द्र खाण, ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार अरोरा एन्ड ग्रदर्श सरफ ग्रासर्वाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रपी

3.4, नेताजी सुभाव रोड कल० में अवस्थित सम्पत्ति क अविभक्त 1/3 हिस्सा जो 24-6-83 नारिख में डीड नं० 1-6139 अनुसार आर० ए० कल० के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश 1404/एक्यूजेशन रेंज-III/83-84—यत: मुझे, एस० के० चौधुरी,

स्नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 243/2 ग आचार्य प्रफुल्लचन्द्र रोड कलकक्षा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्क्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-6-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भूत या अन्य आस्तिथों की जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के निए;

जतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म कै जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वचीत् :--- (1) श्रीमती रेनुका साधुखान

(अन्तरक)

(2) 1. श्री राजेन्द्र प्रसाद साव 2. लखी प्रसाद साव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

243/2 ग आधार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड, कलकत्ता में अवस्थित सम्पति जो 15-6-83 तारीख में रजिस्ट्री दफ्तर कलकता में डीड नं० I/5811 के अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-III, 54 रफी आहमद किववाई रोड कलकत्ता- 16

तारीख: 10-2-1984

प्रकप् आर्थे . ट्री . युन् . एस . ------

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के धर्मीन सूचना

भारत सर्कार

कर्भालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन जेंज कलकना

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० 1403/एकुइजेंशन रेज-III/83-84—यतः मुझें, एस० के० चौध्री,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 140 बी केशब चन्द्र सेन स्ट्रीट है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-6-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिक्ष (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (भ) प्रस्तरण से हुई जिसी थाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीप/मा
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, मा बन कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भ्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविद्वा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ४--- 1. श्री रामदास घटर्जी

(भन्तरक)

2. (1) हरि नारायण गुप्ता (2) गोपाल अगरवाल (3) अशोक कुमार अग्रवाल (4) मनोज कुमार अंग्रवाल जिसका माता भूरि देवी अग्रवाल द्वारा उपस्थित है।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जबत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वृद्ध के 45 दिन की अनुधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- संबंध किसी अन्य व्यक्ति व्याग्र, अधोहस्ताक्षरी के पास सिम्बित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

104बी, केशब चन्द्र सेंन स्ट्रीट पर अवस्थित सम्पत्ति जो 24-6-83 तारीख में रजिस्ट्री हुआ डीड नं 6144 अनुसार।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) 53, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

तारीख: 10-2-84

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकद आयुक्त (निर्द्रीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकला, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० 1402/एकुइजेशन रेंज-III/83-84—यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 एफ/1 है तथा जो 18/3 गडियाहाट रोड कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाधन अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कुके कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 4-6-83

कां पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) समीरण को-आपरेटिव हाउस सोसाइटी लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्री मुजित कुमार सिंह

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्स्की

नं 1 एफ/1 प्लाट जो 18/3 गडियाहाट रोड में अवस्थित 4-6-83 तारीख में रिजिस्ट्री दफ्तर कलकत्ता में डीड नं 5839 अनुसार रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, 54 रफी शहमद किदबाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 13+2-1984

प्रकार वार्ष**्टी . १५**८ **एवं**क अन्तर्यक्त

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की बादा 269-व (1) के स्थीन स्वात

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 13फरवरी 1984

निदंश सं० 1401/एकुईजेंशन रेंज-III/83-84——यतः मुझे, एस० के० चौध्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 18/3 घराट रोड है तथा कलकता-19 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजक्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-6-83

को पूर्वोकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोकत संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्तद्व प्रतिकत से अधिक, है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्निलित उद्वेदम से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्त- किक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरम तं हुए किसी बाम की वाबत, उनसे विभिन्निम्म के अभीम कर दोने के अस्तरक के वास्तिक में कनी करने या उन्नसे अभने में स्विधा के सिक; वरि/वा
- (च) प्रेसी किसी जाय या किसी धन या जन्य शास्तियाँ क्ये, जिन्हें भारतीय जाय-कर शीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियाने में स्विका के किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह—--

- (1) समीरन को-आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्री बीहिका राय

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, र वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्तु की

प्लाट नं 14/1 जी 18/3 घराट रोड, क्लक्सा में अवस्थित सम्पत्ति रजिस्ट्रेशन दफतर, क्लक्सा द्वारा 4-6-83 तारीख में डीड नं 5388अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के॰ चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III 54 रफी अहमद किदवाई रोड कलकला-16

तारी**ख**: 13-2-1984

मोहर 🚜

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीग मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें**ज**]!I कलकता

क्लकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० 1400/एक्युजेशन रेंज III/83-84--यतः मुक्को, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० है सदानन्द रोड कलकत्ता है तथा कलकत्ता-26 में स्थित है (और उससे उपायद्ध अनूसूची में और पूर्णे रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीगर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-6-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफत में, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के टीच ऐसे प्रकारण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित सहेश्व से उक्त अन्तरण निकास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- ्ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अगरियों द्वारा पका नहीं किया गया या किया जाता जाहिए वा, स्थियों के लिए;

अत: मब, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नसिक्तिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) प्रसाद दास बनर्जी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रिणक्ता चौधुरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

5, सदानन्द रोड में अवस्थित सम्पति जोव 3-6-83 तारीख में रिजस्ट्री वक्तर, कलकत्ता द्वारा डीड नं० 3104 अनुसार रिजस्ट्री हुआ।

एस० के० चौधुरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
54 रफी अहमद किदवाई रोड
कलक्षा-16

नारीखा: 13-2-84

त्रस्य वाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरक्षिण) अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता,दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० 1399/एक्युजेशन रेंज III/83-84----यतः मुझे, एस० के० चौधुरी

नायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की अपरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट न० 4 ए है तथा जो 17 डी, अणुतोप चन्द्र एमोर्नेड में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्णेरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यौलय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिमयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-683

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भत्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अधीत :—— (1) पुर्वाणा निर्माण उद्योग (प्रा०) लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) लिमिटेड गुष्ट्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वंग सर्ची

प्लाट नं० 4 ए (4 क्लोर) जो 17 डी, आशुप्तोष चौधुरी श्रवस्यू में अवस्थित सम्पति 10-6-83 दिनांक में रजिस्ट्री दफ्तर कलकता द्वारा डीड नं० 1/5570 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-III 54 रफी धहमद किदबाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 10-2-84

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नियम 1061 (1061 का 42) की

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकता कलकता, दिनांक 10फरवरी 1984

निर्वेश सं० 1398/एकुइजेशन रेंज-III /83-84---यतः मुझे एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कुरने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० 7 बेबनाथ मिलक लेन कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रोक्सर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रोक्सरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-6-1983

को पूर्वोकत संपक्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की धर्द है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से शुर्ड किसी आय की बाबत, अक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

(1) राम कुमार महिलक

(अन्तरक)

(2) श्री लखमी नारायण मल्लिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्तियों
 - (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः समें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उसत विधीनयमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गमा है।

भगसर्ची

7, वैद्यनाथ मल्लिक लेन, कलकत्ता में अवस्थित सम्पस्ति जो 20-6-83 तारील में कलकत्ता रिजस्ट्रोशन दफ्तर व्यास रिजस्ट्रोशन दफ्तर व्यास रिजस्ट्रोशन दफ्तर व्यास

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-III 54 रिफ ग्रहमद किववाई रोड कलकसा-16

तारीख: 10-2-84

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

अप्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III; कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्वेश मं० 1397/एकुईजेणन रेज-III/83-84---यत: मुझे एस० के० चौधुरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरवात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मौजा रायनगर बाग्रद्रोमी, रिजण पार्क कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीमिसी अधिकारी के नगर्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीमिरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-83

को पूर्वेकित संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्तित उद्देष्य से उक्त बन्तरण सिक्ति में बास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिनह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सिवधा के लिए;

असः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) आबयुल बारि मण्डल, आबयुक्त आर्जिज मण्डल आबयुल बेदार मण्डल

(अन्तरक

(2) दि बैंक ऑफ बड़ोदा ब्लाक हाउसिंग मोसाईटी लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपकृ में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मोजा रायनगर, बाणद्रोनी रिजब्ट पार्क में अवस्थित सम्पत्ति जो 17-6-83 तारीख में रिजस्ट्रेशन दफतर द्वारा कलकत्ता में रिजस्ट्री हुआ डीड नं०-1-5878 अनुसार

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III 54 रफीग्रहमद किववाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 10-2-84

मोहरु 🖫

प्ररूप आहुर.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकता कलकता: दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्वेश सं ० 1396/एकुईजेकेन रेंज-III/83-84--अतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा रायनगर बागद्रोनी रिजण्ट पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-83

'को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च मधे उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) अबदुल बारि मण्डल, अबदुल अजिज मण्डल अबदुल नेदार मण्डल

(अन्तरक)

(2) दि बैंक ऑफ बरोदा ब्लाक कोआपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स'
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मौजा रायनगर, नाशक्रोनी, रिजष्ट पार्क में अवस्थित सम्पत्ति जो 17-6-83 तारीख में रिजस्ट्रोशन दफ्तर द्वारा कलकत्ता में रिजस्ट्री हुआ डीड नं. 1-5877 अनुसार ।

> एस० के० वौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—III, 54 रिफ अहमद किदवाई रोडं कलकता—16

तारीख : 10-2-84

भोहर:

प्ररूप काई , टी. एक , एस , -----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वभीन सूचना

भारत सरकाड़े

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकता

मलकताः दिनांक 10 फरवरी 1983

निर्देश र्स० 1395/एकुईजेशन रेंज-III/83-84—-यतः मुझोॄ एस० के० चौधुरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 170, पिकानिक गार्डन जो कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तरिक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबत बिधानियम के बधीन कर वेगे के असारक के दायित्व में कमी करुने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री निसाई चन्द सस्कर, बदन चन्दू तस्कर पन्नालाल सस्कर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें बी गोपीनायन नायर

(अन्सरिती)

कीं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही बुक्त करता हुं। उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास के लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण: -- प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

170, पिकनिक गार्डन में अवस्थित सम्पति जो 29-6-83 दिनांक में कलकत्ता रजीस्ट्रेणन दफतर द्वारा रजिस्ट्री 6348 डीड के अनुसार हुआ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III 54 रिफ ग्रहमद किंदबाई रोड कलकला-16

तारीख: 10-2-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1984

सं० 1394/एक्यूजेशन रेंज-III/83-84---यतः मुझे, एस०के० चौध्री

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. मे अधिक है

और जिसकी संव मौजा रिविन्द्रनगर जो रीजण्ट पार्क कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री अब्दुल बारि मण्डल, अब्दुल आजिज मण्डल अब्दुल केदार मण्डल

(अन्तरक)

2. दि बैंक ऑफ बड़ौदा, ब्लाक को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपि में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

मौजा रवीन्द्र नगर, बाम्बद्रोनी, रिजण्ट पार्क, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति है जो 14-6-83 की तारी**ख** से रिजस्ट्रेमन दप्तर द्वारा (कलकता) रिजस्ट्री हुआ डीड नं० 5748 के अनुसार ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख :10-2-1984

प्रक्य आइ.टी.एन.एस.-----

वायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269~ष (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्वासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1984

सं 01393/एक्यूजोशन रेंज-III/83-84--अतः मुझे, एस० के० चौध्री

लाककर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० मौजा रर्वान्द्र नगर, बाशद्रोनी, रिजन्ट पार्क कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 14-6-83

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जलारण से हुई किसी बाय की बायत, उन्तर जीभीनयम के विभीन कर दोनें के जलारक के दावित्व में कजी करने या उसके ब्यने में सुविधा के सिए; और√वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना आहिए था, क्रियाने में सुविधा के निष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री अब्दुल बारि मण्डल अब्दुल अजीज मण्डल अब्दुल केदार मण्डल

(अन्तरक)

2. दि बैंक आफ बड़ोदा, ब्लाक को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शन्दों और पदों का, जो उच्छे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा रवीन्द्रनगर, बाणद्रोनी रिजण्ट पार्क, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति जो 14-6-83 नारीख में रिजिस्ट्रेशन दफ्तर द्वारा (कलकत्ता) रिजिस्ट्री हुआ डीङ नं० 5747 अनुसार ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदवाई रोड़, कलकक्ता

विनोक 10-2-1984 मोहर: प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-ण** (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-III, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेण सं० 1392/एक्यूजेसन रेंज-III/83-84--अतः मुझे, एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्के पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० 12 ए, इण्डिया पलेग, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूर्चा में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) 'रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-6-83 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्च थ्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधितिबृत के बधीन कार दोने के बंतरक के बायित्व को कभी कारते या उससे बचने को सुविधा के मिए; कौर/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

 श्रीमती पश्चा सन्याल, भरुयान कुमार सन्याल आणीप कुमार सन्याल

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता रमेण कुमार जुयानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुरा है।

अमृत्यी

12 ए, इन्डिया पलेस, कलकत्ता में स्थित सम्पत्ति जो 15-6-1983 में रजिस्ट्री दफ्तर में डीड नं० I-5762 अनुतार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० घौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन-रैंज-III, 54 रफी अहंगद किदवाई रोड़ कलकता

ब्तः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्धीत् :---

तारीख 14-2-1984 मोहरु व प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० 1391 (एक्यू० रेंजृ/III83-84—अत: मुझे, एस० के० चौधरी.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 बी, नरेन्द्र बन्द्र दत्त सरनी, कलकृता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण कप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल्कृता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 15-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है।—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्री श्याम सुन्दर चन्द्र।

(अन्तरक)

2 श्रो ब्रिज गोपाल विनानी, राम गोपाल बिनानी, घन ग्याम बिनानी, श्रीमती रुखान देवी विनानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
 सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य ध्यक्ति, द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 यो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरणी कलकत्ता में अवस्थित । सम्पत्ति जा दिनांक 15-6-83 में रजिस्ट्री दफ्तर कलकत्ता में डीड नंबा-5801 के अनुसार रजिस्ट्री आ।

> एस० के० **चौधु**री स**क्षम** प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 14-2-1984 मोहर 1 प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 14 फरवरी 1984

निदेश सं० सी० ए०-13/83-84/एसएच०-823/आई० ए० सी० ए० क्यु०/आर-नक्ल०—यतः मुझे, एस० के० चौध्री,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 113 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी०ए० कलकत्ता भी रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेव्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 6—526 GI/83 1. आनन्द लाल पोद्दार, एण्ड सन्स।

(अन्तरकः)

2. इलैक्ट्रोमेग, डिमाईसेस प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

113 नं० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान दा (6वां फ्लोर) दूसरा तला, (पोद्दार पयेन्ट) जो सहायक, आयकर आयुक्त, निरोक्षण अर्जन रेंज—[, के वफ्तर में सिरियल नं० 13 के अनुसार 6-6-1983 को रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, कलकत्ता

तारी**ख** 14-2-1984 मो**हु** ॥ प्रकप बाइ . टी : एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं०टी०म्रार० 154/83-84/एस० एष०/834--माई० ए० सी० एक्यू०रेंज-I/कलकसा----भ्रतः मुझे, एस० के० चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 26ए, है तथा जो बेनीपारा लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-7-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्या से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे क्वने में सृषिधा के लिए; और/मा
- (म) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, डिप्पान में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री शैलेन्द्र नाथ भट्टाचार्जि, एण्ड ग्रदर्स । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बेबी कर राय।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्पवित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्ते स्थावर सम्पत्ति में हितं-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याद 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृस्पी

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-I, कलकत्ता

· तारीख: 13-2-1984

प्रकथ नाहरें. टी. एन. एस.-----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना शहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रशोक कुमार धमारियाः

(प्रस्तरक)

2. मैसर्स पारिजात इन्वेस्टमेंट, लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना अगरी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षर के शस निचित में किए जा सकने।

स्थळीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

9 बेस्ट्रन स्ट्रीट, कलकत्ता में म्रवस्थित, सम्पत्ति जो जीड नं - I-5317 के मनुसार सब रिजस्ट्रार म्राफ एस्युरेन्स कलकत्ता के कार्यालय में 2-6-83 को रिजस्ट्री हम्रा।

> एस० के० चौधुरी सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख 13-2-1984

प्रक्ष नार्².टी.एन.एस.------

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प(1) के नभीन स्पना

भारत गुरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० टी०श्रार०-203/83 84/एसएच836/श्राई० ए० सी० एक्यू० /रेंज-1/कल०—श्रतः मुझे, एस० के० चौधुरी, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाधार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 3 है तथा जो जदुनाथ दे रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16)

के ग्रधीन दिनांक 21-6-1983
को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रायमान प्रतिक्त के लिए जन्तरित की गई है और मुके यह निश्वास करने का कारण है कि यथापृशींक्त संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके द्रायमान प्रतिक्रल से, एसे द्रायमान प्रतिक्रल का पन्नह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त जन्तरण जिला में बास्तविक क्य हे कि थित नहीं किया वया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कट्टने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य नास्तियों को किन्हें भारतीय नायकर निर्माणयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निर्माणयम, या भन-कर निर्माणयम, या भन-कर निर्माणयम, या भन-कर निर्माणयम, या भन-कर निर्माणयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किना नवा वा ना किना वाना नाहिए ना, किनाने में सुनिया के लिए:

अतः उसः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् कृ 1. मैसर्स सरकार कम्स्ट्रक्शन, कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

2. पार्वती देवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निक् कार्यवाद्वियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानीज से 30 विन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिस-वृक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोइस्ताक्षरी के वास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पथ्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्यों भीर पर्यों का, जो उक्त निवृत्तिकम् के नश्याय 20-क में परिभावित हाँ, वही नर्थ होगा वो उस मध्याय में दिसा गया हाँ।

अनुसुची

3 जदुनाथ दे रोड, कलकत्ता में ग्रवस्थित । सम्पत्ति औ 21-6-1983 तारीख में सब रजिस्ट्रार श्राफ एस्युरेन्स कलकत्ता के कार्यालय डीड नं० I-6045 के श्रनुसार रजिस्ट्री हुग्रा।

> ग्स० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख 10-2-1984

प्रस्प नार्ड, टी. एन. एस. - - - --

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्वेश सं० टी॰प्रार०-202/83-84/०एसएच/837/प्राई॰ए॰ सी॰ एक्यू/प्रार-I/कल॰---प्रतः मुझे, एस॰ के॰ चौधुरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000/- < त. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 3 है, तथा जो अधुनाथं दे रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिधा के लिए;

मैसर्स सरकार कन्स्ट्रवशन, कं०।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रेशनाथ साह।

(ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगै।

स्वाक्तीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होरा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गनस ची

3 नं जबुनाथ दे रोड, कलकता में प्रवस्थित, सम्पत्ति जो 21-6-1983 को डीड नं धि-6046, के ग्रनुसार सब रजिस्ट्री ग्राफ एस्यूरेन्स के कार्यालय में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकसा-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख 10-2-1984

मांहर 🥫

प्ररूप शार्ष, टी. एन. एस.-----

मामकर भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ध्यमित्य, महायक भायकार जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० टी॰ झार०-171/83-84/म०/838/झाई० ए० सी० एक्यू०/झार-1/कल०—श्रतः मुझे एस० के० जीधुरी शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 20 बी है, तथा जो राधानाम वीधरी, रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भ्रार०ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 28-6-1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से झूद्दं िकसी आय की वायत, उक्त जिथिनियम के सभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अ्थ, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिजित व्यक्तिस्यों. जर्षात् ः— 1. श्री ग्रमल चन्द्र मित्र

(भ्रन्तरक)

2. खालवा बेगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुज्जी

20-बी राधानाथ चौधुरी रोड, कलकत्ता में भवस्थित । सम्पत्ति जो 28-6-83 की तारीख में डीड नं I-6106 भनुसार रजिस्ट्रार श्राफ एस्युरेन्स, का कार्यालय में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० कौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेंन रेंज I, कलकत्ता-16

तारीख 10-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलंकला

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी०ए०16/83-84/एसएच/839/श्राई० ए० सी०/ एक्यू०/श्रार-I/कल०—श्रतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 3 है, तथा जो मिडल्टन, रोड, कलकत्ता-72 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय सी० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक 15-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का ज्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एांसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में अम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/शा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा से सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त कीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्री बोध राज कपूर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती माला गुप्ता।

(ग्रन्सरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुल्बी

3 नं ं मिश्रस्टम रोड, कलकत्ता में भ्रवस्थित मिडस्टन एपार्टस, मकान का चौथा तस्ला में (4th Floor) प्लाट नं 4 सी, जो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज 2, के दफ्तर में सिरियल नं 26(16) के भ्रनुसार दिनांक 15-6-83 में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, कलकत्ता

तारीख 15-2-1984 मोहर: प्रकृप बाइ .टी. एव. एस्. ------

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० चिन्द्र/36/83-84—श्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृख्य 25,000/- से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 247 है, तथा जो सैक्टर 20-ए, चिन्डगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित आजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जीविन्दम के जभीत कर देने के जन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के जिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बनवारी लाल सुपुत्र श्री गौरी शंकर, वासी मकान नं० 247, सैक्टर 20-ए, बन्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरक)

मास्टर सिकन्दर सिंह (नाबालिंग)
पुत्र श्री गुरिन्द्र सिंह
वासी मकान नं० 247,
सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के सिए कार्यगाहियों करता हो।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्वना को समयत्र में प्रकाशन की तारीच तं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निचित में भिए का सकारी।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्दों का, जो उथल अभिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 247, सैक्टर-20ए, चन्डीगढ़, (जायबाद जोिक रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 300/301, तिथि जून, 1983 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 9-2-1984 मो**ह**र ७ ब्रम्भ्य लार्ड टी. एन. एस. -----

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भरतत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनां क 13 फरवरी 1984

निदेश सं० चन्डी०/38/83-84---यत: जोगिन्दर सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ**ल्य ?5,000 ∕- रत. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० प्लाट नं० 138, है तथा जो सैक्टर 36-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमे उबाद श्रनुसूची में श्रीर जो र्कुणं रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ववेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (का) अनन्तरण से हुई किसीआय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सनिधा के लिए: और/गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को जिन्ह^र भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विवास में सर्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनिया की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

7---526 GJ/83

- ा. मजर सूनील कुमार निगया पृत्र स्वर्गीय श्री विक्रमदास द्वारा भ्राम मुख्तयार । डा० प्रकाश स्वरूप नंगिया, पुत्र श्री विशन दास वासी मकान नं० 100 डी, श्रगोक बिहार, फेस*-*I, देहली-52
- श्रीमती गुरदीप कौर पुत्री स्वर्गीय श्री मुकन्द सिंह, पत्नि श्री जोगिन्दर सिंह वासी भाटिया बिल्डिंग, यमुना नगर, । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्व्यक्रिस्णः – इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिला गया है।

मन्सूची

प्लाट नं ० 138-ए, चन्डीगढ़, जायदाद जोकि रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 356 , दिनांक जून, 1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, ल्धियाना

दिनांक 13-2-1984 मोहर 🤄

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1984

धौर जिसकी सं० मकान नं० 1226 है, तथा जो सैक्टर 22-बी, जन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शरमान प्रतिफल से, ऐसे श्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किथत गड़ीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री प्रमोद कुमार , मकान नं० 3162, सैंक्टर 21-डी , चन्डीगढ़ । (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सरोज चड्ढा,
 मकान नं० 1226, सैक्टर 22-बी,
 चन्डीगढ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सर्व्यात्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक स्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मकान नं 1226 सैक्टर 22-बी चन्डीगढ़ में स्थित । वह जायद्वाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 432 तिथि, दिनांक जून, 1883 के तहत दर्ज है ।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख 9-2-1984 मोहर : प्ररूप आइ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० चन्डी/37/83-84—अतः मुझे जागिन्दरसिह, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण), अर्जन रंज, लूधियाना, अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० 3082, सैक्टर है तथा जो सेक्टर 27-डी, चन्छीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) कै अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; जॉर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिथाने में स्विधा के लिए;

अतः सम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित स्यक्तियों, अधीत् :--- श्री दुर्गा दास, पुत्र श्री तुलसी राम, द्वारा मुख्तयार ग्राम श्री खुशी राम, वासी मका नं० 3082, सैक्टर 27-डी चन्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती णान्ति देवी पत्ति श्री खुणी राम, मकान नं० 3082, सैक्टर 27-डी, चन्डीगढ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के अजर के लिए कार्य-चाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मकान नं 3082, सैक्टर 27डी, चन्डीगढ़ में स्थित। (वह जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 305 दिनांक जुन, 1983 के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 10-2-1984 मोहर: प्ररूप कार्ड. ट्री. एन. एस.------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० चन्डी/42/83-84—-श्रत—: मुझे जोगिन्द र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25:009/- रुठ से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 121 है, तथा जो सेक्टर 9-बी चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुचची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ाधीश दिनांक जून, 1983

कां बॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रति , ल के लिए बन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, ऐसे दूरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुदिधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती स्नेहलता, पितन श्री हरीण चन्द्र द्वारा योगेश्वर तुली,
 श्रीमती स्वदेण चढा पितन एयर कोमोडेर केवल कृष्ण चढा, तथा स्ववाड्रन लीडर, रघुवीर तुली, केंग्टन, योगेश्वर यली, स्ववाड्रन लीडर, श्रजय तुली, पुद्रान श्री ग्रमीर चन्द तुली।
 वासी मकान नं० 121, सैक्टर9-बी, चन्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती लिलता खन्ना पिल्न मेजर जनरल भाई जे० खन्ना श्रीमती रमा पुरी पित्न श्री मोहिन्दर पाल पुरी, वासी 118, मालचा मार्ग, न्यू देहनी,।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बदिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मकान नं० 121 सैक्टर, 9-बी, चन्डीगढ़ में स्थित । (वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 373 तिथि जून, 1983 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 13-2-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के बधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक लायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० मिशला/2/83-84—अतः मुझे जोगिन्दर सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कूहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २३. से अधिक हैं।

भीर जिसको सं० 4 बिमवा जमीन, ढांचे सहित है तथा जो खालिनो, शिमना में स्थिन है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप मे विगत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबल, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्ट्/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— श्री देवराज कुठियाला, पुत्र श्री भगवान,
 78, बुटेंल निवास,
 राम बाजार, शिमला।

(अन्तरक)

- (1) श्री पूर्ण चन्द भीमता, एवं श्री जगदीण चन्द पुलान, श्री किरपा राम, भोमटा, वासी श्रीरी, डाकखाना, पनीग, तहसील कोटाखाई।
 - (2) श्रीमती भारवा जस्ता पत्नि श्री बी० एस० जस्ता एत्रं श्रीमती शोभा जस्ता, पत्नि श्री श्रो०पी० जस्ता वासी पनीग, तहसील कोटाखाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थन्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्सूची

खिलानी, शिमला में 4 बिस्सा जमीन उपर बने ढ़ांचे सहित (वह जायदाद जांकि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के विलेख नं० 339, मास जून, 1983 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियामा

तारीख: 13-2-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एसं .-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-प (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 14 फरवरी 1984

निदेश सं० लुधियानः/58/83-84—अतः मुझे, जैंगिन्दर सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० इमारत नं ० व 23 818 है तथा जो लाट नं ० 242, इन्डस्ट्रीयल एरिया, ए, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची मै श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983 को प्वोंक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योधम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) ब्रुक्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसासत व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती अमरावती पत्नि श्री शादी राम, वासी बी-I, 1016/4, बिन्द्रावन रोड, सिवल लाइन, लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. यूनिवर्सल बूलन मिल्स, 242, इन्डस्ट्रीयल एरिया, ए, लुधियाना । (भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके प्योंक्त संम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव्य सम्पत्ति में हितबव्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकाये।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त धन्दौं और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

अनुसची

इमारत /मकान नं० बी 23.818 (प्लाट नं० 242, इन्ध्स्ट्रीयल एरिया, ए लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सध्या न० 4831, जून 1983 में दर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैज, लुधियाना

तारीख: 14-2-1984

प्रकृप माइं. टी. एन. एस. ----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश मं० लुधियाना | 56 | 83-84—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह भायकर प्रशिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समानि, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० मकान नं० बी-I/980,है तथा जो का हिस्सा जो राजपुरा रोष्ठ, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाधन अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्ध्यमान प्रतिफल का पेस्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के लिख ऐसे अंतरण के किए हम पामा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिध. के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मैसर्स दौलत इन्डस्ट्रीयल, कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, सामने पुलिस लाइन, राजपुरा रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

- (1) श्री मनमोहन बाम्बा, मार्फन विश्वनाथन एण्ड कम्पनी, कचहरी रोड, सिबल लाईन, ल्धियाना।
 - (2) श्री सुभःष चन्द्र णर्मा, प्रकाश भवन, सामने डाक बंगला, सिविल लाईन, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्त्रस्वन्धी व्यक्ति पर पर मूत्रना की नामीन से 30 दिए की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इंग्रा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितळा किसी प्रस्थ क्यबित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ण्याकी तरण '——इनमें प्रमुक्त प्रवां ऋौर पदों ि, ता **उपल** प्राचितिका के प्रभाग 20-क्षमें परिभाषित **है** वहीं प्रयंक्षीता, जा उस अख्याय में विधा गया **है**।

अनुसूची

मकान न० बी-1/980 का हिस्सा जो राजपुरा, रोड, लुधियाना में स्थित है।

(अर्कात वह जायदादी जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 4794, जून, 1983 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, सुधियाना

तारी**ख**: 9-2-1984

प्ररूपः प्राह⁴ः द्वीः एनः एसः ----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० लुधियाना/51/83-84---श्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हा कि एक स्थान सम्माना, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० मकान न नं० 176-श्राई है, तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम . 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम . या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

जतः भव्र, उत्वत अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपभार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ,अर्थात :--

- कर्नल करतार सिंह सिंघोता,
 वासी बड़ापिड, बजिरिया,
 श्री श्रभय कुमार जैन पुत्र श्री ग्रमर नाथ जैन,
 वासी 7-सी, सराभा नगर, लुधियाना।
 (ग्रन्तरक)
- मैसर्स राम रिखदास एण्ड सन्स,
 306, कालबा देवी रोड, काकड मारकेट,
 बम्बई-2

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 36 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 176-धाई, सराभा नगर, लुधियाना, । ग्रर्थात वह जायदाद (जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 4469, जून, 1983 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्दर सिहं सक्षम प्राधिकारी सहायक ्षायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9-2-198्र4

वांडर :

राख्य नार्वे.टी.एर एक.-- -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1984

निदेश सं० लुधियाना/97/83-84--- अतः मुझे. जोगिन्द्र सिंह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 263, पर बने मकान का हिस्सा है तथा जो माडल ग्राम, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक ग्रगस्त, 1983

को पृथीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप रो कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य असितयों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम,, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विधा के लिए;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उदन अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन : निमनीन्तिक रणिकतयों, सर्थात :---8-526 GI/83

- 1. श्री ग्रजिन्द्र पाल सिंह पुत्र सतनाम सिंह वासी 415-श्रार०, माहल टाऊन, लुधियाना । (ग्रन्सरक)
- 2. श्रीमती रंजना दुग्गल पत्नि श्री रमेश चन्द्र वासी मकान नं० बी-XI/329, इकबाल गंज, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्षान के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ुर्", बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गुवा 🗗 ।

अनुसूची

प्लाट नं० 263, माजल ग्राम लुधियाना पर बने मकान काहिस्सा।

(वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ना भ्रधिकारी के विलेख संख्या 6817 तिथि ग्रगस्त, 1983 के तहत वर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 10-2-1984 मोहर 🗅

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० लुधियाना/85/83-84—श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 263, पर बने मकान का हिस्सा है तथा जो माडल ग्राम लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रगस्त, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:---

- श्री ग्रजिन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री सतनाम सिंह वासी 415-श्रार, माडल टाऊन, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुदेश रानी पत्नि श्री मोहन लाल, पुत्र श्री देस राज, वासी बी- $\chi I/329$, इकबाल गंज, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 263, माङल ग्राम लुधियाना पर बने मकान का हिस्सा।

(ग्रर्थात् वह जायदाद जो रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 6578 , दिनांक ग्रगस्त, 1983 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 10-2-1984 मोहरु ६ प्रकप काइ , टी. एन., एस. ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भाग्यत (निर्देशण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना ना विनोक 10 फरवरी 198

लुधियाना, विनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० लुधियाना/69/83-84--ग्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमे** इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 2.5,000 / - रत. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 263, पर बने मकान का हिस्सा जो माडल ग्राम लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में गस्तविक रूप से कथित नहीं कियागया*ह*ै:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नामक्ष, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1.श्री परम जीत सिंह पुत्न श्री सतनाम सिंह पुत्न श्री जैमल सिंह, वासी 415-आर, माडल टाऊन, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रमेण चन्द्र पुत्र श्री देस राज पुत्र श्री सोहनामल वासी बी- $\mathbf{X}\mathbf{I}/329$, इकबाल गंज, लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उद्देश सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थानता में से किसी व्यक्ति व्यापतः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्क भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 263, माञ्चल ग्राम लुधियाना में बने हुए मकान का हिस्सा ।

(वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 5730, दिनांक जुलाई, 1983 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 10-2-1984 **मोहर**ः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० लुधियाना/61/83-84--श्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 263 पर बने मकान का हिस्सा जो माडल ग्राम लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री सतनाम सिंह पुत्र श्री जैमल सिंह, वासी 415-श्रार, माङल टाऊन, लुधियाना । (श्रन्तरक)
- श्री मोहन लाल पुत्र श्री देसराज पुत्र श्री सोहना मल, वासी बी-XI/329, इकबाल गंज, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्दन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीर्स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्थी

प्लाट नं० 263, माडल ग्राम लुधियाना पर बने हुए मकान का हिस्सा ।

वह जायदाद जो रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 4980, दिनांक जुलाई, 1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना सारीख 10-2-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रैंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेण सं० लुधियाना /49-ए/83-84--यतः मुझे, जोगिन्दर सिह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 263 पर बने मकान का हिस्सा, माडल ग्राम है तथा जो लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुन, 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, अवतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री अतिन्द्र पाल सिह पुत्र श्री सतनाम सिह, वासी 41-ई माडल ग्राम लुधियाना।

(अन्तरक)

 श्री मोहन लाल पुत्र श्री देशराज पुत्र श्री सोहना मल, वासी बी-11-329, इकबाल गंज, लुधियाना। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपद्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तिस में किये जा सकरो।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 263, माडल ग्राम लुधियाना पर बने मकान का हिस्सा ।

(बह जायदाव जो रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 4178, जून, 1983 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख 10-2-1984 मोहर: प्ररूप आहें टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1984 निदेश सं० लुधियाना/48-ए/83-84---अत: मुझे, जोगिन्दर सिंह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 रूट. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 263 पर बने हैं तथा जो मकान का हिस्सा जो माडल ग्राम् लिधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास उरने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी नायुकी वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री जतीन्द्र पाल सिंह, पुत्र श्री संतनाम सिंह, वासी 41-ई, माडल ग्राम, लुधियाना, ।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री देसराज पुत्र श्री सोहना मल, वासी बी-11/329, इकबाल गंज, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

प्लाट नं० 263 माडल ग्राम, **लु**धियाना पर बने मकान का हिस्सा ।

(वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खुधियाना के विलेख संख्या 3861 दिनांक जून, 1983 के तहत वर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 10-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप, आर्घ, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

थारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० चन्डी ० | 40 | 83-84--- अत मुझे, जोगिन्दर सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 3653 है, तथा जो मेक्टर 23-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर ओ पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 1983

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिटियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एएंड्रार्थ अविरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती प्रेम गुप्ता, पत्नि श्री कपिन्द्र गुप्ता, बर्जारया मुख्तयार श्री गुरदियाल सिंह ढिल्लो, बासी मकान नं० 3653, सैक्टर 23-डी, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनु प्रभाकर पत्नि स्वर्गीय श्री जगदीण राय प्रभाकर द्वारा: श्री एम० एम० गोरी, वासी मकान नं० 3128, सैक्टर 27-डी, नण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्र्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पट्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3653 सैक्टर 23-डी, चण्डीगढ़ । (बह जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के बिलेख संख्या 358 तिथि, जून, 1983 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ता नेख: 9-2-1984

मोहर ः

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीन सुमृत

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० चन्डी ०/43/83-84-- अतः मुझे, जोगिन्दरसिंह शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० मकान नं० 1712 है, तथा जो सैक्टर 22-ही, चण्डीगढ़ में स्थित है (ष्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रुप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाअत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और⁄या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री बिनोद कुमार सेठी, पृद्ध श्री कश्मीरी जाल सेठी द्वारा खाम मुख्तवार : श्री कुलदीप सिंह पृत्व प्यारा सिंह वासी मकान नं० 353, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती अनुपम मैहता, पन्नि कैंप्टन बी० के० मेहता वासी मकान नं० 70 सैक्टर 8-ए, चण्नीगढ़
 - (2) कैप्टन भी० के० मैहता पुत्र श्री सोमराज मैहता वासी भकान नं० 70 सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ ।
 - (3) कैंग्टन एम० एस० कोहली पुत्र श्री लच्छमन सिह कोहली, वासी मकान नं० 505, सैक्टर 18, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

करें यह सूचना जारी करके प्रजॉक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्ष्मिना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के प्रीतर पृत्रों कर क्याबितयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पृत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकाग ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मकान नं० 1712 सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ । (वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकतकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ विलेख संख्या 385, दिनांक जून, 1983 के तहन दर्ज है।)

> जोगिन्दर सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख 13-2-1984 मोहर:

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० चण्डी०/44/83-84—अतः मृझे, जोगिन्दर सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० मकान नं० 1519 है, तथा जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनयिम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जन 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निलिय में वास्तविक रूप में क्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिल में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय जा किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के सिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् —— 9--526 GI 83 श्रीमती कृष्णा खन्ना पित्न श्री आनन्दकुमार खन्ना नथा श्रीमती मंजू पारदो पित्न श्री श्रोसवालदो पारदो द्वारा मुख्नयार श्रीमती कृष्णा खन्ना, वासी मकान नं० 1519, सैक्टर 34-डीं, चण्डीगत् ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अर्तिन्दर कौर बेदी, पत्नि स्वर्गीय श्री जी० एस० बेदी, वासी मकान नं० 1619, मैक्टर 7-मी, चण्हीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप:---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे

स्पर्कीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

मकान नं० 1519 सैक्टर, 34-डी., चण्डी गढ़। (वह बिजायदाद जोकि रिजास्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 387 दिनांक जून, 1983 के तहन दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रोंज, लक्षियाना

तारीख: 13-2-1984

अरूप आहें.टी.एन.एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 24 जनवरी 1984

निदेश सं० सी० भार० 62/भार-418/83-84/37ईई/---यतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० गाप नं० 4, एट गारर्डन वियू श्रपार्टमेंटस में है तथा जो मरगोवा, गोवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बेंगसूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7-6-1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्दिय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैससं आलकन रियल एस्टेंट, प्रा० लिमिटेड, बेलहो, बिल्डिंगस पणजी, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रब्दुल कादर मोहम्मद हुसेन, श्रौर मैसर्स फित्तमाबि श्रब्दुल कादर, बैना, इस्लमापुरा, वास्कोडिगामा, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिसबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असम ची

(दस्तावेज सं० 196/83-84 ता० 7-6-1983)

सम्पत्ति है जिसका सं० शाप नं० 4, गार्डन वियू एपार्टमेन्ट्स भरगोवा, गोवा (27.19 स्क्वायर मीटमें) में स्थित है।

> मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 24-1-1984

प्रकप आहाँ. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1984

नोटिस नं० भ्रार-317/37ईई/---भ्रतः मुझे, मंज् माधवन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, है तथा जो ग्राउन्हें फ्लोर सिलयर ग्रोक, बिल्डिंग नं० 21, ग्रान्ट रोड, बेंगलूर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के ग्रापने बेंगलूर कार्यालय में उक्त ग्रधिकारी, ने 269-एबी, भाग से पंजीकृत सं० 242 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 29-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अधीत :---

 मैसर्स सैमा एक्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड, 135, डाक्टर, धनी बेसेन्ट रोड, वोरली, बम्बई-400018

(भन्तरक)

 सुनील हस्मुख जबेरी, भौर श्रीमती सरला जबेरी, केयर श्राफ : यूनियन कारबैंड इंडिया लिमिटेड, 15, मात्यू रोड, बम्बई-400004

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मिक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पस्तीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 242/83-84 ता० 29-6-83)

प्लाट नं० 1 जिसका नापना 1600 स्क्वायर फिट जो नं० 21, ग्राउन्ड फ्लोर, ग्रान्ट रोड सिलवर श्रोक, बिल्डिंग, बॅगलूर-1 में स्थित है।

> मंजू माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 14-2-1984

बक्क्स जाहैं दी_ी एन . एस . - - - -

जायकर जाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 8 फरवरी 1984

निदेश सं० 38750/83-84—ग्रतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित आजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 679/36 श्रीर XI और 36 कास बीच में है तथा जो जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 30-6-1983

को पूर्विकत सम्मित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के नीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल मिम्निलिशत उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे स्वाने में सुविधा के बिए; बरि/मा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाशनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था का वा किया जाना आहिए था, जिपाने में जुनिया के जिया?

श्री एन० बी० सुरेश,
 जी० एच० त्यागराया कालोनी,
 गौरी बिदनूर-561208

(भ्रन्तरक)

 श्री वी० एस० कुमार, श्रौर श्रीमती श्रम्मय्या, नं० 54, 34 कास, XI मैन, IV टी० ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना चारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के सर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत्त स्थानित में से किसी स्थानत बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चया हैं।

नन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1210/83-84 ता० 30-6-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 679/36 जो XI मैंन श्रौर 36 कास के बीच में जयनगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलर

अतः अबः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मीं, उक्तं अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसर्यों, अर्थात् ः——

तारीख : 8-2-1984

प्रकृष बाइं. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, विनांक 8 फरवरी 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 25 एण्ड 26 हैं तथा III मैन रोड है जो गांधीनगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9-6-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विश्नलिक्ति उद्वेष्य से उक्त बंतरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रीतरण से हुई किसी श्राय की वाब्त., उक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृदिशा के सिए; बार/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा की लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एम० एन० नंजाप्पा, नं० 1182/ए, ऐ० सी० क्रास रोड, VII, मैन, श्रार०पी० सी० लेश्राउट, विजयानगर, बेंगलूर

(ग्रन्तरक)

कानयन बाई,
 नं० 23/1, III, मैन रोड, गांधी नगर,
 बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतित वर्शिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंचे।

स्वध्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त खब्यों और पदों का, को उक्त किंध-विस्ता के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा नवा है।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 804/83-84 ता० 9-6-83)

सम्पत्ति है जिसका सं० 25 ग्रौर 26, (ग्रौट हाउस), जो III, मैन रोड, गांधीनगर, बेंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बेंगलुर

तारीख 8-2-1984 भो**ह**र :

त्रक्ष, बार्ड, डी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्णना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलुर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० 38887/83-84—अतः मुझे मंजु माधवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 89 ए है, तथा जो कोडियालबैल, विलेज, मंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय

कारपोरेशन न० टी० एस० नं० 218-6ए भ्रार० एस० नं० 385-6ए (मिडल पोरशन) मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 30-6-1983

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की वाबत, अबस जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों अर्थ, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रिया के विवदः

अतः जब उक्त निभिनियन की भारा 269-न के जनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्रीमती राधा श्रार० शेट्टी, पत्नी एन० रघुराम शेटी.
 - (2) श्रीमती शोभा सुपुत्री श्री एन० रघुराम शेट्टी
 - (3) श्रो हरिकृष्ण हेगडे सुपुत्र श्री एन० रघुराम शेट्टी
 - (4) श्रीमती सुभा सुपुत्री श्री एन०रशुराम शेट्टी नं० 191, श्रपस्टेरस, VI ऋास गांधीनगर, क्रेंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

2. सौंत केनरा होटेल काम्प्लैक्स, प्राइबेट लिमिटेड, उसके प्रतिनिधि : श्री बी॰ हरिमोहन नायडू, 26ए/2, सान्की रोड, बंगलूर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी मध्य व्यक्ति व्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नेवा है।

वनुसूची

(दस्तावेज सं० 190/83-84 ता० 30-6-83)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 89ए जो कोडियाल बैल, विलेज, मंगलूर सिटी, कारपोशन में कोडियाल वार्ड जिसका मं० टी० एस० नं० 218-6ए आर० एस० नं० 385-6ए (मिडल पोरशन), मंगलूर, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारी**ख** 13~2~1984 **मोहर** 8 प्ररूप बार्ड. टी. एप. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के अधीन सूचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निर्देश सं० 38886/83-84—ग्रतः मुझे. मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 89 ए है तथा जो कोडियाल बैल विलेज, मंगलूर सिटी, कारपोरेशन में कोडियाल बैले, वार्ड में टी० एस० नं० 218-6ए श्रार० एस० नं० 385-6ए, (उत्तर भाग) मंगलूर ,में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर मिटी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बल्द्रह प्रतिक्षत से जिथक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक कस निक्निलिस्त उद्योग्य से उचित बंतरण जिल्हित में बास्तिक कम ने कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाथ की बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/का
- (थ) इसी निल्ही बाध या जिल्ही धन वा बन्य जासिस्कों की, जिल्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनसा अधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुनिधा के लिए;

स्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती उमावती जे० हेगडे, पत्नी एम० जे० हेगडे, कोडियालगुतु हाउस, कोडियालबैल, मंगलूर
 - (2) श्रीमती ग्रारती एस० राय,
 - (3) श्रीमती कविता हेगडे
 - (4) श्रीमती निवेदिता जे० हेगडे
 - (5) श्रदीप राय
 2 से 4 तक प्रतिनिधि
 श्री एम० जगन्नाथ हेगडे
 मैनर उसके प्रतिनिधि श्री जी० सतीण राय
 सब लोग, 21/2-बी, स्वेनसर, रोड, II क्रास,
 फ्रेजर टाउन, बैंगलूर में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

2. दि सौत केनरा होटल, काम्पलैक्स, प्राइवेट लिमिटेड प्रतिनिधि :

श्री बी० हरिमोहन नायडु, 26 ए/2, सयाकी रोड, बेंगलुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यक्किरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं कर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दतावेज मं० 192/83-84 ता० 30-6-83)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 89 ए, जो कोडियाल बैल, विलेज, मंगलूर कारपोरेशन में कोडियाल बैल वार्ड में है जिसकी सं० टी० एम० नं० 218-6ए, म्रार० एस० नं० 385- 6ए (उत्तर भाग) मंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख 13-2-1984 मो**ह**ुर

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. - - - ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत संह्रकार

कार्पालय, महायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 38885/83-84—यत मुझे, मंजु माधवन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 89 ए हैं, तथा जो कोडियाल बैल, विलेज, मंगलूर सिटी कारपोरेशन में कोडियालबैल वार्ड में टी० एस० नं० 218-6ए, ग्रार० एस० नं० 385-6ए सौथ वैस्ट्रन पोरशन, मंगलूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 30-6-1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिन में मिवधा के लिए;

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिश्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्रीमती सुमती गेंडती,
 - (2) श्रीमती गाँता जे० ग्रेट्टी, तं० 819.एल० एन० कालोनी, श्रोमप्रकाश बिल्डिंग, यणवन्तपुर, बेंगलूर ।
 - (3) श्रीमती राधा श्रार शेट्टी, पत्नी श्री एन० रघुराम शेट्टी,

- (4) श्रीमती उमावतीजे० हेगडे, पत्नीश्री एम० जे० हेगडे,
- (5) श्री देव दास सुलाया,
- (6) श्रीमती ए० श्रहल्या शेडती
- (7) श्री रवीन्द्र सुलाया
- (8) श्रीमती सेवं सुलाया,
- (9) श्री दिनकर मुलाया
- (10) श्री सुरेन्द्र सुलाया सब लोग कोडियालगुतृ हाउस, कोडियालबैल, मंगलूर में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

2. दि सौथ केनरा होटल, काम्प्रलैक्स प्राइवेट लिमिटेड प्रतिनिधि : श्री वी० हरिमोहन नायडु, 26 ए/2. सयांकी रोड, बेंगलुर।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यख्दीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 191/83-84 ता० 30-6-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 89 ए, जो कोडियालबैल विलेज, मंगलूर सिटी के कोडियालबैल वार्ड जिसका सं० टी० एस० नं० 218-6ए, श्रार० एस० नं० 385-6ए, (सौथ वेस्टर्न पोरशन), मंगलूर में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 13-2-1984 मोहर 🤊 प्रस्त . गईं. टी. एन. एस. - - - -

आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 फरवरी, 1984

निदेश सं० मी० प्रार० 62/38811/83-84—-म्रतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 302, है तथा जो महा लक्ष्मी स्त्रेग्राउट एक्सटेंग्रान, VI मैन बेंग्लूर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजाजि नगर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद्र/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुदिधा के लिए;

अतः शब्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् हिन्न 10---526 GI 83

- वी० एच० हनुमन्तय्या,
 नं० 399/6, (पुराना पोस्ट ग्राफिस), क्रास,
 I ब्लाक, जय नगर, बेंगलूर-11
 (भ्रन्तरक)
- श्री सी० एस० शंकरनारायणा, और श्रीमती सी० एस० पार्वती,
 571, I ब्लाक, III स्टेज, वेस्ट श्राफ कार्ड रोड, बेगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से कि दी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से कि दी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकागी।

स्थव्यक्तिरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज मं 113/83-84 ता 15-6-83) सम्पत्ति है जिमका सं 302 जो महालक्ष्मी के लेथाउट एक्सटेंगन, VI, मैन बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राघिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 8-2-1984 **मोह्**र अरूप आर्ह.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 फरवरी, 1984

निदेश सं० सी० श्रार० 62/38892/83-84—श्रतः मुझ, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 11/3 है, तथा जो V कास, स्वास्ती रोड, गांति नगर, बेंगलूर-27 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयानगर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11-8-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रीमती वी० ए० जयाश्री
(2)श्रीमती दोडडाबाले प्रफुल्ला,
जि०पी० —होल्डर:
श्रीं वि० ए० प्रादीप कुमार
नं० 51, बसाप्पा रोड,
गांति नगर, बेंगलूर-27

(भ्रन्तरक)

हनुमान प्रसाद, मलपानि,
 (2) श्रीमती शोभा मलपानि,
 नं० 29/8, नंजाप्प रोड,
 शांति नगर, बेंगलूर-27

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्थळकीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1607/83-84 ता० 11-8-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 11/3, जो V कास,स्वास्ती रोड, शांति नगर, बेंगलर में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 7-2-1984 मोहर : प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज,बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० 38752/83-84—-श्रतः मुझे, मंजु माधवन, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० 316 है, तथा जो श्रवकीतिम्मनाहल्ली, शांति-नगर, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (190के का 16) के श्रधीन दिनांक 15-7-1983

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- एस० कान्तराजु
नं० 24, 1 फ्रांस एच० एम०टी० ले-म्राउट,
मत्तीकेरे, बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जगदीश कुमार
 - (2) श्री कुलवीप कुमार
 - (3) श्री सतीण कुमार, नं० 7, 1 फ्लोर, 11 मैन, रोड, सुधाम नगर, लाल भाग रोड, क्रास, बेंगलर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के नुर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हंू।

उचत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं दर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1252/83-84 ता० 15-7-1983) सब सम्पत्ति है जिमका सं० 316 जो भ्रबकीतिम्मनहुल्ली, एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 13-2-1984 मोहर 🕄 प्ररूप बार्ष, टी. एन्. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर माय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगल्र, दिनांक 6 फरवरी, 1984

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/39775/83-84--ग्रतः मुझे, मंजु माधवन,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें आयकर अधिनियम, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उचित बाजार मृत्य** 25,000 ∕- रुत. संअधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 66/3, है, तथा जो वैट फील्ड विलेज, के० भ्रार० पुरम, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण ताल्लुक में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-6-1983

होबलि, बंगलूर दक्षिण ताल्लुक

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कररण है कि स्थाप्योंकत संगति का उचित बाजार मृत्य, असके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिबित उद्देष्यों से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय का बाबत, अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे यचने में सुविधाके लिए; भौर/या
- (अह) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अपिनियम, 19*5*7 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:---

- 1. मिसीस एडिन सेसिलिया कील्र नं. 72, मैन रोड, वैटफील्ड, बेगलूर दक्षिण तालुक ।
- 2. मिस जनवेलीन पोटे और मेलिस्सा पोटे, नं. 11, डि सौजा लेऔट वैटफील्ड बेंगलूर दक्षिण तालुकः। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिनुके भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति एवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौं का, ओ उक्**र**ि अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1154/83-84 ता० 4-6-83) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 56/3, जो बैटफील्ड विलेज के० श्रार० पुरम, हुबली , बेंगलूर दक्षिण ताल्लुक में, स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

तारी**ख** 6-2-1984 मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 15 फरवरी, 1984

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० भूमि श्रौर इमारत है, जो धावलेस्वरम, राजमुंडी में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमुंडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक जन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री डी० व्ही० रमना राव पिता लेट जगन्नाथमगार मेन रोड, राजमुंड्री ।

(ग्रन्तरक)

2. कचीपूडी इंटरप्राइसेंस, बाई श्री डा० कचीपूडी विरा राजू, ग्रीर श्रन्य जयश्री टाकीज रोड, राजमूंडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

सम्पत्ति जो दुर्गा थेटर्स के नाम से जानी जाती है श्रौर धवलेश्वर गांव में स्थित है रजिस्ट्रीकृत विल्लेख नं० 3923/83 रजिस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी राजमूंद्री ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,हैदराबाद

दिनांक 15-2-1984 -

मोहर 🕃

प्रकृष भाइ . टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1984

निदेश सं० आए० ए० सी०नं० 878/83-84---अत, मुझे एम० जेगन मोहन

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसको स० भूमि है तथा जो माथमपल्ली, हजूर नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से

र्वाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुजूर नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोभत सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं दिस्या गया हैं:—

- (क) श्रान्तरण से हुन्दै किसी शाम की बाबत, उक्त श्रीभिनियम् के सभीन कर बोने के श्रान्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री जी० रायप्या रेड्डी और अन्य, माथमयस्ली, हुजूर नगर तालुक, ज नलगोंडा जिला ।

(अन्तरक)

 मैसर्स सागर सिमेंट्म लि० बाइ श्री व्ही० बुच्या, डाइरक्टर, नागारजूना नगर, हैदराबाद-500 873।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

खुलो जमोन विस्तीर्ण 25 एकड़, 20 सेंट्स, माथमपल्ली; हुजूरनगर, नलगोंड़ा रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 871, 872, 874, 875 876, 877 और 878/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुजूर नगर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-2-1984

प्ररूप आर्ड्: टी. एन . एस . - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

निवेण सं० आर० जे० सी० नं० 470/83-84---अत, मृझे एम० जेगन मोहन

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो भवानीपुरम, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजात है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय विजयवाड़ा में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) एगी किसी जाय या किसी थन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्रोमती नारावरलक्ष्मी और अन्य पट्टाभिपुरम, गंट्र ।

(अन्तरक)

2. दि विजयवादा आइरन एण्ड हार्डवेयर मरचेन्ट्स मरसियल काम्पलैक्स वलकथर सोसायटी स्टील प्लैस मन बाजार, सामारंगम चौक, विजयवाड़ा-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि विस्तीर्ण 2.96 एकड़ भवानी पुरम, विजयवाड़ा, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4616, 4590 और 4213/83, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तार^ेख : 10-2-1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

शास्त्र सरकार

कार्पालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

तिदेश सं० आर० ए० सी० नं० 471/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बापार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 104 है, तथा जो एम० जी० क्लाथ मार्कीट, चीराला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीराला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इष्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
 - (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कार विधिवका, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रीवनार्थ कल्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यका था किया बाना चाहिए बा, दिस्पाने में सरिवधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिष्ण व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्रो टो० सोताराम पिता सी० एव० पूनस्था, चीराला ।

(अन्तर्भः)

2. श्री जी० रामा सुब्बा राव, शाप नं० 104, महात्मा गांधी मार्केट, चीराला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

घर संम्पती शाप नं० 104, महास्मा गांधी क्लाथ मार्केट, चोराला, विस्तीर्ण 276 चौ फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2085/83, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी चीराला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जय रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-2-1984 मोहरु 🛭 प्ररूस आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी, 1984 निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 472/83-84—अतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं वरहै. जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्स सम्पिट्स के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रायमान प्रतिफल से, ऐसे श्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिशत निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से शुद्र किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (था) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए।

श्री ए० हे मम्बारा राव.
 सीतिययर इंजी नियर,
 की० एच० ई० एल० हैदराबाद
 श्री जी० कृष्णमजी राव

(2) श्री जी० कृष्णमजी राव बिहाइन्ड मिद्धार्था कालेज पाटामाटा, विजयवाडा-7

(अन्तर्क)

श्रीमती बोमू सीताराथम्मा पति चेंच् रामय्या,
 12थ लेन, मेंकसु, कोस रोड़,
 आरूनदलपेटा, गेंट्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के क्षिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्व्यक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

घर सम्पत्ति वार्ड नं० 26, विजयवाडा, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4537/83, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

तारीच : 10-2-1984

प्र**रूप बाई**ं, टौ<u>., एन., एस.,----</u>----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984 निदेण सं० आर० ए० सी०नं० 473/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० घर जो गव्हरनरपेटा, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावड अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक जुन, 1983

कौ प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूंभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मजिक्ति व्यक्तियों, अधीन :--

 श्रीमती बि० नागेस्वरम्मा और अन्य, कोद्डा रामीरेड्डी विधी, गव्हरनरपेट. विजयवाडा ।

(अन्तरक)

श्री पी० व्ही० सुब्जाराय,
 श्री० नं० 29-4-12,
 की दंडाारोमी रेड्डी स्ट्रीट, विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्रवर सन्तित्ति, कोंदडारामी रेड्डी स्ट्रीट, गव्हरनरपेट, विजय-वाडा,रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०४134/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 10-2-1984

मोहर 🔞

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेशसं० आर० ए० सीं० नं० 474/83-84——अतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० मलगी है, जो चीराला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीराला में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया नया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी शाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री वाई० विराप्रताप कुमार, चीराला ।

(अन्तरक)

2. श्री जी० मुख्याराव पिता नरसम्या डी० नं० 14-128, यार्ड नं० 18, महात्मा गांधी क्लाथ मार्केट, चीराला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के हिंगए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि अंद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (■) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः ----हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त निधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मलगी महात्मा गांधी क्लाथ मार्केट, चीराला, विस्तीर्ण 276 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2381/83, रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी, चीराला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**ख**: 10-2-1984

मोहर 🖁

प्ररूप नाई. टी. एन्. एस. - - - -

नायकर मुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

श्रार० ए० सी० नं० 475/83-84-श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदेजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् भाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है, जो येनौकापाडू विजयवाड़ा में स्थित है और इससे उपावछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी के कार्यलय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमन प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके उद्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल् निम्नलिसित उद्वेश्य से उकत अन्तरण जिलित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्ति का किसी आय या किसी धन या जन्य आस्ति का 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिये;

(1) श्री दासरी राज श्रौर श्रन्य, माचावरम डाउन विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खाजा वेंकटस्वर राव स्रौर श्रन्य केर स्राफ रोहिनी राइस मिल, यनीकेपाडू, विजयवाडा ताल्लुक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्बों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वनुसूची

भूमि, यनीकापेडू, विजयवाडा, विस्तीर्णे 2 एकड्र, रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 4664/83, रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम स्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 10-2-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकार आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनर्जेज. हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक फरवरी 1984

श्चारः ए० मी० नं० 476/83-84—स्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयक र मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि है, जो भवानीपुरम, विजयवाडा मे स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),

 राजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के अन्तर्ह प्रतिदात से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सत्यनारायण राठी पिता सूकदेव राठी, मारवाडी लेन, विजयवाडा–!

(भ्रन्तरक)

(2) दि बीटी को-स्नापरेटिव बिल्डिंग सोसायटी लि०, बाइ प्रेसीडेंट एम० विरसघयय्या, दुर्गा श्रग्नाह्मम, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर संपित में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि, भवानीपुरम, विस्तीणं 1 एकड्, 36 सेंट्स, राजस्ट्रीकृत विलेख नं. 4665/83, राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जंगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित श्यक्तियमों, अर्थात् :---

धिनाक 10-2-1984 •

प्ररूप् भार्. डी. एन्. एस्.-----

स्रायकर कोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ष (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर भायक्क (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10-2-1984

ग्रार० ए० सी० नं० 477/84-84—श्रतः मुझे, एम० जेगन

मायकर मृभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मुभ्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या घर है, जो श्राऊलाविधी विजयवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किंगित, में बास्तिक कप से किंगु नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से धुद्ध किसी जाय की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने भा उससे वच्छे में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बास या किसी धन वा अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री जी० वेंकट नरसीम्हा राव ग्रीर श्रन्य जगय्यापेट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० लक्ष्मी कुमारी पति मुरलीधर, ब्रह्मा विधी, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वत में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रमूक्त गृथ्वों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त्री

घर संपत्ति, म्राऊलाविधी, विजयवाडा रिजस्ट्रीकृत विलेख नंज 4386, 4387 भौर 4396/83, रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं) भारा 269-घ (1) के स्थीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10-2-1984

ग्रार० ए० सी० नं० 478/83-84---श्रतः एम० जेगन मोहने

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया हु"), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या भूमि है, जो पाटामाटा, विजयवादा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवादा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुन, 1983

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कि भूत नहीं किया गया है:——

- (क) जम्बरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वै दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बि० लक्षमन स्वामी पिता वीरास्थामी, श्रीर श्रन्य तीन, पाटामाटा विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती काटरेड्डी भ्रादिलक्ष्मी पिता श्राचीरेड्डी, पाटामाटा, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, पो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाइस्ताक्षरी वे पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्याहै।

मन्सूची

संपत्ति पाटामाटा, भ्रार० एस० नं० 77/8, ए, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4555/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायक २ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक फरवरी 1984

भ्रार० ए० मी० नं० 480/83-84---श्रतः मृझे एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या णाप है तथा जो चीराला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, चीराला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

[1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल लिक है परिकाल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिक है परिकाल में किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उपकी विधिनियम के न्धीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ के कभी करने या अत्तर्ध यचने में सुविधा के लिए; वीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :-- (1) श्री गर्मचेटी रामा मुख्याराय, महात्मा गांधी क्लाथ मार्केट, चीराला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे० वेंकटा नरसम्मा श्रीर श्रन्य केर श्राफ नि० सुब्वाराय को०, एम० जी क्लाथ मार्केट, चीराला।

(भ्रन्तरिती)

स्त्रेयह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के कर्जन के सिष् कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी स्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा मकेंगे।

स्पष्टिकरण—–इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नगुलुची

वृकान सं ० 188, एम० जी० क्लाथ मार्केट, चीराला विस्तीर्ण 276, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख तं ० 2088/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी चीराला ।

एम० जेकन मीहन सक्षम मधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाव

विनांक 10-2-1984 मोहर प्रकम नाइ. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजे रेंज, हैदराबाद]

हैदराबाद, दिनांक फरवरी 1984

श्चार० ए० सी० नं० 479/83-84--श्चतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का का ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो नाऊलूरू, विलेण में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मंगलगिरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री मेका माल्ला रेड्डी, पिता वेंकटा रेड्डी, पेनूमाका, मंगलगिरी तालूक, जिला गूंटूर,

(श्रन्तरक)

(2) श्री एन० सरेस्वर राव, मेन बाजार मंगलिंगरी, गूंटूर,

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय भें रिया गया है।

अनुसुची

भूमि विस्तीर्ण 6 एकर, 40 सेंटस् नाऊलूरू विलेज, बेथापूडी पंचायत, डी० नं० 375, मंगलगिरी, तालूक, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2019/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मंगलगिरी।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्निनिमन व्यक्तियों, अधीर्:--12--526 GI/83

तारीख: 10-2-84

मोहर 🖫

प्ररूप आह .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 83

निर्देश सं० म्रार० ये० मी० नं० 481/83 - 84 - - श्रत : मुझे. एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो विसाकोडूरु वेस्ट गोवाबरी जिला स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भीमा-बरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) बी० वेंकटरामय्या, भीर भन्य, पालकोडेरु, भीमावरम तालूक, जिला वेस्ट गोदावरी,।

(म्रन्तरक)

(2) डेल्टा पेपर मिल्स्, लिमिटेड, वेंद्रा, भीमावरम तालूक, जिला वेस्टगोदावरी, ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 11 एकर, 75 सेंटस्, विसाको झेंग् विलेज वेस्ट गोदावरी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2428, 2427, 2443, 2459, 1793, 1832, 2481, 2480, 1873, 1833, 2066, 2040, 2041, 1991, 1983, 1933, 1795, भौर 1796/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भीमावरस.

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 10-2-1983.

प्ररूप आई. टो. एन. एस. ------

मायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के म्पीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 84

निदेश सं० श्रार० ये० सी. नं० 482/83-84-श्रत : मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ैश्रौर जिसको सं० भूमि है, जो श्रनकापत्ली, स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण एप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्याल्य, श्रनकापत्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विद्धास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 1-1) या अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविभा के लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री पी० रामूलू नाइडू, ग्रीर श्रन्य, गवरापालम, श्रनकापल्ली,

(भन्तरक)

(2) नवयुगा इंजीनियर्स एण्ड फेब्रिक्स, रिजस्टर्ड फर्में, बाह श्री एम० सूब्बा राव, मैनेजिंग पार्टनर, विजयवाडा टाऊन, विजयवाडा, जिला कृष्णा,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपूत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की सुविध या तत्सम्बन्धी स्पेक्तमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सब्धि, जो भी सबिध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नगुसूची

बंजर भूमि, धनकापल्ली, विस्तीर्ण 2 एकर, 60 सेंटस्, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2663, 2664, धौर 2672/83, राजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी धनकापल्ली ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद.

तारीखा: 10—2—1984

प्ररूप नार्द्, टी., एत., एस. :-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराझाध

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 483/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको स० भूमि है, तथा जो मडवागूंटा, पालकोलू बेस्ट गोदाबरी जिला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेनुगोंडा में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण ते हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्स्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री क्षि० रामचन्दा राजू, मैनेजिंग पार्टनर्स, कृष्णा शूगर गडवा गूटा, खांड्रीका, पालकोल् ।

(अन्तरक)

(2) श्रो पी० वेंकन्ना स्पीनिंग एन्ड वेविंग मिल्स, (प्रा०) लि०, बाइ डायरेक्टर्स श्री पी० सूर्यनारायणा और श्री पी० सत्यनारायणा पिता वेंकन्ना, पालकोल, वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, मडवागूंटा, खंड्रीका विलेज, विस्तीणं 8 एकड़, 27 1/2, सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1285/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पेनुगोडा ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984

प्रकृप ब्राह्म, टी., एन., एस., -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 9-2-1984

आर् ए० सी० नं० 484/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो कोंडापल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जूर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, दक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविभा के लिए; और/या
- (म) गिसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः वद उक्त विभिन्यम की भाग 269-ग की विनृत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती के० मानीपयम्मां पति मधुसूदन राव और अन्य, गक्षरनपेटा, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) दि एम्प्लायज को-आपरेटिय बिल्डिंग सोसायटी लि०, बाइ प्रेसीडेंट श्रीपी० बालकृष्णा शास्त्री बि० एड, असिस्टेंट झे, पी० एच० स्कूल, कोंडापल्ली जिला कृष्णा।

(अन्तरिती)

सते यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तानीन से 30 दिन की अनिभ, जो भी जनिभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों नद्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के 'राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थायर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी जन्म स्थापित व्वारा अभोहरताक्षरी के पांच सिवित में किए जा सकोंगे।

नगस्यी

भूमि, विस्तीर्ण 26 एकर, 87 सेंट्स, कांडापल्ली विलेज, कृष्णा जिल्ला, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3993, 4007, 2015, 4225, 4121, 4126, 4160, 4092, 4077, और 4043/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

सारो**ख**: 9-2-1984

मोहर 🖟

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर वृष्धिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भू (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक' 9 फरवरी 84 आर० ये० सी० नं० 685/83~84—अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं०भूमि है, जो बेनीजेडीया, गृंदूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंदूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हूं कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयुकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्रीमती एम० तूलसम्मा, पति चीना कोटा रेड्डी, वेनीगंडला, गूंटूर जिला,

(अन्तरक)

(2) गूंदूर को-आपरेटिय हाऊस कंस्ट्रक्शन, सोसायटी लिमिटेड, बाद श्री गूंडावरपू, लक्ष्मीनारायणा, गूंदूर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यंक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्मण्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यस स सी

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड़ 47 सेंटस वेनीगंडला विलेख गूटूर जिला' रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5587, 5574 और 5577/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी -सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 9-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज. हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी, 84

आर० ये० मी० नं० 486/83-84--अत: मुझे,

एम० जेगन मोहन

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी मं० घर है, जो गुलालपालम विशाखापटनम स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखा-पटनम में भारतीय रजिच्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मुधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस क्षेत्रने में सुविधा के सिए; और∕या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रयाग रामासन्यासी राव, महाराणीपेट, विशाखापटनम,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० सरोजिनी पति टी० कृष्णामूर्ति, घर नं० एम०आइ०जी० 11 बि/87, गूलालपालम, विशाखाधटनम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकोंगे।

स्थव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हाँ।

अमुसुची

घर, गूलालपालम, विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत त्रिलेख नं० 7263/83, रजिस्ट्रीबर्ता अधिकारी विशाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 10-2-84

मोहर 🔞

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 फरवरी 84

आर० ये० मी० नं० 487/83-84--अत: मुझै, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूठ से अधिक हैं

और जिसकी सं० दूकान है, जो चीराला में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूर्च। में और पूर्णक्ष्प से बाँगत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, चीराला में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसररूमों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों. अधित् :--

 श्री टी० गौविंदय्या, और अन्य, चीरास्ता,

(अन्तरक)

(2) बी० प्रग्ना, और अन्य, मतेन्नापरूली, ओंगोल जिला,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्वेकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दूकान, महात्मा गांधी क्लाथ मार्किट, विस्तीर्ण 276 चौ० फुट, चोराला, रजिस्ट्रीहत विलेख नं० 2370/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीराला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्र टी. एन. एस.-----

बाय्क र म्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक आयुक्त (निर्काण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 84

आर० ये० सी० नं० 488/83~84—अत: मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी मं घर है, जो राझोलू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राझोलू में भारतीय र्णजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व ने कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अधीत् ह— 13—526GI/83 (1) श्री देवसीराजू रामकृष्णाराव इनीसूपेट, राजमुंड्डी,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी॰ लीला रानी; पित बी॰ बी॰ एन॰ एस॰ बी॰ रामय्या, रोक्सूली तालूक; रोक्सूलु.

(अन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्मत्ति के मर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

ड करा सुम्मीता के कर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण : — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

घर सम्पति, रोझोल, विस्तीर्ण 724 चौ० गज और लीथ एरिया, 2320 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 542 और 543/83, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी रोझोल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984.

मोहर ः

प्ररूप आइं.टी.एन:एस. -----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैवराझाद हैवराबाद दिनांक 9 फरवरी 84 आर० ये० सी० नं० 480/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कनकीपाड़ विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाश्चद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कनकीपाड़ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

की पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वरिय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य क्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर व्यधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा की लिए;

अतः अब, उक्त आधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थास् :— (1) श्री के० वेंकटेम्बर राव, पिता यीरभद्रय्या लब्बीपेट, विजयवाडा,

(अन्सरका)

(2) ए० बी० सी० डी० आग्नी इंटरप्राइजेज, प्राइवेट लिमिटेड, बाइ श्री गांधी बालकृष्णा, एम० डी०, रिजस्टर्ड आफिस, पी० बी० नं० 508, रामाराव स्ट्रीट, गांधीनगर, विजयवाडा-520003.

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी कारको पृत्राँक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों कर स्पेटितयों में से किसी स्पित्त दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयूच किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए था सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दौ और पदौ का, जो उक्त विभिन्निय के विभ्याय 20-क में पंरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मग्स्ची

भूमि, विस्तीर्ण 1 एकर, 83 सेंटस्, कंकीपाडू, विजयवाडा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1081/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कंकीपाडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 9-2-1984.

मुक्य भार् .टो .पन .पन .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्भना

तारुव चरकतुः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 फरवरी 84

आर० ये० सी० नं० 490/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थक पश्चात् 'उक्त विधीनवम्' कहा गया हैं), की बारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह दिस्साय करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि, है जो ताडेपरेली विलेज मंगलिंगरी तालूक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय, मंगलिंगरी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 83

को प्वानित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा असे सिए;

(1) श्री जी० नरसारेड्डी, पिता पेरी रेड्डी, कूचनपरली, मंगलगिरी तालूक, गूंटूर जिला,

(अन्तरक)

(2) श्री टी० कनकम्मा, पति वेंकटरेड्डी, कूंचनापल्ली, मंगलगिरी तम्लूक, जिला गूंदूर,

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा अकोंगे।

स्पध्वीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वीं का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका ग्या है।

अनुसूची

बजर भूमि विस्तीर्ण 05.5 सेट्रम, माङ्गेल्ली विलेज, मंगलिगरी तालूक, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2179/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मगलिगरी।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

जतः जम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख. 10-2-84 मोहर . प्रारुप बाई, टी, एन, एस, ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हुदराबाद दिनांक 10 फरवरी 1984

सं० आर० ए० सी० 421/83-84--आत: मुझे, एम० जोगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी है, जो चीराला स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीराला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० कनकय्य, चीलाकलूरीपेटा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० नागरत्नम, पति ए० रामगोपाल, केर आफ शाप सिचुएटिड एट महास्मा गांधी मनाथ मार्किट, दीराला,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

तुकान, महात्मागांधी क्लाथ मार्किट, चीराला, विस्तीणें 276 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नै० 2149/83; रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीराला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 10-2-84.

मोहर 🥲

प्रकृष् आर्थं. टी. एत्. एस.-----

नायकर निभिन्नम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

भव्यास्य, सहायक भायकर आयुक्त (पिरीक्ष) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 फरवरी 1984

सं० आर० ए० सी० 492/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी मं० भूमि है, जो गोरंट्लाविलेज गुंदूर तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंदूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य असके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त जिमिनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जें० लक्षमय्या, पिता कोटय्या, भीमावरम

(अन्तरक)

(2) श्री एम० हनुमंतराव, पिता रंगय्या, श्रीनिवासा कालोनी, गूंदुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाख़ लिखित में किए वा सकोंगे।

ह्यव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

नन्सूची

भूमि, गोरंट्ला, गांव, आर० एस० नं० 486, और 495/1, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5600/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंट्र।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984.

प्ररूप माइ ुटी . एन . एस . ----

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) की अभीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 10 फरवरी 1984

सं० आर० ए० सी० 493/83-84---अत: मुझे एम० जोगन मोहन

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसको सं० भूमि है, तथा जो माधवनगर काकी नाडा से स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूर्च। में और पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकी नाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान
प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित
के बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री डीं० लक्ष्मन मूित राजू, वीरावरम, पेदापुरम तालुक

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० साथीमानी, पति अश्राहम, प्लाट न० 38, माधवनगर, काकीनाडा

(अन्सरिता)

को ग्रह सूचना जार। करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनस ची

घर सम्पति वार्ड न० 2, माधव नगर, रिजस्ट्रीवृत विलेख न० 5188/83, रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी कामीनाडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैंदराबाद

नारीख: 10-2-1984

मोहर

प्ररूप आहुं.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनाक 10 फरवरी 84 सं० आर० ए० मी० 494/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० राध्स एण्ड फ्लोर मिल कोमारागिरीपटनम में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)मे रिजिस्ट्रीक्स अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय रिजिस्ट्रीक्स अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा 16) के अर्धान ज्व, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से इर्ष्ट किसी बाय की बाबत उक्त निध-निवस में अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

सतः, अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एन० सुब्बाराजू, कोमारागीरी पटनग, आमलापुरम तालुक,

(अन्भरक)

(2) श्री टी० सत्यनाराया और श्री टी० सूर्यनारायणा कोमरागीरीपटनम, आमलापुरम तालुक, इस्ट गोदावरी जिला

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों क्ला संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांसी हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यकिरण.— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्🍑

चावल और आटे की गीरीनी, कोमारागिरीपटनम आमलापुरम तालुक, रिजस्ट्रीइन विलेख न० 5213/83, रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्तण (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 10-2-1984.

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर निभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नृभीन तूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 84 आर० ये० सी० नं० 495/83-84--अस . मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो गांधीनगर काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रौतफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन' का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नसिचित उद्देश्य से उच्क बन्तरण किचित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत, उक्त वीधीनवत के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अध्यमें में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपिस्तरों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृत्थिम के सिए;

अतः, अवः, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं में, में, अक्तः अधिनियमं की भारा 269-चं की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्तः स्थितियों, कर्भात् :--- श्री वाई० राममूर्ति, और अन्य, डी० नं० 8→22-36. गोधी नगर, सीमेंट रोड, काकीनाडा

(अन्तरक)

(2) श्री एम० सत्यनारायणा, पिता रामाराव, चावलीवारी विधी, गांधी नगर, काकीनाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वध्यक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, को उक्त अभिनिवस के अध्याय 20-क में परिशाचित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुलो जमोन, गांधी नगर, काकीनाडा, विस्तीर्ण 500 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5237/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984.

प्ररूप आइ⁵. टी. एन. एस.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन त्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984 आर० ये० मी० नं० 496/83→84→-अनः मुझे, एम० जेगन मोहन.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्थ 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० घर है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से बिणत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अधिनय, काकीनाडा में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नितिकात उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधि-निवम के अभीन कर दोने के बन्तरक ने दायित्व में कमी करने या उससे वयने में सुनिभा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

14-526GI/83

-(1) श्री एम० केशवराममूर्ति और अन्य, सीताफलमंडी, सिकंदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० वी० एत० रंगानायकम्मा, पति बी० हनुमंतराव, आपोजिट गोपाल आटो सर्विस, मीने स्ट्रीट, काकीनाडा-533001

(अन्तरिर्तः)

का यह स्थना जारा करके प्वाक्त संपरित क अजन के लिए कार्य-वाह्यिं करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में गे किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में गे किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजणक में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मूची

घर सम्पति, काकीनाडा, डी० नं० 2-44-15, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5207/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी काकीनाडा।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 10-2-1984.

मोहर 🐠

प्रकल आहू^र. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

> > हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 497/83-84--अतः मुझी, एम० जेगन मोहनः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो पालकोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालकोल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री एम० नरिमम्हा राव,
 पिता सत्यनारायणा,
 डी० नं० 17-1-23,
 वार्ड नं० 8,
 पालकोल

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आनंदराव,
 पिता श्री रंगा नायकूलू,
 बार्ड नं० 13,
 डी० नं० 36-3-13,
 पालकोल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

घर सम्पति डी० नं० 17-7-33, पालकोत, रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 1457/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी पालकोल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984.

प्रकृष बाइरे. टी. एन. एस. --------

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनाक 10 फरवरी, 1984 आर० ये० सी० नं० 498/83-84--अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा मे भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वे कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितयार्) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत, उक्त किसीनयम के अभीन कर दोन के अन्तरक क दायित्व मा कभी करने या उसमें वचने मा सुविधा के लिए; बीट्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रकोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उन्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुतरण में, मैं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात्:-- (1) श्रो आलूरो सूर्यनारायणा, विद्याधरपूरम, विजयवाडा-12

(अन्तरक)

(2) श्रो ए० पूरतचंद्राकुमार, पिता बापाराव, भीमावरीपेट, विजयवाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिसमें में से किमी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्वभ किसी अन्य स्थावत ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स्ची

घर सम्पति, डी० नं० 11-37-20, चीपालवारी स्ट्रीट, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4659/83 रजिस्ट्रीक्सी अधिकारी विजयवाडा।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 10-2-1984.

मोहर ब

प्ररूप नार्षं.टी.एन्.एस. ------

प्रायकर विश्वितियम, 1981 (1981 का 43) की चारा 289-व(1) के मनीत सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहाय्क जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984 ग्रार० यें० सी० नं० 500/83~84—अरत: मुझे, एम० जेंगन मोहन,

सायकर स्विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह प्रकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 15,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० घर है, जो काकीनाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची भ्रौर पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन, 1983

करे प्वांक्ता सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने फा कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसफे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रित्यात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रति-कस, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से मुर्ड किसी भाय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अग या किसी भन या अप्य आस्त्यों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

ब्रुटः ब्रुबंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती श्रार० नरसम्मा, पति हानूमंतय्या, काकीना डा

(अन्तरक)

(2) श्री पी० वेंकटा नरसीम्हय्या, पिता सत्यम, डी० नं० 60-1-34-वार्ड नं० 26, काकीनाडा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो काोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी के अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मञ्जाश में हितस्य्य किसी अन्य स्थानित द्वारा मशोहन्छ। करी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा ह²।

जनसंची

दि० घर संपति काकीनाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5045/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा।

एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 10-2-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 84 ग्रार० ये० सी० नं० 501/83-84--ग्रस: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० राइस मील है जो मंडापेट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मंडापेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1983.

का पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए क्तारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तं अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

(1) श्री बी० चीना वीराराजू, पिता वेंकटास्वामी, मंडापेटा.

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० बी० एस० सत्यनारायणा चौधरी, पिता सत्यम, केर श्राफ 5-10-10, सीताराम राइस मील, मंडापेटा,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्त्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

सीताराम राडस मील डी० नं० 5-10-10, मंडापेटा, विलेज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1215/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मंडापेटा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 10−2−1984.

प्रक्य आई. टी. एन्. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 84
श्रार० थे० सी० नं० 502/83-84--श्रत: मुझे,
एम० जोगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो दीवान चेरुऊ पंचायत में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजमुंड्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1983

को पुनोंक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बरिर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनोंक्त संपत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की शावत उच्त जिम्मिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मुँकिमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर्√या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री वाई० विजयकुमार, पिता वेंकटागिरी, कोलामुक शिवाक, कोथामुक

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वाई० सत्यनारायणा, पोथूरा, ए० पी० एस० इ० बी० एम्प्लाइज को-ग्रापरेटिक बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड, इनेसनेट, राजमुंड्री, इस्ट गोवावरी जिला

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्रायु;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

खुली जमीत, बिस्तीर्ण 3 एकङ, दीवान चूरुक पंचायत, राजमुंद्री, राजस्ट्रीकृत विलेख नं∘ 3916 और 3977/83 राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी राजमुंद्री।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

न्नारः ए० मी० नं० 503/83-84--- म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

खायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित,, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या घर है तथा जो पाटामाटा, विजयवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक जुन, 1983

को पूर्वों कर। संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्रज के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी करने या उससे वजने में मृविधा से सिए; बरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिन्। में स्विभा के सिए;

(1) श्री डी॰ रामा राव, धीकाला रोष्ट विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री स्वरूप सिंह और ग्रन्य डी० नं० 20-238, पाटामाटा, विजयवाडा ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्थितियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनसची

घर संपत्ति, पाटामाटा, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4327/8, रजिस्ट्रीकृत श्रधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 10-2-1984

प्रकार आहीं, ती एन एम ------

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत करमहर

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

सं॰ भार० ए० सी० 504/83-84--श्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ध्रौर जिसकी सं० घर है, तथा जो सीतारामपुर विजयवाड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उब्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिति व्यक्तियों, अधित् हस्स- श्री पी० रमेण,
 पिता बाबूराब,
 यलूरु,
 वेस्ट गोदाबरी जिला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० श्रंजनेयुलू, पिता लक्ष्मीनारायणा, मलीकार्जुनपेट, मलीकार्जुनिधि, विजयवाड़ा, कृष्णा जिला,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकी।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त जिमित्रक, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

संपति, सीतारामपुरम, जो नटराज टूटोरीयलस् के नाम से प्रसिद्ध है, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4556/83. रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 10-2-1984.

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. - - - ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद दिनांक 9 फरवरी 1984

सं० ध्रार० ए० सी० 505/83-84--ध्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० घर है, तथा जो नलापाधू गुंटूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाव की बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए वीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या नन्य जास्तियों कतो, जिन्हों भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री या० हारुदया राजू, गुंदूर श्रीर श्रन्य

(मन्तरक)

(2) दि डायोसिस भ्राफ गुंटूर सोसाइटी, बाइ फादर, बी० श्रश्राहम, डोमीनीयन सेलीभ्रो, गुंटूर

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितसारें में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत,र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

जगुसूची

डी० नं० 4−1−135, नलापाडू विसूज, गुंटूर, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 5498/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ग्ंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-1984,

प्रकृप आहूर, टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आरक्कर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

ग्रार० ये० सी० नं० 506/83-84--ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

वावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं० भूमि है, जो रामन्य्यपिटा, काकीनाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रश्लिकारी के कार्यालय, कार्कीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिग्री आप की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती देशारा प्रकट नहीं किया गया या या किसा अन्य जन्म अन्य उन्हें किया गया किसा अनिया अन्य उन्हें किया गया किसा अन्य जन्म अन्य विद्यान के निया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० श्रीरामचद्रामूर्ति ग्रौर ग्रन्य, नागेष्वर राव स्ट्रीट, रागारावपेटा, काकीनाडा।

(ग्रन्तरक)

(2) दी गवर्नमेंट डाक्टरर्स को-ग्रापरेटिय होऊस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड, बाइ प्रेसीडेंट, डा० एन० वेंकटराव, सिविल ग्रसिस्टेंट सर्जन, गवर्नमेंट जनरल हास्पिटल, काकीनाडा,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या नत्मम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य∉व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

जनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 6635 चौ० फुट, रामनय्यापेटा, काकीनाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5249, 5303, 5288, 5306, 5338, श्रौर 6728/83 रनिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी काकीनाडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984

प्रस्य आहें. टी. एत. एस. ------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के शकीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1984

ग्नार० ये० सी० नं० 507/83-84---ग्रत: मुझे, एम० जोगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० घर है, जो गवर्नपेटा, विजयवाशा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई िकसी बाय की बाबस,, उक्त अधिनियम के सधीन कर देने के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः वर्षः, अक्त विधिनियम की भारा 269-ग कै वन्तरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री पी० सूर्यनारायणम्मा श्रीर भन्य, गवर्नपेटा, विजयवाडा ।

(भन्तरक)

(2) श्री चेनुपती, विस्वनाधरात्र पिता लेट दशस्घरामय्या, डी० नं० 27-37-29, गवर्नपेटा, विजयवाडा ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्थितिमाँ पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां करवीं में से विकरी स्थानत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वार अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियमं, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

घर सम्पति गवर्नपेटा, विजयवाडा, विस्तीर्ण 247 चौ० गज श्रौर प्लींथ एरिया 480 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4542/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, हैवराबाव

तारीख: 9-2-1984

प्रारम् बाद्द्रा तो पुन् पुन् ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की एका 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 408/83-84--अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति. जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो नलापाडू, गूंटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार भून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्ववेष्य से उसत अन्तरण रिग्डित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वकने में सुविधा के सिए; और√या
- एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती पी० ऊषा रानी,
 पित सम्पत कुमार,
 बाइ श्री सी० एच० वेंकटरमनय्या,
 पिता कोटय्या,
 विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री नम्नापानेनी वेंकटरत्नम्मा, पति वीरय्य, चंद्रमौली नगर, गुंटूर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी, 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नमृत्यौ

भूमि, नलापाडू, क्रष्णा नगर, गृंदूर, विस्तीर्ण 406 चौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4868/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गृंदूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-1984

प्रकप बाई.टी.एन्.एस.,-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 509/83—84——अत: मुझो, [एस० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- फ़ासे अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि हैं, जो कोरीटीपाडू, गूंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री महता शंकर दास, गृंदूर।

(अन्तरक)

(2) दी गूटूर हाऊस कंस्ट्रक्शन को-आपरेटिव हार्जीसंग सोसायटी लि०, बाद श्री आप्पाराव, सेक्रेटरी, गृंटुर,

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोह भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कस स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यवारा;
- (ब) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

सम्पति, कोरीटीपाडू, गूंटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5605/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गूंटूर ।

ंएम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-1984

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैंदराझाद
हैंदराझाद दिनांक 9 फरवरी 84
आए० ये० सी० नं० 510/83-84—अस: मुझे,

एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है, जो गूदूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूटूर में मारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के वृष्यमान प्रतिषक्ष के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफन से, ऐते दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तथ पाया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौड/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए; और/या

अत: अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री बी॰ रामचंद्रमूर्ति, पिता श्री निवासा राव, नण्हीनगर, वाम्बे,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० भारतीलक्ष्मी, पति डा० राजेद्र प्रसाद, नेहरु नगर, गूंटूर,

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं सं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की कविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति क्रोडीपेटा, गूंटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5035, म्रोर 5037/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूंटूर।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकप आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-1984.

प्ररूप आई, ट्री. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 84

भार० ये० सी० नं० 511/83-84-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 11/50 भेर इन राइस मील है जो, तेनाली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गांधी रामकोटेश्वरा राव, पिता गांधी श्रीरंगानायकूलू, मारीसपेट, तेमाली,

(अन्सरक)

(2) श्रीमती ए० रजीनी कुमारी, पति वेंकटेश्वर राव, रेलगीवारी विधी, नजरपेट, तेनाली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11/50 भाग, चायल की मील में,गांधी नगर, तेनाली, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2588/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तेनाली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-1984.

अरूथ आर्दः टी. एन. एस.----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1984

आर० ये० सी० नं० 512/83-84—अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं० भूमि हैं, जो पाटामाटा, विजयवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1983

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मितिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:---

(1) श्री आर० नागेश्वर राव बाबू, पिता राघवय्या, पाटामाटा, विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) स्टेट इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड आपोजिट, सर्केल स्टाफ को०-प्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाईटी, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी कर्जी पृथीं क्य संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्षविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दौं और क्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 4 एकड़, 26मेंटस्,, पाटमाटा विजयवाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4623, 4624, 4625 भ्रीर 4680/83, रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी, विजयवाडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-2-1984

मोष्ठर :

प्राप्त शार[्] ही एस गय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर गायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

आर्० ये० सी० नं० 513/83-84—अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है, जा पीड्रगूराला, गूंटूर जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पीड्रगूराला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में नाम्लिबक रूप में कथित नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उप्तत अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिनिधा के लिए।

अतः अबः, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उच्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 16—526G(/83 श्री के० तीलानंता,
पंद्धिग्राला,
गूंटूर जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री ऊदाता अनंतरामय्या श्रीर अन्य 6, पीडूगूराला, गूंटूर जिला, की०नं० 525-1 श्रीर 525-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्ग।

स्पच्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस्स अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

डीं० नं० 525-1, पीड्यूराला विलेज, गृंटूर जिला, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1419 और 1420/83, राजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी पीड्यूराला।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 10-2-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर कार्यक्त (निरीक्सक) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

आर० ये० मी० नं० 514/83-84--अतः मृ.झे एम० जेगन मोहन

कायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या घर है, तथा जो नेनाली, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्झीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; बौद्ध/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों। अर्थात :--- (1) श्रीमती एम० कोटम्मा और अन्य केर आफ बेंकटरामन, वेमुर, तेनाली, तालकः।

(अन्तरक)

(2) श्री के० श्रीनवास पिता के० ह्वी० रामकृष्णा, डी० नं० 16-39-27, भूपतीवारी स्ट्रीट, सालीपेटा, तेनाली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्थितत्यों में से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्तित में किए जा सकरों।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो जम अध्याय में विधा स्था है।

अनुसूची

घर संपत्ति डी० नं० 16-39-27. भुपतीबारी, स्ट्रीट, मालीपेट, नेनाली, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2172, 2173 श्रौर 2216/83, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी नेनाली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नामकर ज्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थाना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदोश सं० आर० ए० सी० नं० 515/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं:

स्रीर जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो भीमकासापालम, ईस्ट गोदा-वरी जिला में स्थित है (स्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूत्री में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के में धीन, दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुभ्ने यह विद्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की नागत उनत निध-शिवस के वधीन कर दोने के जन्तरक के समित्य में कभी करने या उससे अचने में नृतिधा के सिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, जर्धात् :--- मती पी० वीरा वेंकटासुब्बालक्ष्मी सुजाता, पति सूरीबाबू जवाहर विधी, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० रमेणकुमार पिता सुर्यानाब्कर राव, सूर्यरावपेट, काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ती।

स्वव्होकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया हैं।

नगत्त्रची

भूमि, विस्तीर्ण 5 एकड़, 521/2, सेंट्स भीमाक्रेमपालेस, रामचन्द्रापुरम ताल्लुक, ईस्ट गोवावरी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5477, 5434, 4738 और 4771/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984

मोहर ३

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

बायकर लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/6-83/278---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 1504 ए, है तथा जो 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय भ्रायकर श्रिधिनयम, 1961, के श्रधीन, दिनांक जून-1983,

को पूर्वे वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे वित सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्तिविद्या उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कि भित नहीं कि मा गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्ष जिल्लाम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के निए;

(1) म० स्पीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर भवन, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं अब्दो पीन्स (इण्डिया) प्र० लि० इण्डस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाक्षप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िस्तित में किए शा भकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं ० 1504-ए, ८९-नेहरू प्लेस, नई विल्ली, एरिया--548 वर्गफीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नत: गर्न, उत्तर विभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण मो, मी, उत्तर अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नांतींशत व्यक्तिया, अधीत .--

दिनांक : 10-2-1984

मोड्रर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1//37 ईई/6--83/ 280--श्रनः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 1005 ए, है तथा जो 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-।, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर अधिनियम-1961 के श्रधीन नारीख जून 1983,

'को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियिन उदयदेश से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तोंबक रूप से शिश्व नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई 'किसी आप की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जमसे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

(1) मास्टर प्रर्रावन्द श्रशोक सिंह श्रौर मास्टर राहुल श्रशोक सिंह, यू०/जी—श्री ग्रशोक प्रताप मिह, निवासी—5-वेस्टर्न एवेन्यू, महारानी बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बिमल खाशला,निवासी—पो० बाक्स न० 6274, दुबई (यू०-17०-ई०)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें पय्वत जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस्मुची

फ्लैंट नं० 1005-ए, बिल्डिंग नं० 21-बाराखम्बा रोड नई दिल्ली, एरिया--300 वर्गफीट ।

> सुधी चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-। दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीत है—

दिनाक . 10-2-1984

भाष्ट्रर

प्ररूप् आहें. टी. एन्. एस् . -----

भाय हर अधितियम 1961 (196) हा 43)की धारण 269-च (1) हे प्रधीत सूचना

भारत परकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० श्रार्थ० ए० मी० /एक्यू०/1/37 ईई/6-83/281--श्रतः मझे सुधीर चन्द्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस हे पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के राधीत मझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नग 25,000/- कार्य में पश्चिक है और जिसकी संव 1005, है तथा जो 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्चर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम-1961 के प्रधीन दिनांक जून 1983,

को पूर्वोक्त सम्मिल के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरकों) यो प्रतिकृति (अन्तरितियों) के बीत ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिकृत, निष्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित ने वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है। --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किया प्राय र किसी प्राया प्रत्य प्राहितयों की. जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधित्यम, या धन-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रपोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था से किया तत खाहिए था, छिपाने में मुंबन्ना जनए;

गतः अव, उक्त प्रधिनिश्म की घारा 269 के प्रमुपरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 69 की उपधारा (1) के अधीर, जिम्मीनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मास्टर हेमस्त भरत राम, मास्टर सुमन्त भरत राम यू०/जी० श्री विनय भरत राम, मास्टर ग्रांगण भरत राम, कार्तिक भरत राम, दिक्षा भरत राम, यू०/जी०-श्री अरुण भरत राम, ग्रीर श्री विवेक भरत राम, निवासी---25-मरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री बिमल खोशला.निवासी—-पी० बोक्स नं० 6274,दुबई ('यू० ए० ई०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 48 के दिन की अवधि या तस्तंबी व्यक्तियों पर सुचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सुनता के राजपाय में प्रेकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मकींगे।

स्पब्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त मध्यों प्रीर पत्रों जा, जो उक्त मधि-नियम के अख्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रय होगा, जो उन प्रव्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं॰ 1005, दसवीं मंजिल, 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, एरिया 440 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-। दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 10-2-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/ 1/ 3 7ईई/ 6-83/ 282--ग्रनः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १९९०-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 12. है तथा जो श्रीफोर्ट रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज—I, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक जून—1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार नके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई फिसी आय की बाबत, खंक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शंकित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 🧨 के अधील, निम्नलिलित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) एस० क्षरम सिह.
 ट्रस्टी धरम सिह फीमली ट्रस्ट.
 ए-2/140 सफदरजंग इनक्लेब,
 नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं व्यू फार्मा इन्स्ट्रुमेट्स कार्परिशन, कस्तूरी बिव्हिंग, जेव टाटा रोड, बम्बई-20 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्वोंगे।

स्पच्छीकरण: — उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उमत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीसरी मंजिल---प्रो० नं० 12-सीरी फोर्ट रोड. नई दिल्ली, एरिया-950 वर्गफ़ीट ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-2-1984

प्रसम आहाँ ही राज सम

बायकर ग्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रांकि सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेण सं० आई० ए० मि(०/एक्यू०/ ।/37 ईई/6-83/284, अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा.

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 719 है नथा जो 89 नेहरू 'लेस, नई दिल्ली' में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-I, नई दिल्ली' भारतीय आयकण अधिनियम-1961 के अधीन, दिनाक ज्न, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में मान्तिय एए रे प्रिणा गरी हिल्ल गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबन., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) गांसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय राज्यार अधिनेया 1022 (1922 का 11) राज्या जीर्यानगर या शर-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से सविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) कृषारी एकी गण्ता, निवासी---एल-13, याउथ एक्सटशन भाग-2 नई दिल्ली ।

(अन्तरकः)

(2) श्री बी० के० बजाज सुपुत श्री के० एल० बजाज, निवासी- ई-91, ग्रेटर कैलेश--ा, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की **यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ष्त सम्प**त्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हि**यों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति युवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितब क्^{थे} किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पर्व्याकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुष्यी

फ्लैट नं० 719, बिल्डिंग न० 8 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, एरिया—325, वर्ग फीट ।

> मुर्धार चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायाः आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रोज-। दिल्ली, नई दिल्ली:-110002

दिनाक . 10−2−1984 मो**हर** : प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन मुखना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--! नई दिल्ली

नर्ड दिल्लं। दिनाव 10 फरवर्र। 1984

निदेण में आई० ए० मं १०/एक्प०/1/37ईई/6-8 3/285--- अतः मुझे, मुर्धार चन्द्रा भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मन्य 25,000/- राम अभिक्त हैं

और जिसके। स० 10 ब्लाक 'एफ' है तथा जा कम्पाटेट हाउस, क्रमाट प्लेस नई दिल्ला, में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है) एजिस्ट्राकर्ता अधिवारी के कार्यालय अर्जन रेज-1 नई दिल्ली। भरतीय आयतार अधिनियम-

1961 के अधीन दिनाम जून 1983

को पूर्वीयन सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्वेष्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ मा कमी करने या उससे दचने मो, सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं० कुमार उनवेस्टमेंट, 75 गार्धा रोड, देहरादून, (यू० पी) द्वारा थी मर्गा भूषण ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्रा ईा० एम० बेई। (एच० यू० एफ०)
 मार्फन बेदी स्टोर्स,
 इा०-13, त्रागर। मार्केट, 71-क्षनीम स्ट्रीट
 कलकत्ता--1.
 श्रीमती कीणत्या बेदी पत्नि श्री डी० एम० बेदी,
 श्रीमती नेह बेदी पत्नी श्री कमल बेदा,
 श्रीमती सुजाना बेदी पत्नी श्री विमल बेदी,
 सभी निवासी--2 श्रिमिष स्ट्रीट, कलकत्ता--13

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रमसी

फ्लैट नं ० 10, पहली मंजिल, कम्पीटेट हाउस, 'एफ' ब्लाक्ट, कनाट प्लेस, नई दिल्ला, एरिया, 786, 07 वर्गफीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई क्ल्ली-110002

दिनांक : 10-2-1984

प्रकप् अल्हा, टो., एन., एस. ------

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू० 1/37 ईई/6-83/286---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी गं० 6-ए, (एफ-एफ) है तथा जो 16-नेहरू प्लेम/नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-I, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनोक जुन-1983,

का प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एगे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्निवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कत. जब, जक्त जीधनियम की धारा 269 ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० टावर हाइट बिस्डमं प्रा० लि० डी०-31, माझल टाउन, दिल्ली---9।

(अन्तरक)

(2) मास्टर त्रिक्रम मेहरा, द्वारा सभी अभिभावक श्री आर० के० मेहरा, निवासी---ए-15, ओवराय अपार्टमेंट, 2-णामनाथ मार्ग, दिल्ली--54

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ... 45 दिन की अवधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों प. सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति प्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावि हैं, वहीं मुर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग...

अनुसूची

फ्लैट नं० 6-ए, पहली मंजिल, ताहादी 447 वर्गफीट, 'कुन्दन हाउस' 16-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-। विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 10-2-1984

मोहर 🕄

प्रकृत आहे. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकाऱ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० सं:०/एक्यू०/ 1/37 ईई/6-83/287- अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 95-एल० जीं ० एफ है तथा जो 28-वाराखम्बा रोह, गोपालदास भवन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्यान रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जुन, 1983

को प्वांक्त संपत्ति को उचित वाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्बोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रीतुफल, निम्नलिखित उच्चेक्यों से उक्त कम्तरण किवित ें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुए किसी जाय की वाचत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने मा उसने बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बस्क जास्तियाँ की जिन्हों भारतीय भाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ं,—— (1) मैं • गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हार्जाभग प्रा॰ लि॰ 28-बाराखम्बा राड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) श्री आर० के० आनन्द
 - 2. श्रीमती दयावती,
 - 3. श्रीमती क्षमा आनन्द,
 - श्रीमती मंजू रानी,
 - 5. श्रीमती सुधा आनन्द, निवामी—-ई।-1/13, लाहीरी टोला, वराणसी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्च भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकोंगे।

अनुस्ची

प्रो० नं० 95-एन० जी० एफ०, डा० गोपाल दास भवन, 28-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली, एरिया-358 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-2-1984

प्ररूप आहूर, टी. पून. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1984

निदंश स० ग्राई० ए० मी ०/एक्यू०/ 1/37 ईई/ 6-83/289---ग्रन. मुझे, मुधीर जन्द्रा.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी म० फ्लैट नं० 'ए' है तथा जा 28, फीरीजशाह रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (स्रौर इसमें उपायह स्रन्यूची में पूर्णरूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय, स्रर्जन रेज-ा, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर स्रिधिनयम, 1961 के श्रधीन, दिनांक जून-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तिरिता की गई है और मुक्ते यह विश्वस्म करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के धन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उन्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्सिक रूप से करियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाधत उवत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय ग िन्सी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

सतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मै० कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स 18-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरबम मिह बजाज, श्री हरीन्दर सिह बजाज, श्रीर श्री माहिन्दर सिह बजाज, निवासी—मकान न० 63, सेक्टर 9-ए, चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाकत मम्परित क अर्जन क लिए न, कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या नत्यम्बन्धी त्यक्तिया पर म्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हिन-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मनसूची

फ्लैंट नं० 'ए' एरिया 1600 वर्गफीट, 15-मजिल, 28 फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिनारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक . 10-2-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज—I, तर्द दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 फरवरी, 1984

निदेश म० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/367 ईई/6-83/ 290--श्रत मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 306, ब्लाक 'एन' है तथा जो प्रताप विल्डिंग, कनाट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में पूर्व च्या से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय, स्रजेन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय स्रायकर अधिनियम-1961 के स्रधीन, दिनाक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप स कथिन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क्षे अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमें बचने में सर्विधा के लिए, और/या
- (स) एमे किमी आय या किमी धन गा उत्त्य आस्तियों का. जिन्ही भारतीय अवत्वर अस्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) क प्रारंजनार्थ अतिरिति द्वारा प्रवेश नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिन व्यक्तियो, अर्थात :---

- (1) मैं ० कम्पीटेट विल्डर्स 101-कम्पीटेट हाउस, एक-14, मिडिल भर्कल कनॉट प्लेस, नई दिल्ली । (ग्रन्नरक)
- (2) मैं एचि गी महता एण्ड कं 5-एन/24, एन श्राई० टी० फरीदाबाद । (अन्तरिनी)

को यह मचना जारी करकं पूर्वेक्ति सम्पन्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पन्धीक रणः --- इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो विया गया है।

अनस्ची

कर्माशयल स्पंत फ्लंट न० 306, ब्लाक 'एन' कनाट सर्कम, नई दिल्ली, एरिया- 742.5 वर्ग फीट ।

> सृक्षीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज—ा दिल्ली, नई दिल्ली⊸110002

दिनाक: 10-2-1984

प्ररूप आइ^t.टी एन.एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निवंश स० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/37ईई/ 6-83/292— भत. मुक्षे, मुधीर चन्द्रा,

शायकर शिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपितत, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० 201 वी है तथा जो प्रकाण मोहला, गढ़ी, नई दिल्ली, में स्थित है (स्रोर इससे उपावड स्रनुसूची पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय स्रायकर स्रधिनियम-1961 के स्रधीन, दिनाक जून, 1983

को पूर्वोक्त सपित्न के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त जन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण संहाई किसी आय का बाबत, अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्त दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती प्रकाश वती कालरा डी०--1-83, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) बिशम्बर नाथ कालरा, निवासी—201-बी, प्रकाण मोहला, गढ़ी नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी खं 45 दिन को अविधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त कार्कों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा ही।

जनसची

मकान न० 201-थीं, प्रकाण मोहला, गरी, नई विल्ली, एरिया-540 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा मेक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 10-2-1984 मोहर:

प्रकृप बार्ड . टी . एन् . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रजेन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 16 फरवरी 1984

निदेश म० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस०-प्रार०-3/6-83/571---अन मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० शी-1/109, है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्वरूप में, विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए त्य पाया गया प्रति-दृष्ट मिनिवित उद्दर्य से उपन अन्तरण निवित में वास्त्रिक क्या से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए जा, जियाने में मिवा के सिए;

श्रातः अवतः अध्यानियमं की धारा २६९-म के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियमं की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिंगत व्यक्तियों, अर्थातः --- (1) श्री मधा राम. निवासी---डी०-1/109, लाजपत नगर नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ध्रनूप सिंह निवासी--धी०--1/109, लाजपन नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्परित के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवस सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की जामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितक्ष्य किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा मकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शृब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उसे अध्याय में दिना गया है।

अन्सूची

एक मंजिला मकान सरकारी बना हुआ क्वाटर ने० की०-1/109, लाजपन नगर, नई दिल्ली, नावादी 100 वर्गगज ।

सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-2-1984 मोहर प्रस्प आई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंच-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1991

निदेश म० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार-3/6~ 83/769—श्रत मुझे, सुधीर चन्द्रा.

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिस इसम इसके पश्चात 'उवत अधिनियम कहा गण है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० प्लाट ने० 49, है तथा जो कोटला सुबारकपुर, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसस उपावज अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिनस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज्य स्लग में कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ध है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यक्षाप्रवाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण म हुष्टूं किसी आय की बावत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसमें बचने में गविधा के लिए: और/या
- (स) ऐमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिणाने में मुविशा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीष, जिल्लीनियम अधिकतयों, अभित् :----

- (1) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी श्री राजेश्वर राय, निवासी—19—17, श्रमृत नगर, नई दिल्ली। स्पेणल श्रदानी श्री राजेन्द्र कुमार श्राकरे. (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरमिन्दर सिंह

 मुपुत्र श्री एस० भाग सिंह,

 निवासी----श्रार०-10, एन० डी० एस० ई०-11,

 नई दिल्ली ।

 (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवर्गहर्या करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हिस प्रदूध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अभाहरनाक्षणी दे पाम लिखित में विष्ण जा सद्देग।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

प्लाट नं० 49, तादादी 150 वर्गगण, खसरा नं० 109, भ्रमृत नगर, कोटला मुकारकपृर, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा मक्ष्म प्राधिकारी महायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--। दिल्ली, नई दिल्ली--। 10002

दिनांक : 10-2-1984

प्ररूप , आहे, टी एन , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आय 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज--। नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-म्रार०-3/ 6-83/785---म्रतः मझे, सुधीर वन्द्रा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रुः. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जी-5/ए, है तथा जो कालकाजी नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन. दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वक्ते में सुविधा कें सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना नाहिए था स्थिपने में सुविशा के लिए.

जतः अन उनतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र— 18—56201/83 (1) श्रीमतो नगवान नेवी पत्नी स्व० श्री निहाल जन्म, निवासी--ई-17. उबल स्टोरी, कालकाजी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री योग राज सुपुत्र श्री आतम प्रकाश, निवासी—एम० - 44, श्रोल्ड डबल स्टोरी, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली। श्रीर श्री होमेन्दर कुमार मुपुत्र श्री आतम प्रकाश, निवासी—एम०-44, श्रोल्ड डबल स्टोरी, लाजपत नगर-44, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अथिथ दा तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अथिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

प्रो० त० जी०-/5-ए, तादादी, 100 वर्णगज, कालकाजी न**६ दिल्ली** ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶1 दिञ्जी, नई दिल्जी−110002

दिनांक 10-2-1984 सोहड ध प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 2 फरवरी, 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/6-83/544--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० ई-266, है, तथा जो ग्रैटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजि-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जन, 1983

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्या प्रतिफल निकासित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित को बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियभ के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें सभीतः निम्निजिसित व्यक्तियों, वर्णाक् :--- (1) श्रीमती के० लक्ष्मी,
 निवासी--2/48. सर्व प्रीया विहार,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं श्रमरजीत सिंह जॉहर एण्ड कं०. सी०-139, डिफेंस कालोनी, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अमिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

प्रो० नं० ई-266, ग्रेटर कैलाण-1, नर्ड दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 2-2-1984

महिदु 🖫

प्ररूप प्रारं • टी • एन • सं •---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी'०/एक्यू०/1/एस-आर-3/6-83/546-अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस-286 है तथा जो ग्रेटर कैलाधा-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याजय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल में, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलित में वास्तिक हथा में किया गया है:--

- (क) अन्तरण ने हुई किसी नाय की नानत उत्तर नाध-नियम के अभीन कर दीने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती कोकीला साहनी पत्नी श्री एस० सी० साहनी 34/107, पटेल नगर, नई विल्ली । श्री हरीश नारंग, निवासी—आर-269, ग्रैटर कैलाश, नई विल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रोशन अलका जी पत्नी श्री ई० एच० अलाकाजी 28-ए, निजासुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों से
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

भगव्यक्तरगर = -इपनें प्रमुक्त संक्ष्में भीर पदी का, जी अक्त अग्नित्यम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही सर्व होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मंजिली मकान नं० एस-286, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली तासादी-304 वर्गगज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, दिल्ली, नई दिल्ली→110002

कतः कथा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्तिक व्याियों. संभति :----

विनाम 2-2-1984

माहर :

प्ररूप आहें. टी. एत एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेण सं० आर्ड० ए० मी०/एक्यू०/1/एम आर-3/6—83/545—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कि पश्चात् उकत अधिनियम कहा एया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उनित वाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी-176, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन दिनांक जून-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मृत्य म का म के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान पितृति स, एोगे नगणान पितृति का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक्कल मिम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जैतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिसीन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिका में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अस, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में भी, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्ननिषित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सुगीला वती, श्रीमती सुरिन्दर विज, श्रीमती वीत⊤ विज, श्रीमती कमलेश विज,

(अन्सरकः)

(2) मैं० द्वजीनियरिंग कन्स्ट्रक्णन, 32, शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली—15 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करक पूत्राक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्या मों भी अविध्याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० सी-176, ग्रेटर कॅलाश-1, नई दिल्ली, एरिया---3642 वर्गफीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनामः 2-2-1984

माहर

प्रकप् मार्चे. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11 नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

तिदेश म० आई० ए० सी०/एकपृ०/1/एम–आर–3/6–83/552—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एस-336 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन-1983,

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथा गया हैं:—

- (कं) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्विधा के निए:

अतः, अबः, उक्त अधिनियम की भाग १६९-ग के अनुसरण में', में , उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, सर्भात १—- (1) 1. श्री ग्रोम प्रकाण कालरा,
2. श्री मदन लाल कालरा,
3. श्री राजेन्दर नाथ कालरा,
निवासी—जी—147, नानकपुरा,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० जियाली द्रेडिंग एण्ड इन्वेस्टमेंट (इडिया) प्रा० लिमिटेड, जी⊸14, इरोज अपार्टमेंट, नेहरू प्लेस, नई दिली (अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पृ</mark>व्यक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह*ू*।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरणः --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया इ⁸।

अनुसूची

प्रो० नं० एस-336, ग्रैटर कैलाश-1, नई विल्ली, एरिया--

मुधीर चन्द्रा मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनाव: 2-2-1984

माहर .

प्ररूप भाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/6-83/547-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

फ्रौर जिसकी सं० जी-131, है तथा जो कालका जी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के काम्यीलय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून--1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसफे दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उचत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री विवान चन्द घढ़ा सुपुत श्री जिन्दा राम ढ़ा निवासी—10/61, विकम विहार, शाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज सिका सुपुत्र श्री एम० एल० सिका, निवासी—2322, लक्ष्मी नरायण स्ट्रीट. पहाड़ गंज, नई विल्ली।

(प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तर सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्ची

प्रो० प्लाट नं० जी-131, कालकाजी, नई दिल्ली एरिया---200 वर्गगज।

> मुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

विनोब : 2-2-1984

प्रारत्य आर्घः ही एन एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० मी०/एसयू०-1/एस-आर-3/6-83/543-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 12, ब्लाक-बी-5, है तथा जो सफदरजंग इन्क्लेब, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून-1983,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मिजिशा के लिए।

अतः अबः, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, अबत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलियन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जै० एन० यहानी तस्या श्री आर० एस० यहानी. (जेनरस अटानी) निवासी—के-34. कैलाण कालोनी, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री आर० के० सोमानी श्रीर श्रीमती स्नेह लता सोमानी निवासी—जी-2/14, वसन्त विहार, नर्ष दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरी।

स्यष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रो० नं० 12, ब्लाक नं० बी⊷5, सफदरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2~2··1984

मोहर

प्ररूप आर्चा, टी. एन. 'एस,-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/6-83/562--अतः मझे. मधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एस-174 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून---1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अवार्य की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समानि का स्वित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित कै बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में: उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री आर० एस० वर्मा सुपुत्र श्री असर सिंह वर्मा, ग्रीर श्रीमती विरमा देवी पत्नी स्व० श्री असर सिंह वर्मा, (अन्तरक)
- (2) श्री किणोर कुमार सिंह मुपुत्र श्री अमर नाथ. निवासी—162-डी, कमला नगर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष्सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

प्रो० नं० एस-174, ग्रेंटर कैलाण-1, नई दिल्ली, एरिया 208 वर्गगण ।

> सुधीर अन्त्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 16-2-1984

परूप आई.टी.एन.एस., -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नुभीन सुमना

शारत सरकार

कार्यांनय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984 निदेश मं० आर्ष० ए० मी०/एक्यू०/1/एम-आर-3/6--83/548--अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धार्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० एम-11/47, है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून-1983,

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान ितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण लिसित में बास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावस, उक्त जिथितियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उत्तरी वचने में स्विधा के सिए; जरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योचनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए गा, छिपाने में स्पिश वे जिए;

वत अव. उकत अधिनियम की भारा 269-म की वनुसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निस्तिवित व्यक्तियों, मर्थात् :---- (1) श्री णियातेजा सिंह अवाक्रमानी सुपुत्र श्री तेजा सिंह नियासी—एम-2/47-लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश ऑप्. नरेश सुपुत्रगण श्री फतेहचन्द मेहता. निवासी'–सी~-2/25, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरितीः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वच्यीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, थी उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया हैं।

नन्स्ची

प्रो० नं० एम-2/47, लाजपत नगर, नई दिल्ली, एरिया-200 घर्गगज ।

सुष्रीर चन्त्रा सक्षम द्राधिकारी 'सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनाम : 2-2-1984

प्रकृप बाह्र .टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के अधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेण मं० आई० ए० मी:०/एक्यू०/1/एस-आर-3/6--83/553---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सी→53, है तथा जो आनन्द निकेतन. नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून-1983,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नुलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यं आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री धरम देव महाजन, निवासी:—-डी--60, लाजपत नगर-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) डा० ओ० बी० टंडन, निवासी—सी-55, आमन्द निकेतन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतंर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० सी०-- 55, आनन्द निकेतन,नई दिल्ली, तादादी--393. 70 वर्गगज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 10-2-1984

मुक्प काइ . टी . एन . एस . ------

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस-आर-3/6-83/770--अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 1-सी/138, है तथा जो लाजपत नगर, नई विल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून--1983,

को पृथा कत संपरित के उचित गाजार मृस्य से कम के दस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्परित का उचित गाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित मे गास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियुत्र, के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को लिए;

जतः जय, उक्त विधिनियम कौ भारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त विधिनियम को धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री सतीण कुमार मुपुत्र श्री गनपत राय, निवामी--1-मी/138, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फून देवी पत्नी श्री मोहन नान निवासी:--1/सी/138, नाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की धारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबद्धभ किसी बन्म व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सर्वोगे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, था ज्वस अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ध होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 1-पी/138, लाजपत्त नगर, नई विन्ती, एरिया तादादी \rightarrow 280 वर्गफीट ।

सुधीर **हैनन्द्रा,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्म (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 16-2-1984

प्रकपः भार्षः टी. एक्. एसः ----

मायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निवेश मे॰ आई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/1/एस-आर-3/6-83/616--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं मकान का भूमि है धौर जो ग्राम जोगाबाई, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण को जनुसरण जो, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अभीत् :---

- (1) श्री खियाली राम सुपुत श्री छज्जन, निवासी---ग्राम--जोगाबाई, नई दिल्ली । इारा अटार्नी अब्बुल हमीद रहमानी । (अन्तरक)
- (2) इस्लामिक अवाकनींग सेन्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली । धारा सचिव-अब्दुल कुदुस नकवी,

(अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान की भूमि तादादी 140 वर्गगण, खसरा नं० 161-मिन, आबादी--नाल डोरा, ग्राम-जोगा बाई, तहसील-महरौली, नई विल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 16-2-1984

प्रकृष वार्च . दी . एव . एव . ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूच्ना

भारत् बुडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निवेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०1/6/एस-आर-3/6-83/618--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अभिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो ग्राम-जागाबाई, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. दिनांक जन--1983,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नुस् प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निखिचित उद्धदेश्य से उक्त बन्तरण निम्निखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, सकत जिथितियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के सावित्य में कमी करने वा सबसे मुख्य में बृधियर के लिए; बॉट्/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों की, चिन्हां भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिये भा, स्थिनने में सुविधा के निह;

क्यः वयः, उक्त विधिनियमं की वारा 269-मं के वयुक्यरू वो., वी., उक्त विधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के वधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, वर्षात् :---

- श्री बावीज्ज्जामन सुपुत्र मोहम्मद सहद,
 निवासी—जामिया नगर, नई दिल्ली ।
 द्वारा अटार्नी मौलाना आणिक अली अंसारी ।
 (अन्तरक)
- (2) इस्लाभिक अधार्कानंग सेन्टर,
 8/1 जोगाबाई नई दिल्ली,
 जामिया नगर, नई दिल्ली,
 द्वारा प्रधान अब्बुल हमीद रहमानी ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति ही, नहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याव में दिसा वया ही।

नगुसुची

न तावादी 111 वर्गगज, खसरा नं० 111-मिन आबादी लालकारा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, मई दिल्ली-110002

विनांक : 16-2-1984

बोहर ः

प्रकृष भाषी, द्वाः एतः, एसः ----

नायकर मोभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सुचना

भारत सम्बार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) श्रजीन रेज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निवेश सं० भ्राई० ए० मी०/एक्यू०/ $1/\sqrt{v}$ $\sqrt{x}-3/6-83/619$ —श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्वरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उद्देषमों से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाब्त, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वजने में सुविधा के लिए; बार्/वा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिम्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

अतः। अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) कुमारी रूही नौशाबा सुपुत्री बादर श्रालम पत्नी एस० एम० रशीद नदीम श्रालम, सुपुत्र स्व० बादर श्रालम, निवासी—337सी/13, जामिया नगर, नई दिल्ली। बाटला हाउस द्वारा श्रटानी मौलाना स्नाशिक श्रली श्रसरी, निवासी—8/1, जोगाबाई नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) इस्लामिक श्रवाकिनग सेण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली द्वारा प्रधान श्रब्दुल हमीद रहमानी ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्चीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो जनत जिश्रीनयम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 111 वर्गगज, खसरा नं ० 161-मिन, ग्राबादी लालकोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण भर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-11000

दिनांक : 16-2-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज--1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं । श्राई । ए । सी । / एक्यू । / । / एस – श्रार – 3/6 ~ 83/620 — श्रतः मुझ, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जून—1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- (1) श्रीमती शाहजहांन बेगम पत्नी श्रब्दुल गफ्फार, निवासी—जामिया नगर, नई दिल्ली । द्वारा श्रटार्नी मौलाना ग्राणिक श्रली श्रसरी, मुपुत्र गुल हसन, निवासी—-8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली ।
- (2) इस्लामि प्रवाकानग सेण्टर, 8^{l} 1, जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा प्रधान ग्रब्दुल हमीद रहमानी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मकान का भूमि ताबादी 111 वर्गगण, खसरा नं० 161— मिन, ग्राम—जोगाश्राई, नई दिल्ली, श्राखादी लालडोरा, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 16-2-1984

त्ररूप शार्ड. टी. एन. एस.-----

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

अरत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, 110002, विनांक 16 फरवरी 1984 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-ग्रार-3/6-

83/624—म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० कृषि भूमि है सथा जो ग्राम—जोगाबारी, नई विल्ली में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के द्रियमान प्रिष्टिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तर्भ के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देश्य से उच्त बन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उत्तसे बच्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के शिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मियां मोहम्मद सुलतान सुपुत्र मियां ग्रब्दुल रशीद, निवासी——जामिया नगर, नई दिल्ली , द्वारा जनरल श्रदानीं डा० जाहिन्द हुसैन खान । (श्रन्तरक)
- (2) इस्लामिक श्रवाकर्तिंग सेण्टर. 8/1, जोगाबाई नई दिल्ली, द्वारा क्षेक्रटेरी श्रब्दूल कृद्दस नकत्री.

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकांगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

मकान सादावी 500 वर्ग गज, खसरा नं० 161-मिन, श्राबादी लालडोरा, भ्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा मक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज--1 दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनोक: 16-2-1984

प्ररूप पाइ . टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-11 0 0 0 2, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०3/6-83/ 654—श्रतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० खमरा न ० 161, है तथा जो जोगाबाई, नई दिल्ली में स्थिन है (ग्रीर इसमें उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) ,रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिश्चित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रोश्यात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिरिश्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे लस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने यों सविता के लिए; और/या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अभिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रच नहीं किया गण था या किया जाना भाहिए था. किएाने में सिविधा के लिए

- (1) श्री काजी मोहम्मद इस्लाम सुपुत्र काजि श्रब्बुल नईम, निवासी—2016 श्रहाता काले साहेब, बालीमारन, दिल्ली " हारा श्रटार्शी, मौलाना श्रब्दुल हमीद रहमानी सुपुत्र श्रब्दुल जबार, निवासी-54-ए, जाकिर नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) इस्लामिक ग्रवार्कानग सेण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली, ब्रारा मेक्ट० ग्राव्हल कुदुम नकवी,

(ग्रन्सिरती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप -~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पित में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्ध क्षोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुगूची

मकान भूमि तादादी 150 वर्गगज, ख्रसरा नं० 161-सिन, श्राबादी लालडोरा, ग्राम-जोगावाई, नई दिल्ली ।

> सुधीर घन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत अस उस्का अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ः--20--526GI/83

दिनांक . 16--2--1984

मोहर 😉

प्ररूप आईं टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (गिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—र्, नर्ष दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-श्रार-3/6-83/617—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचिन बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं प्रकान का भूमि है तथा जो ग्राम—जोगावाई— नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्णक्ष्प मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टेंक्ति सम्पित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अब्दुल हन्नान खान मुपुत्र हक्नुल मोविन खान, निवासी—ग्राम-जामिया नगर, नई दिल्ली, द्वारा श्रटार्नी मौलाना श्राणिक अली श्रमरी। (श्रन्तरक)
- (2) इस्लामिक श्रवाकिनग सेण्टर, 8/1 जोगाबाई, जामिया नगर, नई दिल्ली, द्वारा प्रधान श्रब्दुल हमीद रहमानी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों आर पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान की भूमि तादादी 111 वर्गगज, खसरा नं० 161-मिन, श्राबादी लालडोरा , ग्राम-जोगाग्राई, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–I, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनांक : 16-2-1984

मोहर 🕹

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-श्रार-3/6-83/655—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- , रु. में अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं खसरा नं 161 है तथा जो ग्राम जोगाबाई, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिलेयन के प्रधीत कर देने के ग्रन्तरक के वासिस्त्र में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) डा० काजि मोहम्मद ग्रहमद सुपुत्र काजि ग्रब्दुल नईम, निवासी—जासिया नगर, नई दिल्ली, द्वारा जी-ए-मीलाना ग्रब्दुल हमीद रहमानी सुपुत्र ग्रब्दुल जबार , निवासी 54-ए, जाकिर नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) इस्लामिक अवार्कानंग सेण्टर, 8/1, जोगाबाई नई दिल्ली, क्षारा सेक्टर अब्दुल कुदुस नकवी, (अ्त्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

बना हुआ मकान तादादी 130 वर्गगज, खसरा नं० 161 मिन, श्राबादी लालकोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक: 16-2-19834

प्रकथ बाहै, टी. एन. एस.-----

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार०-3/6-83/656-श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० खसरा नं० 161 है, तथा जो ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज्ञ ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्षोक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का बन्तर का अन्तरित का अन्तरित का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का बन्तरित से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उन्तर अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; बरि/या
- (क) एसी किसी आस या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

ज्तः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 260-घं की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन् :--

- (1) काजि मोहम्भद इस्लाम सुपुत्र काजि श्रब्दुल नलीम, निवासी—मकान नं० 2016, श्रहाता काले साहेत्र बालीमारन, दिल्ली , हारा श्रटानी मौलाना श्रब्दुल हमीद रहमानी सुपुत्र श्रब्दुल जबार, निवासी-54-ए, जाकिर नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) इस्लामिक अवाकित्य सेण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा सेक्ट० ग्रब्दुल कुदुस नकवी ।

(ग्रन्तरिती)

करे ग्रह स्थाना जारी करके प्यांक्ति संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से, 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी दू अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

भ्पष्ठीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

यना मकान तादादी---110 वर्गगज, खसरा न० 161-मिन, श्रवादी लालडोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी पं० 8-वी, है तथा जो ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्नी, में स्थित है (ग्रीर इपसे उगावद्ध श्रृतुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिप्ट्रीकर्भा ग्राधिकरी के कार्यालय, दिश्ती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री टंक चन्द सुपृत्न चतन, निवासो—-ग्राम—गोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा जेनरल श्रदार्नी ग्राशिक ग्रली ग्रसरी, (ग्रन्तरक)
- (2) इस्लामिक अवार्कानग सेण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

अभूसूची

मकान का भाग नं० 8-बी, तादादी 83 वर्गगज, खसर नं० 161 मिन, ग्राप जोगाबाई, नई दिल्ती. प्रायादी लालडोरा, नई दिल्ली ।

> सृधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-2-1984

मोहर .

प्ररूप माई.टी.एन.एस.-----

नायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायवत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० मो०/एक्यू०/1/एस०-आर--3/6-83/658---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 8/1 है तथा जो ग्राम-जोगाबाई नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपबाद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) प्रजिस्ट्रीकार्ता अधिकारी के व्ययक्षिय, दिल्ली, में भारतीय एजिन्ट्रोकरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती रिजया बेगम पत्नी मोहम्मद शरीफ खान, निवासी—ग्याम—गोगाबाई—8/1, नई दिल्ली , द्वारा अटार्नी अब्दुल कुदुस नक्ष्यी सुपुत्र मौलाना तकरीण अहमद, निवासी-9-ए, गफूर नगर, जामिया नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) इस्लामिक अवाक्तिंग सेण्टर, 8/1 जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा प्रधान मौलाना अब्दुल हमीद रहमानी । (अन्तरिती)

का सह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बना दुशं मनान प्नाट नं 8/1. नादादी 50 वर्गगण, खपरा नं 161-मिन, आबादी लालडोरा, ग्राम-जोगाबाई, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर धन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-[, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

गतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-→

दिनांक : 16-2-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं अर्ड ए० सी ०/एवसू०/1/एस०-आर०-७/ 6-83/659--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. में अधिक हैं

और जिसकी सं० 8/1, है तथा जो जागाबाई नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण क्य से विणित है), रिजन्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रजया बेगग पत्ती मोहम्मद सरीफ खात, निवासी—8/1, जागाबाई, नई दिल्ली, बारा अटार्नी अब्दुल कुदुस नकवी सुपुत्र मौलाना तकरीज अहमद, निवासी—9-ए, गकुर नगर, जामिया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) इस्लामिक अवार्कानग सेण्टर. 8/1, जोगाबाई नई दिल्ली, द्वारा प्रधान मौलाना अब्दुल हमिद रहमानी। (अन्तरिती)

को यह सृचना आरी करके पूर्वीक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित- दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

एक मकान का सिहस्सा प्लाट नं ० 8/1, तादादी 49 वर्गगज, खमरा नं ० 161 मिन. ग्राम-जोगावाई, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-2-1984

प्ररूप (ाइ², ट) एन, एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेण-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनाक 16 फरवरी 1984

निदेण सं० आई० ए० मी०/एक्यू०- 1/एम-आ२- 3/6-83/660--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने कि कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित सम्पत्ति 25,000/रुक्त से अधिक है

और जिसकी सं ० खमरा न०-16] मिन है तथा जो ग्राम जोगाबाई नई दिल्ली में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसर्वा में पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मल्य में क्षम के रुष्णान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाग्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या तत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, जिलाने दे सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) काजि मोहम्मद रस्लाम मुपूत काजि अब्दुल नईग, निरामी: 2016, अहातासाने साहब, वाली मारन, दिल्लो हारा अटानीं मौलाना अब्दुल हमीद रहमानी सुपूत अब्दुल जब्बार, निवासी: 54-ए, जाकिर नगर, नई दिल्ली । (अन्यरक)
- (2) इस्लामिक अवार्कानग सेण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली । द्वारा सेक्ट० अब्दुल कुदुस नकवी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यमहियां करता हु।

जक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोत्तस्नाक्षरी के पार सिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बना महान तादादी 130 वर्गगण, खमरा नं 161-मिन, आबादी लालडोरा, ग्राम-जोगाबाई नई दिल्ली।

मुधीप चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-I,दिल्ली,नहेदिल्ली-110002

दिनाक 16-2-1984 मोहर : पस्य जाम'.टां एव एव -- -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्मन रेज , नई दिल्ली।

नई दिल्ली-110002, दिनाक 16 फरवरी 1984

निदेश म० आई० ए० मी०/एक्यू/I/एस-आर-3/6-83/661--अनः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

प्रायकर प्रार्थितयम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ट प्रधितियम' कहा पथा है), की धारा 269-च के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क∙ से अधिक है

और जिसकी मं० खसरा न० 161 है, तथा जो अबादी लालडोरा जोगाबाई, नई दिन्नी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में। बिणा है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिस्ली, में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून,-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए भन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दुग्यमान गीतफल ने, (स १८) मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभाग से भ्रधिक है और मन्तरफ (भ्रम्नरकों) पीर अन्तरिता (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांग्रेन नहीं । करा गया ह क्ल

- (क) म्रस्तरण से हुई किसी मात्र की बाबत, उका आि नियम के असीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी बराया उसा बचने में स्विधा के लिए श्रीर/या
 - (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सबिधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21--52601/83

- (1) डा॰ व्यक्ति मोहम्मद अहमद सुपुत क्षाणि अध्वृत्त नर्हम, निवामी-- जामिया नगर, नई दिल्ला, द्रारा जीव एव-मौलाना अब्दुल हमिद रहमानी सुपुत्र अब्दुल जतार, विशामी---54-ए, जाविश नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) हम्लामिक अवैकितिग सेण्टर, 8/6, जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा अटार्नी सक्ट० अब्दल कुदुस नक्वी, (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इम् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्सची

वना हुआ मक्षान तादादी 110 वर्गगज, खमरा न० 161, मिन, ग्राम -जोगाबाई, नई दिल्ली, आबादी लालडोरा, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनाम : 16-2-1984

माहर .

प्ररूप आर्घः टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-श्रार-3/6-83/662--श्रतः मृझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रज्ञात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० भूमि है तथा जो ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुन-1983

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उचत अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 को १1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देशरा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के डन्सरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

- (2) इस्लामिक श्रवार्कानग सेण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा प्रधान मौलाना श्रब्दुल हमीद रहमानी । (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

मकान भूमि तादादी 120 वर्गगज, खसरा नं० 161 मिन, श्राबादी लालडोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजंन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 16 फरवरी 1984

निदेश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-ग्रार-3/6-83/663--श्रत मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राज्य सामिक हो

श्रीर जिसकी स० खमरा 161 मिन, है तथा जो जोगाबाई, नई दिल्ली, में स्थित ह (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण यिद्यानियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जून, 1983.

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह जिश्वाम करने का बारण है कि यथापूर्वाक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की तरा 269-घ की उपतारा (1) के अधीन, निर्मातिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) राम प्रसाद सुपुत्न श्री छज्जन, निवासी—प्राम—जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा ग्रटार्नी मौलाना ग्रणीक ग्रली ग्रसरी सुपुत्र गुल हगन । निवासी—8/1, जोगावाई नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) इस्लामिक स्रवाकितग मेण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा प्रधान मौलाना स्रव्दुल हमिद रहमानी । (प्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के निक् कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हिसबय्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरेंग।

स्पष्टीकरण -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

समसची

वना हुन्ना मकान तादादी 130 वर्गगज, खसरा न० 161 मिन, जोगावाई, नई दिल्ली, श्रावादी लालडोरा ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16-2-1984 गोहर ; प्ररूप आई. टी. एन.. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) भ्रजन रंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेण सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस-श्रार-3/6-83/664--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजर मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं 8-भी , है तथा जो ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रींर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप में विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन 1983,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह¹ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृतिथा को लिए;

(1) श्री टेक चन्द मृषुद्ध जलन निवासी—प्याम—जोगाबाई . नई दिल्ली द्वारा ग्रटानी ग्राणिक ग्रनी श्रसरी,

(ग्रन्तरक)

(2) इस्लामिक श्रवाकिनग सण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

एक हिस्सा मकान नं० 8-त्री, खसरा नं० 161-मिन, तादादी 85 वर्गगज, श्राबादी लालडोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई विल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1. दिल्ली, नई दिल्ली-1100002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 16-2-1984

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहार के आयंकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिन्ली, दिनाक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एसग्रार-3/6-83/665--ग्रत मुझे, मुधीर चन्द्रा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

र्था र जिसकी नर् 8-बी, है तथा जो जोगाबाई, नई दिल्ली में स्थित है (श्राँग इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से पूर्वच्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक जून 1983,

को पूर्विषस संपरित के उधित बाजार मृत्य से कम के सदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्त यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृशेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंटरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिगत निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित मे नाम्तियक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया निया था ना किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री टेक चन्द सुपुत्र चटन,निवासी—जोगाबाई, नई दिल्ली ,ब्रारा ग्रटानी श्राणिक ग्रली ग्रसरी ।

(भ्रन्तरक)

(2) इस्लामिक भ्रवाकानग सण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुषी

हिस्सा मकान न० 8-श्री, नादादी 80 वर्गगज, ख्रसरा नं० 161, ग्राबादी लालडोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज -1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 16-2-1984

माहर

प्ररूप आई, टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज.-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०एक्यू०/1/एस-श्रार-3/6-83/666—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 8-बी, है तथा जो प्राप्त जोगावाई, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्न-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) वन्तरण में हुई किसी अब कौ बाबत उपत लिप-नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/मा
- (व) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, वा कर अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वैहिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी। निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री टेक चन्द सुपुत्र श्री चटन, नियासी—-प्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली, अमर्गी श्री अम्बिक अली असरी,

(अन्तरक)

(2) इस्लामिक अवार्कान सण्टर 8/1, जोगाबाई नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करक पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान का भाग-8-त्री, तादाद 81 वर्गगज, खसरा नं० 161 मिन, आवादी लालडोरा, ग्राम-जोगावाई, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 16 फरवरी 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम-आर-3/6-83/ 667--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिमारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसा जीता वाहार म्ल्य 25,000/-क से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 8-बी, है तथा जो ग्राम जोगाबाई, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण नप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, दिनांक जून 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री टेप चन्द सुपुत्र चटन नित्रासी----ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली द्रारा अरानीं अ।णिय अली असरी,

(अन्तरकः)

(2) इस्लामिक अवाकितग सेण्टर, 8/1, जोगाबाई नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग, न० 8-बी, तादादी 95 वर्ग गज, खसरा न० 161-मिन, आबादी लालडोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 16-2-1984

पुरूपः आर्दः टी. एन. एस. - - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्मालय., सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांकः 16 फरवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/6-83/668--अतः मुझी, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 8-वी.है तथा जो ग्राम -जोगावाई, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अन्सूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधारिती देवारा पार जोगे फिला गण के पा विद्यान कर जीवा का जीवा का मिला के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री टेक चन्द मृपुत्र श्री घुटन, निवासी---ग्राम-जोगावाई, नई दिल्ली द्वारा अटार्नी श्री आणिक अली असरी । (अन्तरक)
- (2) इस्लामिक अवाकनिंग सेण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्सि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफोंगे।

स्थव्योकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स् ची

मकान का एक भाग---नं० 8-बी, तादादी 82 वर्गगज, खमरा नं० 161--मिन, आनादी लालडोग, ग्राम-जोगाबाई, नर्ड दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-[,दिल्ली,नईदिल्ली-110002

दिनांक : 16-2-1984

अस्य नार्के, डी., तुन्, पुष्, नार्कान

नायकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांसय, सष्टायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेण सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एसआर-3/6-83/669-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

"नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत् विधिनियम' कहा गया हैं). की धार्च 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृतित् जिसका उचित वाजार सृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी संव 8-बी, है तथा जो ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड अनुसूधी में पूर्वरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1983,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क न निम्नीसिकत उद्वेश्य से उक्त बन्तरण किवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया का हैं---

- (क) नल्दरण से हुई फिली नान की बाबत उपन निय-नियम के अभीन कर दोने के जल्दरक के दायित्व में कर्मी करने ना उपने न्याने में सुनिया के निये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 22—526GI/83 (1) श्री टेक चन्द सुपुत्र श्री चुटन, निवासी—जोगाबाई, नई दिल्ली द्वारा अटानीं, आशिक अली असरी।

(अन्तरक)

(2) इस्लामिक अवार्कानग सेण्टर, 8/1, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी बाक्सेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्मिक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिमित भे किए जा सकेग

स्पष्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग नं० 8-बी, तादादी 84 वर्गगज, खसरा नं० 161-मिन, आबादी लालडोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वनकि: 16-2-1984

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेण मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/6-83/670-- अनः मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान तं० 4, है तथा जो ग्राम-जोगावाई सई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च में पूर्वरूप से विज्ञात है) रिजर्ड़ी वर्ता अधिकारी के व यहि य दिल्ली, में रितीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिल नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्ही भारतीय आयळर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशिक्तार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब:, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बलवन्त सिंह सुपुत श्री खियाली राम, तिवासी———13-ग्राम—जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा अटार्नी अब्दुल कुदुम नकवी सुपुत तकरीज अहमद, तिवासी——9-ए, गफूर नगर, जामिया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) इस्लामिक अवाकित्य मेण्टर, 8/1, जोगाबाई, जामिया नगर, नई दिस्ति । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्र से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी : अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान का हिस्सा नं ० 4, तादादी 30 वर्गगज, खसरा नं ० 161 मिन, आबादी लालडोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिस्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज⊶I, दिल्ली, नई दिल्ली⊶110002

दिनांक : 16-2-1984

मोहर 🤢

प्रकृष नार्षः टी. एन . एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीम सूचना

शाउँ ब्रुक्त

कार्यालय**, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज—[, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस—आर-3/6— . ≉3/671—-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य, 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० मकान नं ० 4, है तथा जो ग्राम-जोगाबाई नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए बंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से, एसे दश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय नय पाया गया प्रतिफान निम्निनिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिचित में बास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क्ष्) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दावित्य में कनी करने या उक्तते वचने में सुविधा के तिब्द; बीट्ट/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना आहिए जा, जियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्न अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :——

- (1) श्रो वलवन्त सिंह सुपुत श्री खियालीराम, निवासी—13-ग्राम—जोगाबाई, नई दिल्ली द्वाराअटानी अब्दुल कुदुस नकवी सुपुत्र तकरीज अहमद निवासी—9-ए, गक्र नगर नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) इस्लामिक अवाकतिंग सेग्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा प्रधान अब्दुल हमीद रहमानी । (अन्तरिती)

को यह स्मना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब हे 45 दिन के भीतर बक्त स्थावृद सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताका<u>री</u> के पाब् निवित में किए वा सकोंने !

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां जौर पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

मकान नं० 4, तादादी, 25-वर्गगज, खसरा नं० 161-मिन, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली, आबादी लालडोरा, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनक : 16-2-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन तुक्ता

भारत संदुकार

शांधित्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-3/6-83/672-- अतः मुझे, सुधीर चन्द्राः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रू. सं अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 4, है तथा जो ग्राम—जोगाब।ई नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णक्ष स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारती रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जन 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिक कर निम्नसिश्चित उष्दिय से उक्त अन्तरण निम्नसिश्चित उष्टिय से उक्त अन्तरण निष्य से अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन था जन्य आस्तिकों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनसरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बलवन्त सिंह सुपुत्र श्री खियाली राम, निवासी—-13—जोगावाई, नई दिल्ली द्वारा अटार्नी अब्दुल कुदुस नकवी सुपुत्र तकरीज अहमद, निवासी—-9-ए, गफूर नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) इस्लामिक अवाकिनग संख्यः, 8/1, जोगावाई, नई दिल्ली, द्वारा प्रधान अञ्चल हमीद रहमानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नग्स्ची

म हान नं० 4, तादादी 25 वर्गगज, खसरा नं० 161-मिन, ग्राम-जोगाबाई, आबादी-लालडोरा, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,दिल्ली,नईदिल्ली-110002

दिनांक: 16-2-1984

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-3/6-83/673--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 8/1, है तथा जो ग्राम—जोगाबाई, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए का गया गया प्रतिक कल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब उकत सिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित स्पिक्तसों, सर्थात् डाः • (1) श्रोमती रजिया बेगम पत्नी मोहम्मद शरीफ खान, नियासी——8/1 जोगाबाई, नई दिल्ली दारा अटानी अब्दुलकुदुम नकबी, सुपुत्र मौलाना तकरीज अहमद निवासी——9 -ए, गफूर नगर, जामिया नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरकः)

(2) इस्लामिक अवार्कानंग सेन्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली, बारा अटार्नी मौलाना अब्दुल हमीद रहमानी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मकान का भाग प्लाट भूमि नं० 8/1, तादादी 51 वगगज, खसरा नं० 161—मिन, ग्राम—जोगाबाई, नई दिल्ली, आबादी लालडोरा ।

> सुधीरचन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 16-2-1984

मोह्नर 🛭

प्ररूप आद्दं. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई सिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश म'० आई० ए० सी०/एस्यू०/1/एस-आर-3/6-83/674--अतः मुझे, सुधीर घन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8, है तथा जो ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्वरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुदं िकसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सुप्रीव यादव सुपुत्त राम प्रसाद, निवासी——ग्राम—जोगाबाई, नईदिल्ली, हारा अटार्नी अब्दुलकुदुसवीरीज अहमद, निवासी 9-ए, गफ्र नग दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) इस्लामिक अवाकतिंग सेण्टर, 8/1, जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा प्रधान –अब्दुल हमीद, रहमानी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग नं० 8, तादादी 60 वर्गगज, खसरा नं० 161-मिन, आबादी जालडोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

बिनांक : 16-2-1984

मोहर 🚁

प्रकप बादां. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

नई दिल्ली, दिनांक 16फरवरी 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी॰/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 6-83/675,—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थादर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 8, है तथा जो ग्राम जोगबाई, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उग्बाद्ध अनूमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीद जुन 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तर्य से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बाँद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री सुगरीत यादव सुपुत श्री राम प्रसाद, निवासी जोगाबाई, नई दिल्लीर द्वारा अब्दुल कुदुम नकवी

(अन्तरक)

(2) श्री इस्लामिक आवक्तींग सेन्टर, 8/1, जोगावाई. जामिया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृवर्षित सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्तित व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्बोस्त में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए जा सकेंगे।

स्युध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सकत बीभिनियम, के संभ्याय 20 का में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्थी

हिस्से मकान नं० 8, तादादी 70 वर्गगण, खासरा नं० 161 मिन, आबादी, लालडोरा, नई दिल्ली, ग्राम जोगाबाई नई दिल्ली।

> सुधीर चन्ना सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-2-84

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली दिनोक 16फरवरी 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी ०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 6-83/676-अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं ० 8 है तथा जो ग्राम जोगाबाई. नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूस्की में पूर्व रूप से विणित हैं,) रिजिस्ट्रीवर्सा अधिवार्स के वार्याकथ दिल्ली, में भारतीय रिजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1608 (1608 का 16) के अधीन तारीख 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, एसे द्वर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तर्सिक्त उद्देश्य से उक्त सम्बर्ण लिखित में बाम्निक क्यं से क्षित नहीं किया गया है:---

- (स) अन्तरण से तुई जिसो मान की बाबत चनत प्रक्षि-निवस के संजीत कर देने के धन्तरक के वावित्व में कमी करने या चन्नसे बचने में सुविधा के विष्। सीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधितयों, वर्षात :—— (1) सुग्रीय यादव सुपुत श्री राम प्रसाद, निवासी ग्राम जोगाबाई, नई दिल्ली, द्वारा अटानी अब्दुल कुटुस नक्ष्यो सुपुत श्री तकरीज अहमद, निवासी 9 ए, गफुर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्री इस्लामिक अवाकनीम सेटर, 8/1, ग्राम जोगा-बाई, नई दिल्ली।

(अन्तरिप्ती)

को यह सूचना जारी करके पृषाकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनं की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वायत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कार्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग नं० 8, खसरा नं 161-मिन, आवादी लालडोरा, ग्राम-जोगाबाई, नई दिल्ली, सादादी 50 वर्गगण।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**खः: 16-2-8**4

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा (199-ध (1) के अभीत राचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनाक 2फरवरी 1984 निर्देण मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० आर० 3/ 6-83/559---अतः, मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतवारी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 16) के अधीन नारीक जून 1983।

को पूर्णिक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण कि खित में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है ---

- (काँ) जन्तरण है हुई किसी जाय की बाबत उकत अधि-नियम को नधीन कर दोने के अन्तरक को दाबित्य में कमी करने या उससे तचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्याए प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपार में सविधा के लिए;

(1) मैं अंसा राउसीम एण्ड इस्टेटस प्रा० लि० 115 असल भन्नस, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरम)

(2) श्रीमती सरोज देवी पत्नी श्री तेज राम, नियासी-ई० डी०-68 टैगोर गार्डेन नई दिल्ली।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो., के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, घही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तासादी 12 बिघे और 7 विग्ने, **खस**रा नं० 515/2 मिन (1-00) 530/2 (208), 535 (4-16), और 536 मिन (4-03) ग्राम सतबारी तहसील [महरौली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, दिल्ली,नईदिल्ली-110002

अत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 23—526G1/83

नारीखा. 2-2-84

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक क्षायकर क्षायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक' 2 फरवरी 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस०-आर०-3/ 6-83/560--अन:, मझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सम्नतारी, तहनील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनूस्ची में पूर्व रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1987,

को पर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गड़ हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिचित में हास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खब्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग **के अन्सरण** मों, मों, डाक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उपधारा (1)** को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :--- (1) मैं । मनोहर लाल असी एण्ड कं । नं 279, मस्भिद्र मठ, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरीन्दर सिंह खेरा, सृपृत्न एस० विसर सिह खेरा निवासी डी-28, एन० डी० एस० ई०-2 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हूँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

भनसर्ची

कृषि भूमि तादादी 11 बिघे और 10 बिग्वे खसरा गं० 693/1 (1-05), 693/2 (1-05), 693/3 (1-14), 693/4 (0-12), 694(4-16), और 695 (1-18) ग्राम सनबारी, तहसील महरौली नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली,नई दिल्ली 110002।

मारीख: 2-2-84

मोहरः

त्रुक्त नार्द्, टी. एव. एक्.----

जायकर आधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/6-83/561—अतः, मुझे, सृक्षीर चन्द्र ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

- और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतबारी, तहसील महरौली, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व का में विणित है (रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालया, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख जून 1983।
 - को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक क्ष
 - (क) जन्तरण से हुई किसी नाथ की बाबत अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जीर-पंता
 - (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत. जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैं० मनोहर लाल अन्नी एण्ड कं० नं० 279, मस्जीद मठ. नई दिल्ली

(ग्रत्तरक)

(2) श्रीमती एस० वर्साई पत्नी श्री सैयद वर्साई, मार्फत श्री आर० चत्द, निवासी-जी-7, एन० डी० एस० आई-2, नई दिल्ली।

(गन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन् के निष् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बर्बीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की बामील से 30 दिन की बबीध, जो भी बदीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित बही पर्य होगा जो उप श्रध्याय में दिया वशा है।

प्रमुसूची

कृषि भूमि तादादी-9 विधे और 10 बिस्वे, खसरा नं० 326 (1-19), 330 (1-18), 339 (1-12), 341/1 थमन (2-14), 341/2 मिग (1-07), ग्राम सतबारी, तहसील महरौली नई दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 2-2-84 मोहर:

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस . ------

ंगायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन सूमना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3 6-83/558--अत: मुझे, सुधीर चन्द्र.

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रांक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतवारी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रह्यमान प्रतिफल से एमें इह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनम अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० अंसल हाउसीग एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि० 115 अंसन भवत, 16-के० जो० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्स्कः)

(2) मैं० ट्रैन्ड सटर अपरारत्स प्रा० लि० बी-76, आंखला इन्डस्ट्रीयल इस्टेट्स भाग-2, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृथीकत सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

नग्ल्यी

कृषि भूमि तादादी 7 विषे और 17 **विष्वे, ख**सरा नं० 664 मिन (4003), और 662/2 (3.14), ग्राम-सतवारी,, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज-1, दिल्ली,नईदिल्ली-110002।

तारीख 2-2-84 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०/आर०-3/ 6-83/556—≔अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतवारी, तहसील महरीली नई दिल्ली में स्थित है (और उससे उपाबक्क अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकिसी अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकिसण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983। को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिकान में अधिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अन्तिरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सस्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) मैं० अंसल हाउसींग एण्ड इस्टेंट्स प्रा० लि० 115 अंसल भवत, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रा एच० के० कपुर मृपुत्र स्व० श्री ठाकुर दास, कपुर, मास्टर राजीव कपुर सुपुत्र श्री एच० के० कपुर, निवासी-सी० 12, ग्रेटर केलास-1, नई दिस्ति।

का प्रह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि तदादी 7 बिघे और 17 बिघे खसरा न० 663/2 (3-14): और 667 मिन बेस्ट (4-03), ग्राम सतवारी तहमील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्त्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्ज्ञ≅रज-1, दिल्ली,नईदिल्ली~110002

नारीचा 10-2-84

मोहर 🥫

प्ररूप् बाइ . टी. एन. एस्. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई दिल्ली नई दिल्ली. दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/एस०-आर०-3/6-83/557--अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

भायकर मृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतवारी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 83।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रित्यत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित है वास्तिक रूप से किया गया है:-~

- (क) ज्लारण से हुई किसी आम की बाबत, उसत जिभितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विभा के सिए;

- (1) मैं० अंसल हाउसीण एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के०जी० मार्ग, नई दिल्ली। (प्रन्तरक)
- (2) श्री रामजी भरनी सुपुत्र श्री सी० एस० भरनी, निवामी-14-सुन्दर नगर मार्केट, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

नत्रे यह सूभना जारी करके पूर्वोक्स संम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में को इं भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के प्राप्त लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 13 विषे और 15 बिण्वे, खसरा नं० 531 (4-16), 534 (4-16) और 537 मिन वेस्ट (4-03), ग्राम सतवबारी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अतिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षीण) अर्जनरेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख : 10-2-1984

मोहर:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अधीन :──

ł

प्रस्प आहाँ, टी. एम. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०1/एस० आर०-3/6-83/625, अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतवारी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1968 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983

को प्वांचित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियां) के भीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उचक अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैं अंमत हाउसिंग एण्ड इस्टेट्स प्रार्शन । 115 अंसन भवन, 16-के अी० गर्ग, नई दिल्ली ।
- (2) श्री एन० के० उपुर मुपुत्र स्व० थी। ठाकुर दास कपूर, सास्टर राजीव कपूर अभिभावक श्री एच० के कपूर, नियासी सी-12, प्रेटर कैनाण-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस स्चना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, के उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया ग्या है।

नगत्त्रजी

कृषि भूमि तादादी 6 विधे और 3 विश्वे खसरा नं० 669 मित (4-03), और 668/2 (2-00), ग्राम——सतवारी, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 10-2-84 मोहर:

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 10 फरवरी 1984

नहीं दल्ली, दिनाव 10 फरवरी 1984

निर्वेश 1 ं० आई० ए० सी ०/एक्यू /1/एस० आर०-3/6-83/623,—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात जिक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नई विल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी केकार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983।

को प्वाँक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मूल्य उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्य में कमी करने या उससे अजने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री ओम प्रकाश संगवान सुपुत्र श्री आर० एन० संगवान, निवासी-45-आनन्द पर्वत, नर्छ दिरुखी (अन्तरक)
- (2) श्री गुरबीर सिंह मुपुत्र पुरत सिंह, निवासी एत-30 जंगपुरा नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ल) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वष्टोकरण:--इसमं प्रयक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

मनतची

मकान तादादी 375 वर्गगज, खसरा नं० 553, अबादी लालडोरा ग्राम-देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्र। सक्षम अधिकारी

महायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भज़ेन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 10-2-84

मोहर:

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कप्रयस्तिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० 1 /एस० आर-3 6-83/622—यतः मुझे, सुधीर चन्त्रा ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√- रु. से अधिक है

अगेर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्रा वेबली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूव रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारउख जून 1983।

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिश्वित्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सृविधा के सिए;

- (1) श्री सुरत सिंह संगवान सुपुत्र श्री आर० एन० संगवान निवासी 45 आनन्द पर्यत, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री पुरन सिंह मदन सुपुत्र श्री दयाल सिंह, निवासी एन-3, जंगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कश्री बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मनुस्धी

मकान तादावी भूमि 375 वर्गगज, खसरा न० 553, ग्राम देवली, सहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रां सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, विरुली, नई विरुली-110002

तारीख 10-2-84 मोहर ः प्ररूप आई¹. टी. एनं. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/1/एस० आर०-3/6 83/725—-यन: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापुर, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनूसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कामिलय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जून 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा की लिए:

- (1) श्री काल, सुपुतं स्व० श्री मिश्री, निकासी गाम जौनपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री वेद प्रकाम साहनी सुपुत्र श्री दिवान चन्व साहनी, और श्रीमती उमा शाहनी पत्नी श्री वेद प्रकाम साहनी, निवासी 34, लाजपत नगर नई दिल्ली।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 '
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृक्ष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि

स्पद्धक्तिरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगसची

कृषि भूमि तादादी रेक्टेंगल नं० 9, खसणा नं० 15, खाता नं० 15 (4-16), ग्राम जॉनपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख 10-2-84 मोहर : प्रक्य आहे. टी. एन्. एस . ------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्ज रेंज, नई निल्ली मई विल्ली, दिनांक 10फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 6-83 724--यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के सिए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया चाना चाहिये था, जिन्माने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) मैं अभीन, निम्निजिति अक्तियों, अर्थात् ∷— (1) श्री कालु सुपुत्र स्व०श्री मिश्री, निवासी ग्राम जोनपुर, नर्श दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश साहनी और श्रीमती उषा सहानी पत्नी श्री वेद प्रकाश साहनी

(अन्तरिती)

निवासीं-34, लाजपत नगर नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थानता में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मा किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

कृषि भूमि तादादी 4 विधे और 9 विश्वे, रेक्टगल नं० 9, खाता नं० 15 खसरा नं० 25 ग्राम जौनापुर, नई दिस्सी

> सुधीर चन्द्रा सक्षम (अधिकारी) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-, दिल्ली,निर्देदिल्ली-110002।

तारीख 10-2-84 मोहर:

प्रकल काइ ै हो , एव . एस् ,---:----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, न**ई** दिल्ली न**ई** दिल्ली दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं अार ए० सी० /एक्यू० 1/एस० आर० 2 6-83/723—यतः मुझे सुधीर चन्द्र ,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूषि है तथा जो ग्राम जौनपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली, में स्थित हैं है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीव रिजस्ट्रीकरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहे/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य वास्तिया की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कालू सुपुत श्री० मिश्री, निवासी ग्राम जीनापर महरौली, नई दिल्ली।

(ग्रस्तस्क)

(2) श्री वेद प्रकाश सहानी सुपुत्र श्री दिवान चन्द साहनी श्रीमती उषा साहनी पत्नी श्री वेद प्रकाश साहमी निवासी-34, लाजपत नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिंध, जो भी जनिंध नांध में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

वनसूची

कृषि भूमि रेक्टेंगल नं० 9, खाता न० 15, खसरा नं० 16, तादाधी 4 बिधे और 16 बिश्वे, ग्राम जौनपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

तारीख 10·2-84 मोहर : प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सःरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्धेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०1 /एस आर०-3/6-83/726—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जीनपुर नई विल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री कालु सुपुक्त स्व० श्री मिश्री, निवासी ग्राम जौनपुर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बेद प्रकाश सहानी सुपुत्र श्री विवान चन्द साहनी, श्रीमती उषा साहनी, पत्नी श्री बेद प्रकाश साहनी निवासी 34 लाजपत नगर-111, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

कृषि भूमि खसरा /खार नं० 11/1/1 (1-01), और खसरा नं० 11/1/2 नं० 15, खाता नं० 162-1-01), रेक्टेंगल नं० 8, ग्राम जौनपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1 दिल्ली, नहीं दिल्ली-110002 ।

तारीख 10-2-84 मोहर : प्ररूप माइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

ं भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नईदिल्ली,दिनांक 10फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/6-83/705—-यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनपुर, तहसील महरौली, नई विल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबख अनुभूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिहद्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के साबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उग्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भुले सुपुत श्री सकता, निवासी ग्राम जौनपुर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अगोक वर्मा सुपुत्र श्री आर० पी० वर्मा, निवासी-28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, श्री कनेग खुलर सुपुत्र श्री के० के० खुलर, निवासी सी-4/13, सफवरजंग डेवलपेट एरीया, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोइ भा आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 विधे अर 15 शिवे, मुस्तातील नठ० 64, किला उठ० 11 (4-16), 12 (2व19), ग्राम जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिग्ली।

सु**धीर चन्द्रा** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अज न रोज-I दिरुली,नई दिल्ली~110021

तारीख: 10-2-84

मोहर 🌣

प्रकथ थाइ. टी. एन. एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई विस्ली, विनांक 10 फरवरी 1984

निवर्ष सं ० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आए० 3/6-83/614--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली, में स्थित (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के नार्योजय दिल्लों में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिफल, निम्नसिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तिक इस से किन्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सूपिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपिस्तर्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो नेकी, लर्खी, सुपुत्र श्री रघवीर, श्रीमती सरूपी सुपुर्वा श्री रघवीर, टेका सुपुत्र श्री राम चन्द, दुलि, बाली सुपुत्रगण श्री लाल सिह, निवासी ग्राम डेरा मंडी, तर्द दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण चन्द चोथराम दरीयानी सुपुन्न श्री चोथराम दरीयानी, मार्फत आर० डी० चन्द्रा, निवासी 13-डी, पाकेट 'एच' डी० डी० ए.० मेल्फ फाइनेन्सींग स्कीम, माकेत, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास किसी में किए जा सकेंगे।

•बच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियभ के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 विषे और 16 बिखे, एम० नं० 56, किला नं० 15, ग्राम डेरा मंडी, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख - 10-2-84 मोहरः अरूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० 3/6-83/615—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री नेकी, लखी सुपुत्तगण श्री रघबीर, श्रीमती सरूपी सुपुत्री रघबीर, श्री टेका सुपुत्र श्री राम चन्द, दुलो, बाली सुपुत्रगण श्री लाल सिंह, निवासी ग्रांम डेरा मंडी, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्री कृष्ण चन्द भीथराम दरीयामी सुपुत्र श्री चौथराम दरीयानी, मार्फत आर० डी० चन्द्रा, निवासी 13-डी, पाकेट-'एच' डी० डी० ए० सेल्फ फाइनॉर्सिंग स्कीम, सौकेत नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीः व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संस्थित में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगैं।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूजन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 विधे और 14 विश्वे एम० नं० 56, किला नं० 14, ग्राम डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारीख: 10-2-84

मोहर 🖫

प्रकप आहुँ. टी. एन. एस्.-----

अग़यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नईदिल्ली
नईदिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी० /एस्यू० 1/एस० आर०-3 6/83/690--यतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पष्णात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम फतेहपुर बेरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन तारीख जून 1983।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल को सिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरक्त्रें) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पंद्रह कि निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सविधा के लिए;

अतः अवः. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 25—526G1/83 (1) श्री छाजू सुपुत श्री झन्डू, अजाद सुपुती श्री जिलन रामफल, धनपाल, गिरीराज, रिचा राम सुपुत-गण श्री राम फल, निवासी ग्राम फलेहपुर बेरी, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्री केवल कृष्ण कोचर सुपुत्र मुक्कन्व लाल कोचर, निवासी 84. आनन्द लोक, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ६वरों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 विधे और ९ विध्वे, खमरा नं० 988, ग्राम फतेह्रपुर बेरी, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-2-84

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

श्रीभित्यम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यात्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज नई-1 दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू० 11/एस० आर-111/6/83/706---यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर जिथितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के जिथीन सक्षम पाधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983।

को पृथा कि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सो, एक रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण संहुई किसी बायकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

जतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् ६—— (1) श्री प्रभू मुपुत्र श्री गरीया, (5/6 भागी) श्रीमती सक्षी पत्नी श्री हरीया (1/6 भाग) ग्राम आया नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं । नवरंग कर्मासयल कंश्रा० लि० 219 चितरंजन एवन्यू कलकत्ता।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदय्यारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तमों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी अयिकत बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उच्न स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास-्ं लिखित में किए बा सकेंगे।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्यों और पदों का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

मन्सूची

कृष्णि भूमि तादादी 4 बिधे और 16 बिश्वे, खसरा नं० 1636, ग्राम आया नगर, तहसील महरौली नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्र। सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-१ दिल्ली नईदिल्ली –10002

तारीख: 10-2-1984

माहर 🛭

प्ररूप भाइ . टी . एन् . एस . ------

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सृ**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1.नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० आर-3/6-83/707--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसको संख्या ऋषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीमर्ना अधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतौरतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किय। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अक्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण कों, मीं, उपल अधिनियम की भारा 269-घ की उपपार्थ (1) कों अभीन, भाम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात ५---- (1) श्री प्रभु सुपुत्र श्री हरीया, (2/3 हिस्से) सरूपी पत्नी श्री हरीया (1/3 हिस्से) ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० नवरंग कमसियल कं० प्रा० लि० 219 चितरजन एवन्यू, कलकसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्यक्ति सम्पन्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (पा) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबल्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि तादावी 4 बिधे और 16 विश्वे, खसरा नं० 1632. ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

> सुबीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन नेज-I, दिल्ली, नर्ष दिल्ली 110002

तारीख: 10-2-84

मोहार 🖔

प्रकाप काई. टी. एन्. एस. ---

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, तई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 10फरवरी 1984

निर्देश स० आई० ए० सी० /एस्यू० /1/एस० आर-3/6-83/745—-यत मुझे सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अधिक है

और जिसको सख्या कृषि भूमि है तथा जा ग्राम विवजवाणन है, नई दिल्लो, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूमूची में पूर्ण रूप में विजन है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख जून, 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में की करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 दा 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरी देवारा प्रवट सही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ^, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री जय नरायण सुपुन्न श्री शकर, निवासी ग्राम और पास्ट बिजवाणन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमिला देवी पर्न्ता श्री प्रहस्ताद राय, निवासी मकान न० 4061, तथा बाजार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्या करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्**वींक्त** व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) ३ म सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कि पास लिखित में किए जा सक्ता।

स्पच्छीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्तु अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय माजिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 500 वर्गगज (10 विषये) खभरा न० 437, अद्यादी लालडोरा, ग्राम और पोस्ट, बिजवाशन, तहसील महरौली नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्र। सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज 1 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारी**ख** 10-2-84 माहर प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

नायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/I/एस० आ४०-3/ 6-83/555—अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या खसरानं 352/2, है तथा जो प्राम्म बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में पूर्ण रूप में बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जन 1983।

को पूर्वोक्त संपित के उषित बाजार मून्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल मां, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अश्ला चाहिए था किया में सुविधा के सिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:—— (1) श्री नरेश कुमार जन, कर्त्ता जे० के० जैन एण्ड सन्स (एच० यु० एफ०) 1242/2, जैन भवन, रंग महल, दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) मैं० चिरावा इनवेस्टमेंट लि० आत्मा राम हाउस टालल्स्टाय मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

सबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्द्ध भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब बें 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी क्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वों कर् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (च) इस स्पृना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उच्य स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहै।

अनुसूची

खसरा नं० 352/2 ग्राम बिजवाणन, तहसील महरौली नई दिल्ली।

> सुधोर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अजनरेज-[, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-2-1984

मोहर:

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज नई दिल्ली नईदिल्ली,दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्वेण मं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर० 3/ 6-83/566—-अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जुन 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिथित में बारसिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोप-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात हास्स (1) श्री वेवी सिंह सुपुत्र श्री राम सरूप निवासी ग्राम बिजवाणन, तहसील महरौली नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जुग लाल सुपुत्र श्री प्रभू और श्रीमती प्यारी पत्नी श्री जुग लाल, निवासी ग्राम बिजवाणन, तहसील महरीली नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाका करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्यौं

कृषि भूमि नादादी 2 बीधे और 1 बिण्ये, खसरा नं० 502, खाता नं० 266, ग्राम बिजवाणन, तहसील महरौली नई विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज-1,दिल्ली नईदिल्ली 110002

तारी**ख** 10-2-84

मोहर:

प्रक्रम बाह्य ही एन एस

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन सृचना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई चिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 फररी 1984

निर्देण म'० आई० ए० मी०/एक्यू०/ /एम० आर०-3/6-83/761—- श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में रूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 84।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त विभिनिषय के वर्षीय कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिध्; वर्षर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—3 (1) श्री महेण कुमार जैन निवासी 1242/2,
 जैन भवन, रंग महल, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० चिरावा इनस्टमेंट लि० आमा राम हाउस, जटालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध मों कोडी भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थासितयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अनेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 563 (0-9) 564 (0-11), ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा दिल्ली, नई दिल्ली-110002,

नारीख 10-2-84 मोहर: प्रकर्प आहें.टी.एन्.एस् .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरक्षिण) अर्जन रेंज 4 बम्बई बम्बई दिनांक 10 फरवरी 1984

निर्देश मं० आर्ड०-4/3 7ई र्ड/2 459/8 3-84---अतः मुझे विषय रंजन

नायकर निर्मानम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लाट नं० एफ०/13. 3री मंझिल. सौईबाबा धाम, बिल्डिंग, आफ एस० ब्लिल रोड. बोरीक्ली पश्चिम, बम्बई-92 में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनूमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है। रिजट्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 260 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 14-6-83

को पृथा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स अभग इंटरनैणनल

(अन्तरक)

(2) श्री रमेणकुमार शंकरलाल चमाडिया

(अन्तरिती)

(3) अन्सरक

(बहुव्यक्ति, जिसके में ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्भव्यक्रिरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलाट नं० एफ०/13, 3री मंजिल, 'साईबाबा धाम बिल्डिंग आंफ एम० व्हिं० रोड, बोरीबली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित।

अनुसूची जैसाकि कम सं० आई-4 /2459/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वितय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनोक: 10-2-1984

मोहर 🖫

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 20th March 1984

No. F.22/84/SCA(G).—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966, (as amended), and in partial modification of the Notification of even number dated 28th November, 1983, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that Friday, the 13th April, 1984 shall be observed as a Court holiday on account of Mahavir Jayanti, instead of Saturday the 14th April, 1984.

By Order
R. NARASIMHAN
Registrar (Admn.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd March 1984

No. A. 32014/2/84-Admn-I.—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis of or the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier:—

SI. No.	Name		 Periods	Remark	3
1. S i	ri T. R. Sharma		to	Against term vaca	long ncy.
2. Sh	ari Sham Parkash		12-5-84 8-2-84 to	Against r	egular
3. S f	nri H. O. Madan	•	7-5-84 13-2-84 to	Do.	
4. SI	nri V. P. Mahajan		12-5-84 22-2-84 to	Do.	
			21-5-84		

- 2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade.
- 3. Their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel and Administrative Reforms.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th March 1984

No. A-22020/71/80-AD.III.—Consequent upon his promotion on ad hoc basis to the post of Stenographer Grade 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-800-EB-40-920-40-1040. Shri Sugnomal has taken over charge of the post of Sr. P.A. (Grade 'B' Stenographer) in the CBI with effect from 1-3-1984 (F.N.)

DWARKA NATH Supdt, of Police (HQ) CBI/HO New Delhi, the 3th March 1984

No. A-19035/2/82-AD.V.—Shri Mohan Lal, Crime Assistant, Central Burcau of Investigation is appointed to officiate as Office Superintendent, in CBI with effect from the afternoon of 29th February, 1984 until further orders.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 6th March 1984

No. O.II-924/72-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri I. M. Varghese relinquished the charge of the post of Dy. S.P., 45 Bn., CRPF in the afternoon of 29-2-1984.

The 8th March 1984

No. O.II-501/69-Estt.—Shri Balwant Singh Azad, Assistant Commandant of the CRPF has dropped his surname 'AZAD' after completion of due formalities. Accordingly surname 'AZAD' of the officer is deleted from all official records of the CRPF.

A. K. SURI Assistant Director (Estl.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 2nd March 1984

No. E-16016(3)/1/84-Pers.—On transfer on deputation from the office of Controller General of Accounts, Ministry of Finance, Department of Expenditure, Khan Market, New Delhi, Shri R. C. S. Negi, has assumed the charge of the post of Accounts Officer in the Directorate General, Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the forenoon of 6th February, 1984.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 8th March 1984

No. 11/11/82-Ad.I.—The President is pleased to extend the period of *ad-hoc* appointment of the undermentioned Investigators as Assistant Directors of Census Operations (Technical) in the offices as mentioned against their names, for a further periodupto the 29th February, 1984 or till the posts are filled in on a regular basis, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name of the Off	lcer		Office in which working
1	2			3
1. Sh	ri Babu Lal			RG's Office, New Delhi
2. Sh	ri R. S. Meona .			DCO Rajasthan, Jaipur
3. Sh	ri A. G. Bhaskaran			DCO, Tamil Nadu, Madras
4. Sh	rl H. K. B. Singh			DCO, Manipur, Impha
	ri V. Gangarajan			DCO, Tamil Nadu, Madras
	ri A. K. Paul	•	•	DCO, Arunachal Pradesh, Shillong.
7. Sh	ri R. P. Bhatnagar	•		DCO, Haryana, Chandi garh.
8. S h	ri Karan Singh			DCO, Punjab, Chandi-
9. Sh	ri V. V. S. Shastri			RG's Office, New Delhi
	ri C.S. Bose .			DCO, Andhra Pradesh Hyderabad.
11. Sh	ri V. Y. Joshi	•		DCO, Maharashtra Bombay.

	3
	DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.
1-I .	 DCO, Kerala, Tıvandrum. DCO, Sikkim, Gangtok. DCO, Orissa, Bhubaneswar.
	-

2. The above mentioned ad-hoc appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appoint ment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent Authority without assigning any reason thereof.

The 9th March, 1984

No. 10/16/82-Ad. I (Vol. II).—The President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the under-mentioned Investigators (Social Studies) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Research Officer (Social Studies) in the same office upto the 30th June, 1984 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever is earlier, on the existing terms and conditions:

S. Name of Officer No.		 	Headquarters	
1. :	Shrl C. Chakravorty	•	New Delhi	
2. :	Shrl Rajendra Prasad		New Delhi	
3. :	Shri Charan Singh		New Delhi	
4.	Smt. Suman Parashar		New Delhi	

2. The above mentioned ad-hoc appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the post of Research Officer (Social Studies). The services rendered by them on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of senioirty in the Grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the Competent Authority without assigning any reason therefor.

The 12th March 1984

No. 11/50/80-Ad.I.—In continuation of this office's Notification of even number dated the 18th August, 1983, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment, on deputation, of Shri M. M. Dua, Deputy Director of Census Operations in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Senior Research Officer (Social Studies) in the same office, for a further period upto the 29th February, 1984 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions.

2. The Headquarters of Shri Dua will be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 15th February 1984

No. 407/CAI/100-81.—Shri N. Gopalakrishna Pillai, Audit Officer (Commercial) working in the Office of the Accountant General, Kerala at Trivandrum had expired on 2-1-1984

M. A. SOMESWARA RAO Joint Director (C)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, SIKKIM

Gangtok, the 31st January 1984

OFFICE ORDER

No. 203.—Consequent on his retirement from Government Service on attaining the age of superannuation, Shri Sudhindra Nath Ghose, Accounts Officer (on deputation) has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

A. K. DEB Accountant General

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 23rd February 1984

No A.19018(651)/82-A(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri V. P. Srivastava, Small Industry Promotion Officer (Met.), Br. SISI, Varanasi (under SISI, Allahabad) as Asstt. Director (Gr. II) (Met.), Field Testing Station, under SISI, Bombay on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 14-2-83.

No. A.19018(653)/82-Admn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri B. K. Talukdar, Small Industry Promotion Officer (Met.), Small Industries Service Institute, Jaipur as Asstt. Director (Gr. II) (Met.), at Field Testing Station, Jaipur under R.T.C. New Delhi on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 12-1-1983.

No. A. 19018(654)/82-A(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri K. V. Ravi, Small Industry Promotion Officer (Met.), Small Industries Service Institute, Hubll as Asstt. Director (Gr. II) (Met.), Field Testing Station, Kolhapur under Regional Testing Centre, Bombay on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 28-1-83.

R. R. FOUZDAR Deputy Director (Admn.)

New Delhi, the 6th March 1984

No. 12(27)/61-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Secretary & Administrative Officer on deputation basis in the National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development, New Delhi, Dr. S. B. Srivastava relinquished charge of the post of Dy. Director (IMT) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi on the forenoon of 18-2-1984.

S. K. PURKAYASTHA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION 6)

New Delhi-110001, the 29th February 1984

No. A-6/247(213)/56.—Shii D. N. Pandit, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Assistant Director of Inspection (Fugineering) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A'. Engineering Branch) in the Headquarters office at New Delhi retired from Government Service on the afternoon of 29th February. 1984 on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

New Delhi-110001, the 23rd February 1984

No. A6/247(460)/II.—The President is pleased to appoint Shri P. D. Bhatt, Assistant Inspecting Officer (Engineering) as Inspecting Officer (Grade III of Indian Inspection Service,

Group 'A', Engineering Branch) on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 20th January, 1984 for a period of six months.

- 2. The ad-hoc appointment of Shii P. D. Bhatt will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of scnlority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Bhatt relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) on 20-1-1984 (F.N.) at Ahmedabad under Bombay Inspection Circle and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) at the same station on the same date.

S. BALASUBRAMANIAN Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 9th March 1984

No. A-1/1(1165).—The President is pleased to appoint Shrl V. K. Bhasin substantively to the permanent post of Assistant Director (Sales Tax) (Grade I) with effect from 11-3-1983.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the February 1984

No. A-19012/11/OS/SKD/19B/1571B.—Shri S. K. Dutta, officer Surveyor, Coal Wing G.S.I., Calcutta retired voluntarily w.e.f. 22-5-80 (F.N.).

A. KUSHARI Director (Personnel)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 8th March 1984

No. 10/16/81-S.III/IV.—The Director General, All India Radio accepts the resignation of Shri P. B. Nayak from the post of Assistant Engineer in the office of the Chief Engineer (WZ), All India Radio, Bombay with effect from 15-2-1984 (A.N.).

Y. VARMA
Deputy Director of Administration (E)
for Director General

New Delhi, the 9th March 1984

No. 1/4/84-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri H. R. Abrol, Acctt., Radio Kashmir, Jammu to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis at AIR, Siliguri w.e.f. 14-2-84 (F.N.).

(Smt.) RUKMINI DAS GUPTA
Dy. Director Administration
for Director General

CIVIL CONSTRUCTION WING

New Delhi, the 9th March, 1984

No. A-32014/1/83-CWI—The Director General, All India Radio New Delhi is pleased to appoint the following persons on promotion as AES (Civil)/ AES (Elect) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-

35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- at places and with effect from the dates shown against each:

SI. No.	Name		Place & posting	Date from which ap- pointed
1	2		3	4
1. S	hri A. Nagendran		AE(E), CCW, AIR, Nagpur	25-11-83 (F.N.)
2, S	hri D. K. Ghosh		AE(E), CCW, AIR, Patna.	31-12-83 (F. N.)
3. S	hri T. Narayanan		ASW(C), CCW, AIR, Madras	12-10-83 (F. N.)
4. S	hri T. Nanakan		ASW(C), CCW AIR, Madras	31-10-83 (F.N.)
5. S	hri S. N. Das .		AE(C), CCW, AIR, Agartala	31-10-83 (F.N.)
6. S	hri K. Gangadurai		ASW(C), CCW, AIR, Bombay	12-12-83 (F.N.)
7. S	hri M. Vijayan	•	AW(C), CCW, AIR, Gauhati	16-12-83 (A. N.)
8. SI	hri A. Chattopadhyay		AE(C), CCW, AIR, Rajkot.	7-12-83 (F. N.)
9. Si	ari D. S. K. Bhagwan	ı .	AE(C), CCW, AIR, Bangalore	13-10-83 (F.N.)
.0. SI	ırl A. K. Sarkar.		AE(C), CCW, AIR, Роопа	25-11-83 (F.N.)
11. Si	ıri J. K. Swamy	•	AE(C), CCW, AIR, Sholapur	29-10-83 (F.N.)
	ri Biplobkar .		AE(C), CCW, AIR, Panaji	9-11-83 (F.N.)
	ıri T. S. Kapoor		ASW(C), CCW AIR, Shillong	7-10-83 (F.N.)
14. SI	ıri P. Showkat Ali	• •	AE(E), CCW, AIR, Shillong	2-2-84 (F.N.)

2. Their appointment is governed by the terms and conditions contained in the order of promotion bearing No. A-32014/1/33-CWI dated 24-9-83 and 12-12-83.

S. K. MOHINDRA, Engineer Officer to Chief Engineer (C) For Director Gn.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th March 1984

No. A.19020/20/80-MH.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri D. R. Puri to the post of Accounts Officer at Safdarjung Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of 5-12-1983 on deputation basis and until further orders.

P. K. GHAI

Dy. Director Administration (CGHS-II)

for Directorate General of Health Services

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 28th February 1984

No. A.19011/1/84-S.I.—The President is pleased to appoint Smt. G. Vijayalakshmi in the post of Labour Welfare Officer, Government Medical Store Depot, Madras with effect from the afternoon of 20th January, 1984 and until further orders.

The 7th March 1984

No. A.19012/1/84-S.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. Sambamurty as Accounts Officer, Government Medical Store Depot, Hyderabad with effect from the forenoon of 8th February, 1984 and until further orders.

R. C. GULATI
Deputy Assistant Director (Stores)

New Delhi, the 12th March 1984 CORRIGENDUM

No. A-12025/10/81(IIP)/Admn.I/M(F&S).—In the Notification No. A-12025/10/83-(IIP)/Admn.I/M(F&S), dated 14-7-1983 relating to appointment of Dr. (Mrs.) M. Doloi to the post of Assistant Professor of Bio-Chemistry at JIPMER, Pondicherry, for "22nd June, 1983" read "2nd June, 1983".

P. N. THAKUR Deputy Director Administration (C&B)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

(DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 15th February 1984

No. A-31014/2/81-A.I.—The following officers are hereby appointed substantively to the permanent posts of Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing & Inspection, with effect from the dates indicated below

- 1. R. M. Karpate—15-5-82
 2. V. Balaramamurty—15-5-82
 3. G. H. Dhankar—13-6-82
 4. A. C. Guin—1-3-83
 5. P. L. Vashisht—1-6-83
 6. Phillip Ittyerah—1-9-83
 7. N. P. Kamble (SC)—1-9-83.

- 2. The lien of the above officers in the lower post, if any, stands terminated with effect from the date of their substantive appointment in the post of Marketing Officer (Group I).

The 21st Februray 1984

No. A-31014/2/83-A. I - The following officers are hereby appointed substantively to the permanent posts of Ass t. Marketing Officer (Group III) in the Dte. of Marketing and Inspection, with effect from the dates indicated below against each :

S/Shri

•			
1. R. Srinivasan .			9-2-83
2. G. S. Sodhi .			9-2-83
K. Sampath kumar			9-2-83
4. S. C. Khurana .			9-2-83
5. C. M. Janardhanam			9-2-83
6. K. C. Lahiri .			9-2-83
7. T. N. Mehra .			9283
8. M. Ratnakar .	,		9-2-83
9. T. A. Narayanan			9-2-83
10. T. C. Bhattachrya.			9-2-83
11, V, S. Daga .			12-3-83
12, T, S. Krishnamurthy			12-3-83

2. The lien of the above officers in the lower post if any, stands terminated with effect from the date of their substantive appointment in the post of Assistant Marketing Officer (Group III).

> G. S. SHUKLA. Agricultural Marketing Advisor, to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 8th March 1984

Ref. No. DPS/41/2/83-Adm./5687.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. N. Unnikrishnan Nair, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 from 29-11-1983 (F.N.) to

5-3-1984 (A.N.) in the same Directorate vice Shri A. M. Parelkar, Assistant Purchase Officer granted leave.

> P. GOPALAN Administrative Officer

> > -{(

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 12th March 1984

AMD-16/3/82-Rectt.Vol.II.--Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby extends the officiating appointment of Shri K. M. Kaushik, a permanent Assistant, Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer on an ad-hoc basis in the same Division from February 14, 1984 to February 27, 1984 (forenoon) vice Shri J. R. Gupta, Assistant Personnel Officer granted extension of leave.

> T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560058,the 1st March 1984

No. 020/3(061/A084-Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders:

Sl. Name No.		~ _	Designation	Date
1. Shri D. Kamesh			Sci/Engineer-	4-4-83
2. Shri P. Dovamanohai			Sci/Engineer- 'SB'	20-4-83
3. Shri Rajmohan Panad	iwal	•	Sci/Engineer- 'SB'	13-6-83
4. Shri P. C. Sreevalsan	•		Sci/Engineer- 'SB'	5-9-83
5. Shri S. Mathiazhagan			Sci/Engineer- 'SB'	16-9-83

The 2nd March 1984

No. 020/1(3)/84-Estt.—As per ISRO Headquarters Office Order No. HQ/ADMN/4-20(5)-3 dated February 20, 1984, Shri L. Ramachandran, has assumed charge as Assistant Accounts Officer in the ISRO Satellite Centre, Bangalore with effect from the forenoon of February 22, 1984.

No. 020/1(3)/84-Estt.—As per ISRO Headquarters Office Order No. HQ/ADMN/4-20(5)-3 dated December 14, December 1983, Shri Gilroy Amalakumar, has assumed charge as Assistant Purchase Officer in the ISRO Satellite Centre, Bangalore with effect from the forenoon of January 16, 1984,

No. 020/1(3)/84-EST.—As per ISRO Headquarters Office Order No. HQ/ADMN/4-20(5)-3 dated December 14, 1983, and on transfer from Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum, Shri M. R. Ramachandran, has assumed charge as Assistant Purchase Officer in the ISRO Satellite Centre, Bangalore with effect from the forenoon of December 31,

> H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th February 1984

No. A-32013/2/83-EC(.).—In continuation of this Depart ment's Notification No. A-32013/2/83-EC dated the 25th June 1983, the President is pleased to appoint the following twelve Assistant Technical Officers, to the grade of Technical

orders :—	1 2 3
5. No Name	43. Shri S. K. Nandi
S/Shri	44. Shri A. S. Sivaramakrishnan
1. K. S. Balasutgamanan	45. Shri M. S. Singhal
2. M. D. Ranganathan	46. Shri P. Bose
3. H. L. Sharma	47. Shri S. S. Sandhu
4. Y. P. Bhatia 5. D. N. Biswas	48. Shri R. L. Sunder Raj
6, A. K. Mishra	49. Shri N. R. Bose
7. K. D. Mukherjee	50. Shri T. G. Nair
8. S. S. Prashar 9. C. R. Das Gupta	51. Shri M. R. Rajarishi
10. A. C. Dutta	52. Shri P. K. Das
 M. B. Gajbhiye T. S. Krishnemurthy 	54. Shi S. K. Biswas 31-12-83
-	55. Shri C. L. Sen Chowdhury
The 28th Fobruary 1984	56. Shri A. K. Biswas
No. A-32014/3/83-EC.—The Director General of Civil	57. Shri H. N. Randheria 31-12-83
Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointments of the undermentioned Assistant Communication Officers for	58. Shri M. G. Sandell
a further period up to the dates mentioned against each or till	59. Shri M. V. Mulmulay
the posts are filled on regular basis, whichever is carlier, under usual terms & conditions:—	60. Shri R .D . Ram
under usual terms & conditions,—	61. Shri P. S. Bagde
Sl. Name Date	62. Shri B. M. Gulati
No. 3	64. Smt. Priti Kundu
1 2 3	65. Shri S. P. Vasawada
1 2 3	66. Shri G. Eranna
1. Shri J. R. Desniukh	67. Shri J. B. Krishna
	68. Shri J. S. Vedi
3. Shri S. Dorairajan 31-12-83 4. Shri T. S. Krishnamoorthy 31-12-83	69. Shri J. Ghosh
5. Siri S. Varadharajalu	70. Shri R. K. Naz
6. Shri J. C. D. Silva	ري و المراجع المراجع المراجع و المراجع
7. Shri D. N. Kundu	G. B. LAL
8. Shri A. Periaswamy	Asstt, Dir of Admn.
9. Shri V. G. Sundararaman	
10. Shri G. N. Oka	INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
11. Shri M. S. Gogate	INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
12. Shri K. L. Patwa	New Delhi-3, the 7th March 1984
14. Shri T. Paul	No. A. 38019/II/83-E.1.—The undermentined Assistant
15. Shri M. K. Chakrapani	Meteorologists of India Meteorological Department have
16. Shri V. K. H. Sharma	retired from the Government service on the dates mentioned
17. Shri P. K. Majumdar	against their names, on attaining the age of superannuation :-
	against their names, on attaining the age of superamination :-
18. Shri V. J. Hudder	
18. Shri V. J. Hudder	S. Name Date of
18. Shri V. J. Hudder	
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdco H. Aucharmal 31-12-83	S. Name Date of retirement
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdco H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdco H. Aucharmal 31-12-83	S. Name Date of retirement
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-J2-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 29. Shri D. L. Hete 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 29. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 29. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83 31. Shri Balbir Singh 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Soth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83 8. Shri V. Natrajan 30-11-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 29. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83 31. Shri Balbir Singh 31-12-83 32. Shri G. L. Chawla 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83 8. Shri V. Natrajan 30-11-83 9. Shri L. H. Peterson 30-11-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 29. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83 31. Shri Balbir Singh 31-12-83 32. Shri G. L. Chawla 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83 8. Shri V. Natrajan 30-11-83 9. Shri L. H. Peterson 30-11-83 10. Shri R. Ramasubramanian 30-11-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 29. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83 31. Shri Balbir Singh 31-12-83 32. Shri G. L. Chawla 31-12-83 33. Shri R. K. D. Chowdhury 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83 8. Shri V. Natrajan 30-11-83 9. Shri L. H. Peterson 30-11-83 10. Shri R. Ramasubramanian 30-11-83 11. Shri V. K. Puthoor 30-11-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 30. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83 31. Shri Balbir Singh 31-12-83 32. Shri G. L. Chawla 31-12-83 33. Shri R. K. D. Chowdhury 31-12-83 34. Shri S. D. Bhalla 31-12-83 35. Shri J. P. Gupta 31-12-83 36. Shri A. Kumar 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83 8. Shri V. Natrajan 30-11-83 9. Shri L. H. Peterson 30-11-83 10. Shri R. Ramasubramanian 30-11-83 11. Shri V. K. Puthoor 30-11-83 12. Shri A. C. Basu 31-12-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 30. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83 31. Shri Balbir Singh 31-12-83 32. Shri G. L. Chawla 31-12-83 33. Shri R. K. D. Chowdhury 31-12-83 34. Shri S. D. Bhalla 31-12-83 35. Shri J. P. Gupta 31-12-83 36. Shri A. Kumar 31-12-83 37. Shri D. S. Karmalkar 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83 8. Shri V. Natrajan 30-11-83 9. Shri L. H. Peterson 30-11-83 10. Shri R. Ramasubramanian 30-11-83 11. Shri V. K. Puthoor 30-11-83 12. Shri A. C. Basu 31-12-83 13. Shri D. N. Paul 31-12-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 30. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83 31. Shri Balbir Singh 31-12-83 32. Shri G. L. Chawla 31-12-83 33. Shri R. K. D. Chowdhury 31-12-83 34. Shri S. D. Bhalla 31-12-83 35. Shri J. P. Gupta 31-12-83 36. Shri A. Kumar 31-12-83 37. Shri D. S. Karmalkar 31-12-83 38. Shri K. S. N. Iyer 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83 8. Shri V. Natrajan 30-11-83 9. Shri L. H. Peterson 30-11-83 10. Shri R. Ramasubramanian 30-11-83 11. Shri V. K. Puthoor 30-11-83 12. Shri A. C. Basu 31-12-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 30. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83 31. Shri Balbir Singh 31-12-83 32. Shri G. L. Chawla 31-12-83 33. Shri R. K. D. Chowdhury 31-12-83 34. Shri S. D. Bhalla 31-12-83 35. Shri J. P. Gupta 31-12-83 36. Shri A. Kumar 31-12-83 37. Shri D. S. Karmalkar 31-12-83 38. Shri K. S. N. Iyer 31-12-83 39. Shri D. N. Haldar 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83 8. Shri V. Natrajan 30-11-83 9. Shri L. H. Peterson 30-11-83 10. Shri R. Ramasubramanian 30-11-83 11. Shri V. K. Puthoor 30-11-83 12. Shri A. C. Basu 31-12-83 13. Shri D. N. Paul 31-12-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 29. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83 31. Shri Balbir Singh 31-12-83 32. Shri G. L. Chawla 31-12-83 33. Shri R. K. D. Chowdhury 31-12-83 34. Shri S. D. Bhalla 31-12-83 35. Shri J. P. Gupta 31-12-83 36. Shri A. Kumar 31-12-83 37. Shri D. S. Karmalkar 31-12-83 38. Shri K. S. N. Iyer 31-12-83 39. Shri D. N. Haldar 31-12-83 40. Shri R. Arul Pragasam 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83 8. Shri V. Natrajan 30-11-83 9. Shri L. H. Peterson 30-11-83 10. Shri R. Ramasubramanian 30-11-83 11. Shri V. K. Puthoor 30-11-83 12. Shri A. C. Basu 31-12-83 13. Shri D. N. Paul 31-12-83
18. Shri V. J. Hudder 31-12-83 19. Shri B. C. Biswas 31-12-83 20. Shri H. S. Tuli 31-12-83 21. Shri Namdeo H. Aucharmal 31-12-83 22. Shri C. R. Guha 31-12-83 23. Shri Edwin Thomas 30-11-83 24. Shri C. R. Kutty 31-12-83 25. Shri A. N. Biswas 31-12-83 26. Shri P. R. Chowdhury 31-12-83 27. Shri B. N. Sarkar 31-12-83 28. Shri Chaman Singh 31-12-83 29. Shri D. L. Hete 31-12-83 30. Shri R. P. Joshi 31-12-83 31. Shri Balbir Singh 31-12-83 32. Shri G. L. Chawla 31-12-83 33. Shri R. K. D. Chowdhury 31-12-83 34. Shri S. D. Bhalla 31-12-83 35. Shri J. P. Gupta 31-12-83 36. Shri A. Kumar 31-12-83 37. Shri D. S. Karmalkar 31-12-83 38. Shri K. S. N. Iyer 31-12-83 39. Shri D. N. Haldar 31-12-83	S. Name Date of retirement 1. Shri K. S. Venkatakrishnan 30-9-83 2. Shri K. V. Krishnamurthy 30-9-83 3. Shri V. Balasubramanian 30-9-83 4. Shri P. B. Hore 31-10-83 5. Shri A. K. Seth 31-10-83 6. Shri N. R. R. Benegal 31-10-83 7. Shri H. C. Malhotra 30-11-83 8. Shri V. Natrajan 30-11-83 9. Shri L. H. Peterson 30-11-83 10. Shri R. Ramasubramanian 30-11-83 11. Shri V. K. Puthoor 30-11-83 12. Shri A. C. Basu 31-12-83 13. Shri D. N. Paul 31-12-83 14. Shri M. R. Hingorani 31-12-83

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 12th March 1984

No. 3-607/82-CH.Estt.—The resignation tendered by Shri H. L. Ravi Parkash, Asstt. Hydrogeologist from the post of Asstt. Hydrogeologist has been accepted and his name is struck off from the rolls of Central Ground Water Board w.c.f. 24-2-84 (A.N.).

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 3rd March 1984

No. 2/84 F. No. 7/1/83-Admn. I(B)—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the undermentioned Officers to the Central Power Engineering (Group B) Service in the grade of Extra Assistant Director in the Central Electricity Authority in a substantive permanent capacity with effect from the dates shown against their names:—

SI. Name No.	Designation	Date of appointment as EAD in substantive capacity
1. Shri A. C. Hari	Dy. Director	2-9-75
2. Shri K. R Bhagwan .	Do.	2-9-75
3. Shri S. R. Nair	Do.	2-9-75
4. Shri R. Parthasarathy	Do.	2-9-75
5. Shri J. S. Wadhwa	Do.	1-5 - 76
6. Shri Abnash Singh	Do.	26-6-76
7. Shri S. N. Bhattacharya	Asstt. Director	26 -6- 76
8. Shri R. P. Kaistha	Dy. Director	29-6-76
9. Shri A. K. Puri	Do.	29-6-76
10. Shri T. Naryya	Do.	29-6-76
11. Shri V. Muthuvallayuthar	n Asstt. Director	26-10-76
12. Shri H. R. Gupta .	Dy. Director	1-5-77
13. Shri . M. C. Mohandra	Asstt. Director	1-6-77
14. Shri Ruls-Ud-Din	Dy, Director	1-6-77
15. Shri T. V. S. Rama murth	•	30 - 9-77
16. Shri A. K. Mandal	Astts, Director	30-4-79
17. Sari M. P. Kaliaperumal	Extra Asstt. Director	1-1-80
18. Shri V. Vidyasagar	Dy. Director	1-7-80
19. Shri G. M. Chawla	Do.	1-7-80

B. M. LALL, Under Secy. for Chairman,

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Premier Meters & Instruments Mfg. Co. Limited

Bombay-400 002, the 3rd March 1984

No. 675/12720/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Premier Meters & Instruments Mfg. Co. Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the sald company will be dissolved.

In the matter of the Companies, Act 1956 and of M/s. Billimoria Productions Private Limited

No. 672/12234/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Billimoria Productions Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay-2

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Associated Roadways Private Limited

Cochin-682011, the 3rd March 1984

No. 1844/Liq/560(5)/2208/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Associated Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Hajeev M. Sayed Mohammed Rawther and Sons
Private Limited

No. 427/Liq/560(5)/2207/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Hajee V. M. Sayed Mohammed Rawther and Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Register of Companies Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sura) Credit and Investment Company Private Limited

Patna, the 6th March 1984

No. (1007)560/7299.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M/s. Suraj Credit and Investment Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Citizen Savings and Finance Private Limited

No. (1018) 560/7302.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Citizen Savings and Finance Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Balaji Credits Private Limited

No. (1027)560/7305.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Balaji Credits Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar Patna-1

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Greatwin Benefit and Chit Fund Private Limited

Gwallor-474009, the 8th March 1984

No. 1084/PS/CP/3064.--Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s4 Greatwin Benefit and Chit Fund Private Limited, Bhopal unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Hyderabad, the 3rd March, 1984

ORDER

CR. No. 12/Estt/84.—No. 99: The undermentioned Income-tax Officer is confirmed as Income-tax Officer, Class-

Π with effect from the date notes	d against him in Col. No.
Sl. Name of the I.T.O. & No. Designation & Place at winch working	Date from How the whih cancy has al confirmed arisen
1 2	3 4
1. Shri P. S. S.Ramachandran, Income-tax Officer, (Hqrs.) (Inv. & Survey), O/o C. I. T., Hyderabad	1-3-1984 Due to retire ment of Shr Y. Chakrapani Income-tax Officer.

2. The date of confirmation is subject to modification at a later date, If necessary.

S. RAMASWAMI, Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh-I, Hyderabad

FORM ITNS-

M/s. Sunder Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Rajaram Pandurang Yeole

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/1718/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 405, 4th floor, 'Sunder Park' 'B' Building, Off. Veera Desai Rd. Andheri (West), Bombay-58.

situated at Andheri (w).
(and more fully described in the Schedule annexed nereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3rd June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, 'Sunder Park, 'B' Building Off. Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. RA-IV/33/83-84. Date. 3-6-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely ;---

Date: 9-2-1984.

FORM ITNS-

- (1) Shri P. G. Jaisingh
- (Transferor)
- (2) M/s. Bombay Distributors

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY,

Bombay, the 8th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE.523/83-84.--Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Shop No. 2, Andheri Shiv Shakti Soc. Caesar Rd., Andheri
(West) Rombay 58

(West), Bombay-58. situated at Andherl (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 27-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

27---526GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Andheri Shiv-Shakti Soc, Caesar Road, Andheri West, Bombay 400 058. The agreement has registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/30/83-84 Date. 27-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 8-2-1984.

interested in the property)

FORM LT.N.S.—

(1) M/s. Mamata Plastics

(3) Mamata Plastics.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Premnath Amarnath Puri

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE/2443/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

situated at Kandivali (W)

Office Premises No. A/212, 2nd floor Supper Shopping Complex

and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incom-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14th June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(Person whom the undersigned knows to be

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premisses No. A/211 & A/212, 2nd floor, Super Shopping Complex, Plot No. 17 & 18, Dr. Dalvi Road, Kandivli(W) Bombay-400 067. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under serial No. AR-II/2442/83-84, dated 14-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-III/1796/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4, Ground floor, Gautam Nivas, Varsina Co. op Hsg. Society Ltd. 7 Bunglows, Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay, situated at Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-6-1983.

2

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Tansukhrai Harshadrai Rindani,

(Transferor)

(2) Mrs. Kantaben V. Parikh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, Gautam Nivas, Varshna Co. op. Housing Society Ltd.. 7 Bunglows, Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-1V/60/83-84. Date. 7-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dale: 13-2-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-4/37EE/2570/83-84.-Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot No. 159, Jawahar Society situated at Goregaon (W)
(and more tully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Incom-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. at Bombay at 18th June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri D. N. Bhakta 2. Laxmiben M. Bhakta

3. J. N. Bhakta

(Treperferor)

(2) Shri D. D. Gandhi & R. D. Gandhi

(Transforce)

(3) Tenanta

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 159, Jawahar Nagar Co-op. Housing Society Ltd known as 'Matru Pitru Smruti', Goregaon (W) Bombay, The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II/2570/83-84, Dated 15-6-1983

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 13-2-1984.

FORM ITNS

(1) 1. Mrs. Padma Bhagwan Tahiliani & 2. Mrs. Pushpa Teckchand Tabiliani.

(Transferor)

(2) (1) Mr. Ranjitsinh Jamnadas Kapadia (2) Mrs. Hema Ranjitsinh Kapadia.

(3) M/s. Dattani Enterprises,

(Person in occupation to the property) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE.2564/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
Flat No. 401 "Dattam Nagar Building No. 3", CTS No. 60/61 (Part) of Mauje Magthane at S. V. Road, Near Kora Kendra, Borivli (West), Bombay-92, situated at Borivli(W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under-Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 18th June 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, "Dattani Nagar Building No. 3" CTS No. 60/61 (Part) of Mauje Magthane at S. V. Road, Near Kora Kendra, Borivli (West), Bombay-92. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/2564/83-84 Date. 18-6-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 19-2-1984.

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 18th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2325/83-84 --- Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 501/B, 5th floor, Kausturbha Nagar, Ramchandra Lane Extn. Malad (W), Bornbay-64, situated at Malad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incom-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9th June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Naviivan Builders

(Transferor)

- (2) Smt. Irene Lobo W/o Ponald Gecil Lobo,
 - (Transferce)
- (3) M/s, Navjivan Builders.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAITON:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501/B on 5th floor, in 'Kausturbha Nagar, Plor Nos. A3 to A6 at Ramchandra Lane Extn. Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2325/83-84 Date, 9th June 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 18-2-1984

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1984

Ref. No. AR-IV/37.EE/2643/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Flat No. 602' 'B' Wing austurbha Nagar, Ramchandra Lane Extension, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21st June 1983

at Bombay on 21st June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1)-M/a. Naviivan Builders

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Chandra Rawal

(Transferee)

(3) Shrì Rameshchandra Rawal. (Person whom the undersigned knows to be interest in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

APLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 6th floor in 'B' Wing Building Kausturbha Nagar' Plot Nos. A3 to A6 at Village Valnai, Ramchandra Lane Extension, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV/37EE/2643/83-84 Date: 21-6-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-2-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

......

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1984

Ref. No. AR-III/2101/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial Shed No. 165, 1st fir. Shiv-Shakti Indi. Estate, Marol Village, Off. Andheri Kuria Road, Andheri(E), Bombay-59, situated at Andheri (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25th June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shiv-Shakti Builders

(Transferor)

(2) 1. Karayilthekkoot Krishnan Bharathan

2. Suprabha Sharathan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 165, 1st floor, Shiv-Shakti Indl. Estate Marol Village, Off. Andheri Kutla Road, Andheri (E), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/39/83-84 Date. 25-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 8-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 18th February 1984

Ref No. AC-101/ACQ. R-IV/Cal/83-84.—Whereas I, SANKAR K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 23 situated at Ghose Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A., Calcutta on 27-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--28-526GI/83

 Chhotal Dayabhai Thakkar Pravin Chotalal Thakkar Niranjan Chhotalal Thakkar 37 Rajendra Road, Calcutta.

(Transferor)

7047

(2) Dipesh Kumar Saraogi 157, N.S. Road, Calcutta I

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 7 K. Ch, 20 sqft with building Arrdess: 23, Ghose Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah Deed: No. 6211 of 1983

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 53. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV CALCUITA

Calcutta, the 18th February 1984

Ref No. AC-100/Acq. R-IV/CAL/83-84.— Whereas I. SANKAR K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 23 situated at Ghose Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta, on 27-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Chottalal Dayabhai Thakkar Pravin Chottalal Thakkar Niranjan Chottalala Thakkar 37, Rajendra Road, Calcutta.

(Transfetor) -

(2) Smt. Sarita Saraogi 137, N. S. Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same recenting as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 7 K 7 ch, 25 sqft with building Adress: 23, Ghose Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah

Deed No.: 6210 of 1983

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-IV
53, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 18th February 1984

Ref. No. AC-99/Acqn. R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23 situated at Ghose Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 27-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chhotalal Dayabhai Thakkar Pravin Chhotalal Thakkar Niranjan Chotalal Thakkar 37, Rajendra Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Deokindan Saraogi 157, N.S. Road, Calcutta-I.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 10 K, 14 ch, 25 sqft with building

Adress: 23, Ghose Lane, U. S. Bally, Dt. Howrah

Deed No.: 6209 of 1983

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
53, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Kanhaiyalal Ratwa.
 Sri Jugal Kishore Sharama
 Sri Surajmal Matolia
 Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Mercury Development (P) Ltd. 220A, Naskarpara Road, Ghusuri, Howrah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 18th February 1984

Ref No. AC-98/Acqn. R-IV/Cal/83-84.—Whereas I, SANKAR K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 220A situated at Naskarpara Road, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Howrah on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land: 8 Cottahs land with structure.

Address: Plot No. 20 & 21, of 220A, Naskarpora Road,

P.S. Malipanchghora, Dist: Howrah.

Deed No.: 1694 of 1983

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
53, Rafi Ahmed Kidwai Rond, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1984

(1) Udit Kumar Roy & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Sharda Devi Mawandia

may be made in writing to the undersigned:--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 20th February 1984

Ref No. 1406/Acq. R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

80G situated at Sarat Bose Road, Calcutta-25. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 21-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ojections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat on first floor south-eastern measuring 1400 sft., located at 80G, Sarat Bose Road, Calcuita, Redg. vide Deed No. 307 dated 21-6-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-2-1984.

(1) 1. Gopal Chandra Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 1. Ashok Kumar Arora
 2. Brahma Saroof Agarwal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 13th February 1984

Ref No. 1405/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and earing

No. 34 situated at Netaji Subhash Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 24-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of undivided property situated at 34, Netaji Subhash Road, Calcutta. The property registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, Vide Deed No. I-6139 date 24-6-1983.

S. K. CHAUDHUR!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Refi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref No. 1404/Acq. R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 243/2-C situated at Acharya Profulla Chandra Road,

Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 15-6-1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income OF any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sm. Renuka Sadhukhan

(Transferor)

(2) 1. Sri Rajendra Prosad Shaw. 2. Sri Lakhi Prosad Shaw.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or percel of land measuring 5k-2ch. 25sft. land with building being premises No. 243/2-C. Acharya Profulla Ch. Road, Calcutta, Regd. vide Deed No. 1-5811 date 15-6-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-2-1984.

Seal;

(1) Ramadas Chatterice

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Hari Narayan Gupta, 2. Sri Gopal Agarwal,

Ashok Kumar Agarwal,
 (minor) Manoj Kumar Agarwal represented by his mother Smt. Bhuri Debi Agarwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref No. 1403/Acq. R. III/83-84,-Whereas, I, S. K. CHAUDHURI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 140 B situated at Keshab Chandra Sen Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 24-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property at 140B, Keshab Chandra Sen Street, Calcutta, detailed description vide Deed No. 6144 dated 24-6-1983 Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

Date: 10-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 13th February 1984.

Ref No. 1402/Acq. R-III/83-84.—Whereas, 1, S. K. CHAUDHURI being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1F/1, situated at 18/3, Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wralth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sixuance Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29-526GI/83

with the object of :--

(1) Samiran Co-operative Housing Society Ltd., (Transferor)

(2) Mr. Sujit Kumar Sinha

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 1F/1, measuring 1110sft. located at 18/3, Gariahat Road, Calcutta, Redg. vide Deed No. 5389 dated -4-6-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 13-2-1984.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 13th February 1984.

Ref No. 1401/Acq. R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1H/1 situated at 18/3 Gariahat Road, Calcutta-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Calcutta on 4-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) Samiran Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Bihika Roy

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 1H/1, measuring 870 sft. located at 18/3, Gariahat Road, Calcutta Regd. vide Deed No. 5388 dated 4.6-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 13-2-1984.

(1) Sree Prasad Das Banerjee

(Transferor)

(2) Smt. Ranjita Chowdhury

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 13th February 1984

Ref No. 1400/Acq. R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5 situated at Sadananda Road, Calcutta-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 13-6-1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are are defined in Chapter XXA of the said Act., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 16K (1/6th share) land with building being premises No. 5, Sadananda Road, Calcutta regd. vide Deed No. 3104 dated 3-6-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 13-2-1984.

(1) Purbasha Nirman Udyog Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lily Guha

(Tranferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUÍSITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th February -984.

Ref No. 1399/Acq. R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Flat No. 4A, situated at 17D, Ashutosh Choudhury Avenue. Calcutta-19.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 10-6-1983

and /or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 4A, measuring 675 sq. ft. located at 4th floor being premises No. 17D, Ashutosh Choudhury Avenue, Calcutta, regd. vide Deed No. I 5570 dated 10-6-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition for the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984.

(1) Sri Raj Kumar Mullick

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lakshmi Narayan Nandi

(Tranferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref No. 1398/Acq. R-III/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7 situated at Baidya Nath Mullick Lane, Calcutta-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saul immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that peice or parcel of land measuring 1K-5ch, with partly 2 and partly 3 storeyed building being premises No. 7, Baidya Nath Mullick Lane, Calcutta vide Deed No. 16010 date 20-6-83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Abdul Bari Mondal Abdul Aziz Mondal Abdul Kader Mondal

(Transferor)

(2) The Bank of Borada Staff Co-operative Housing Society Ltd.

(Tranferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref No. 1397/Acq., R-III/83-84.—Whereas 1, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouja-Rainagar, Bansdrani, situated at Regent Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 17-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2k-4ch-29sft. with a brick built dwelling unit covering 730 sft. being premises No. Mouza Rainagar, Bansdrani Park, Calcutta regd. vide Deed No. 15878 dated 17-6-1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 10-2-1984

(1) Abdul Bari Mondal Abdul Aziz Mondal Abdul Kader Mondal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Bank of Baroda Staff Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 10th February 1984

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. 1396/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouja-Rainagar, Bansdrani, Regent Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2k-7ch-7 sft with a brick built dwelling unit covering 720 sft. being premises No. Mouja Rainagar, Basdroni, Regent Park, Calcutta vide Deed No. 15877 date 17-6-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons, namely:—

Date: 10-2-84

(1) 1. Sti Nitai Ch. Naskar Sri Badan Ch. Naskar

3. Sri Pannalal Naskar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. V. Gopinathan Nair

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref. No. 1395/Acq. R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHUR!

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 170 situated at Picnic Garden, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitatin gthe reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7k-7ch. 25 sft. with one storied tally shed structure being premises No. 170, Picnic Garden, Calcutta. Regd. before R.A. vide deed No. 1-6348 dated 29th June, 1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-84

(1) (1) Abdul Bari Mondal

(2) Abdul Aziz Mondal(3) Abdul Kedar Mondal

(Transferor)

(2) The Bank of Baroda Staff Co-operative Housing Society 1.td.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref. No. 1394 Acq. R-III 83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 29B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Mouza Rainagar, under Regent Park Police Sta-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or · 1.1.1选(智序符

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or pracel of land measuring 2k 11 ch 34 sft. with brick built dwelling unit being premises No. Mouza Rainagar, Basdroni under Regent Park Police Station, Cal-cutta vide Deed No. 5748 dated 14-6-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

30--526GI/83

Date: 10-2-1984

(1) (1) Abdul Bari Mondal

Society Ltd.

(2) Abdul Aziz Mondal(3) Abdul Kedar Mondal

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref. No. 1393/Acq. R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Mouza Rainagar, Basdroni, Regent Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-6-1983

fo ran apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) The Benk of Baroda Staff Co-operative Housing

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land measuring 2k-1ch 20 sft. with a brick built dwelling house being premises No. Mouza Rainagar, Basdroni, Regent Park, Calcutta vide Deed No. 5747 dt. 14-6-1983.

S. K. CHAUDHUP Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 10-2-1984

FORM ITNS----

- (1) (1) Smt. Panna Sanyal
 - (2) Kalyan Kumar Sanyal
 - (3) Asish Kumar Sanval

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gita Ramesh Kumar Juthani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref. No. 1392/Acq. R-III/83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

12A situated at Panditiya Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 15-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1k-10ch.-10sft. with two storied brick built house being premises No. 12A, Panditiya Place, Calcutta sale Deed No. 1 5762 dt. 15-6-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984.

(1) Sri Shyam Sunder Chunder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Sri Brij Gopal Binani
 (2) Sri Ram Gopal Binani
 (3) Sri Ghanashyam Binani

(4) Sm. Rukhuan Devi Binani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref. No. 1391/Acq. R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5B situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, ramely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3k-1ch. 41sft. with one asbestos shed building & structure being premises No. 5B, Narendra Chandra Dutta Sardani, Calcutta, vide Deed No. 15801 dt. 15-6-1983.

S. K. CHAUDHUF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54. Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-2-1984.

(1) M/s. Anundlall Poddar & Sons Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Elektromag Devices Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1984

Ref. No. C.A. 13/83-84/S1 833 I.A.C./Acqn. R-J/Cal.—Whereas, I, S. K CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

113 situated at Park Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
C.A., Calcutta on 6-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income--tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises at 6th floor at Poddar Point, 113, Park Street, Calcutta (Area—500 sq. ft.). Registered before the Competent Authority vide Sl. No. 13 dated 6-6-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta-16

Date: 10-2-1984

(1) Sailendra Nath Bhattacharya & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Baby Kar Roy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th February 1984

Ref. No. TR-154/83-84/SI-824 1.A.C./Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I. S. K CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

26A situated at Beniapara Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regsitering Officer at

Calcutta on 22-7-83

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concement of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storied dilapidated structure measuring an area of 1K-10 Ch. 77 Sq. ft. at premises No. 26A, Beniapara Lane, Calcutta, Registered at Calcutta vide Deed No. I-361 dt. 22-7-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984.

(1) Sri Alok Kumar Chamria,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Parijat Investments Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th February 1984

Ref. No. TR-168/83-84/S1. 835 I.A.C./Λeqn. R-I/Cal.—Whereas, I, S. Κ CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9, situated at Western Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A. Calcutta on 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 25% share i.e. 4th share of the property partly 4 storyed and partly 5 storyed brick built building—Land area—30,600 sq. ft. i.e. 42 cottahs and 8 chittacks—at 9, Western Street, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-5317 dt. 2-6-1983,

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 13-2-1984.

(1) M/s. Sarkar Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Parvati Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref. No. TR-203/83-84/S1-836 I.A.C./Acqn. R-J|Cal.—Whereas, I. S. K CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

3, situated at Jadunath Dey Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.RA, Calcutta on 21-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at southern side on 4th floor, 870 sq. ft. of floor area at premises No. 3. Jadunath Dey Road, Calcutta. The property registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1 6045 dt. 21-6-83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984.

(1) M.s. Sarkar Construction Co.

(Transferor)

(2) Sri Paresh Nath Shaw.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Calcutta, the 10th February 1984

Ref. No. TR-202/83-84/\$1, 837 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, S K CHAUDHURI. Whereas, I. S. K. CHAUDHURI, seing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3, situated at Jadunath Dey Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Caicutta on 21-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--31-526GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat on northern side of 4th floor measuring 1070 sq. ft. Garage— at premises No. 3, Jadunath Dey Road, Calcutta. The property registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-6046 dt. 21-6-1983.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-2-1984.

(1) Sri Amal Chandra Mitra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kholeda Begum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1984

Ref. No. TR-171/83-84/S1. 838 I.A.C./Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

20B, situated at Radhanath (howdhury Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R.A., Calcutta on 28-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of the property consisting of a one storied brick built building, outhouses and structures except the structures erected by the vendor together with land measuring 3 Bighas 10 Cottabs at premises No. 20B, Radhanath Chowdhury Road, Calcutta. The property registered before the office of the Registrar of Assurances. Calcutta, vide Dead No. 1-6106 dt. 28-6-1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 10-2-1984.

FORM ITNS----

(1) Sii Bodh Raj Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Smt. Mala Gupta.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L CALCUITA

Calcutta, the 15th February 1984

Rcf. No. C.A. 16/83-84 S1. 839 J.A.C./Acqn. R-1/Cel.--Whereas, I. S. K CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and beading No. 3, situated at Middleton Row, Calcutta-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at C.A., Calcutta on 15-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4C, at Middleton Apits. 3, Middleton Row, 4th floor Calcutta-71 Registered before the Competent Autho-Tity Vide Sl. 16 dt. 15-6-83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-2-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1984

Ref. No. CHI)/36,83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 247 situated at Sector 20A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigath in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Banwari Lal S/o Sh. Gauri Shanker R/o House No. 247, Sec. 20A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Master Sikander Singh minor son of Sh. Gurinder Singh through his father & Natural Guardian S. Gurinder Singh, R/o 247, Sec. 20A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 247, Sec. 20A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 300/301 of June, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

FORM ITNS-----

__ ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th February 1984

Ref. No. CHD/38 83-84.--Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 138, situated at Sector 36A, Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering

Officer at Chandigath in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Major Sunil Kumai Nangia S/o Late Sh. Vikiam Dass through his general attorney Dr. Parkash Swarup Nangia S/o Sh. Vishan Dass R/o H. No. 100D, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Smt. Gurdeep Kaur D/o Late Sh. Mukand Singh, W/o S. Joginder S'ogh, R/o Bhatia Building, Yamuna Nagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 138, Sec. 36A, Chandigath.

(The property as mentioned in the sale deed No. 356 of June, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-2-1984

FORM UTNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1984

Ref. No. CHD/45/83-84.—Whereas I, IOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 1226, situated at Sector 22B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

(1) Shri Parmod Kumar 3162, Sec. 21D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Chadha H. No. 1226, Sec. 22B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Sh. Avtar Kohli,H. No. 1226, Sec. 22B, Chandigarh,(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1226, Sec. 22B. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 432 of June, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-2-1984

 Shri Durga Dass S/o Sh. Tulsi Ram through General Attorney Sh. Khushi Ram R/o 3082/27D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi W o Sh. Khushi Ram R/o H. No. 3082, Sec. 27D, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING I UDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1984

Ref. No. CHD 37/83-84.---Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. House No. 3082, situated at Sector 27D, Chandigarh

House No. 3082, situated at Sector 2713, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3082, Sec. 27D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 305 of June, 1983 of Sub Registrar, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhinn

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th February 1984 LUDHIANA

Ref. No. CHD/42/83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

House No. 121 situated at Sector 9B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration thefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mrs. Sneh Lata W/o Sh. C. Harish Chander, through Yogeshwar Tuli,
 - 2. Mrs. Swadesh Chadha W/o Air Comdr. Kewal Krishan Chadha,
 - 3. Sqn. Ldr. Raghuvira Tuli,
 - 4. Capt. Yogeshwar Tuli,
 - Sqn. Ldr. Ajay Tuli sons of Sh. Amir Chand Tuli, residents of H. No. 121, Sec. 9B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Lalita Khanna W. o Major General J. J. Khanna Mrs. Rama Puri W/o Sh. Mohinder Pal Puri R/o 118, Maliha Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 121, Sec. 9B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 373 of June, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Dez Raj Kuthiale, 5 to Sh. Bhagwan Dass. 78, Butail Niwas, Ram Bazar, Simla.

(Transferor)

(2) S/Sh, Puran Chand Bhimta & Jagdish Chand s, o Sh. Kirpa Ram Bhimta R/o Ori P.O. Panog, Teh. Kotkhai. Smt. Sharda Justa W/o Sh. B. S. Justa and Smt. Shobha Justa W/o Sh. O. P. Justa, R/o Panog, Teh. Kot Khai.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th February 1984

Ref. No. SML/2/83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

4 Biswas of land with structure situated at Khalini, Simla (and more fully described in the schedule anexed hreto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLIMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 4 biswas with structure situated at Khalini, Simla (The property as mentioned in the sale deed No. 339 of June, 1983 of the Registering Authority, Simla).

THE SCHEDULE

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—526GI 83

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th February 1984

Ref. No. LDH/58/83-84.--Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building/House No. B. 23. 818 (Plot No. 242) situated at

Indl. Area-A, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registeded under Section 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority Ludhiana in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/Ja

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Smt. Amara Vati W/o Sh. Shadi Ram R/o B.I. 1016/4, Bindraban Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Universal Woollen Mills, 242, Indl. Area-A, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said kmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Building/House No. B. 23-818 (Plot No. 242) Indl. Area-A. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Sale Deed No. 4831 of June, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th February 1984

Ref. No. LDH/56/83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Portion of House No. B.I. 980, situated at Rajpura Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Autho-Ludhiana in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Daulat Industrial Corporation (P.) Ltd., Opp. Police Lines, Rajpura Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Sh. Manmohan Bamba C/o M/s. Vishwanathan and Company Court Road, Civil Lines, Ludhiana. Sh. Subhash Chander Sharma Parkash Bhawan, Civil Lines, Opp. Dak Bungalow, Ludhlana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B.T. 980, Rajpura Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 4794 of June, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-2-1984

FORM I.T.N.S.---

 Col. Kartar Singh Singhota R/o Village Bara Plnd, through Sh. Abhey Kumar Jain S/o Amar Nath Jain, R/o 7C, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ram Rikh Dass & Sons, 306, Kalba Devi Road, Kakad Market, Bombay-2.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th February 1984

Ref. No. LDH/51/83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 176-I, situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Ludhiana in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 176-I, Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 4469 of June, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

FORM I.T.N.S.----

(1) Shri Ajinderpal Singh S/o S. Satnam Singh R/o 415-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ranjana Duggal W/o Sh. Ramesh Chander R/o H. No. B. XI. 329, Iqbal Ganj, Ludhiana. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1984

Ref. No. LDH/97/83-84.—Whereas 1, JOGINDER SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Portion of House on Plot No. 263, situated at Model Gram, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Autho-Ludhiana in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House on Plot No. 263, Model Gram, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 6817 of August, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saki Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1984

Ref. No. LDH/85/83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion of House on Plot No. 263, situated at Model Gram, Ludhana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority Ludhiana in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the /transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajinder Pal Singh S/o S. Satnam Singh 415-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Rani W/o Sh. Mohan Lal S/o Sh. Des Raj, R/o B. XI. 329, Iqbal Ganj, Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House on Plot No. 263, Model Gram, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 6578 of August, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1984

Ref. No. LDH/69/83-84.—Whereas 1, JOGINDER SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House on Plot No. 263 situated at Model Gram, Ludhiana

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Ludhiana in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Paramjit Singh S/o S. Satnam Singh S/o S. Jaimal Singh R/o 415R Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chander S/o Sh. Des Raj S/o Sh. Sohna Mal, R/o B.XI. 329, Iqbal Ganj, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House on Plot No. 263, Model Gram, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5730 of July, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1984

Scal:

FORM ITNS ---

 Shri Paramjit Singh S/o S. Satnam Singh S/o S. Jaimal Singh R/o 415R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohan Lal S/o Shri Des Raj S/o Sh. Sohna Mal, R/o B.XI. 329, Iqbal Ganj, Ludhiana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1984

Ref. No. LDH/61/83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House on plot No. 263, situated at Model Gram,

Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in June, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House on Plot No. 263, Model Gram, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 4980 of July, 1983 of the Registering Autohrly, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I udhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

Scal:

(Transferor)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1984

Ref. No. LDH/49A/83-84.—Whereas I, JQGINDFR SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I udhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of House on Plot No. 263, situated at Model Gram, Ludhiana

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

33-526GI/83

- (1) Sh. Jatinder Pal Singh s/o S. Satnam Singh R/o 41E, Model Gram, Ludhiana.
- (2) Shri Mohan Lal S/o Sh. Des Raj S/o Sh. Sohna Mal R/o B.XI. 329, Iqbal Ganj, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House on Plot No. 263, Model Gram, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 4178 of June, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1984

(1) Sh. Jatinderpal Singh S/o S. Satnam Singh R/o 41E, Model Gram, Ludhiana. (Transferor)

(2) Sh. Ramesh Chander S/o Shri Des Raj S/o Sh. Sohna Mal, R/o B.XI. 329, Iqbal Gani, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1984

Ref. No. LDH/48A/83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of House on Plot No. 263, situated at Model Gram, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House on plot No. 263, Model Gram, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 3861 of June, 1983 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th February 1984

Ref. No. CHD/40/83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 3653 situated at Sector 23D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at Chandigarh in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Prem Gupta W/o Sh. Rupinder Gupta through her Attorney S. Gurdial Singh Dhillon R/o House No. 3653, Sec. 23D, Chandigarh. (Transferor)

(2) Smt. Anu Parbhakar W/o Late Sh. Jagdish Rai Parbhakar, C/o Sh. M. M. Shourle, R/o H. No. 3128, Sec. 27D, Chandigarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3653, Sec. 23D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 358 of June, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th February 1984

Ref. No. CHD/43/83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 1712, situated at Sector 22B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in June, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reditation or eviates of the limitity of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the trunsfer: and/er

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-hax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vinod Kumar Sethi S/o Sh. Kashmiri Lal Sethi through his special attorney Sh. Kuldip Singh S/o S. Piara Singh, R/o H. No. 353, Sec. 35A, Chandigarh.

(Transferor)

(i) Mrs. Anupam Mehta w/o Cap. V. K. Mehta,
 (ii) Cap. V. K. Mehta S/o Sh. Som Raj Mehta residents House No. 70, Sec. 8A, Chandigarh.

(iii) Capt. M. S. Kahlon S/o S. Lachhman Singh Kahlon, R/o 505/18, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1712/22B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 385 of June, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Ludhiana

Assignment Range, Latine

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th February 1984

Ref. No. CHD/44/83-84.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Secion 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
House No. 1519 situated at Sector 34D, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in June, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Smt. Krishna Khanna W/o Sh. Anand Kumar Khanna, Mrs. Manju Pardo W/o Mrs. Oswaldo Pardo through her attorney Smt. Krishana Khanna R/o 1519/34D, Chandigarh.

(Transferor)

12) Mrs. Arvinder Kaur Bedi w/o Late Sh. G. S. Bedi R/o 1619/7C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1519, Sec. 34D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 387 of June, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-2-1984

Scal:

(1) M/s. Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Buildings, Panaji-Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Kader Mohamed Hussain and Mrs. Fatimabi Abdul Kader Baina, Islampura, Vascodagama—Goa.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 24th January 1984

C.R. No. 62/37EE.R-418/83-84/ACQ/8.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvement approach to the competence of t movable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4 at Garden View Apartments

situated at Margao, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore and English Document No. 196/83-84 on 7-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer consideration and that the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 196/83-84 Dated 7-6-1983) Shop No. 4 admeasuring about 27.19 sq. mts. at "Garden View Apartments', Margao, Goa.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Cyma Exports Pvt. Ltd., 135 Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018.

(2) Mr. Sunil Harmukh Jhaveri and Mrs. Sarla Jhaveri C/o Union Carbide India Ltd., 15, Mathura Road, Bombay-400004.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 14th February 1984

C.R. No. 62/R-317.37EE/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 1 on Ground floor "Silver Oak Building" situated at No. 21, Grant Road, Bangalore-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at with the Competent Authority under Section 269AB in his Office at Bangalore under Document No. 242 on 29-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 242/83-84 Dated 29-6-83)
Flat No. 1 admeasuring 1600 sq. ft. on Ground floor Silver Oak Building, No. 21 Grant Road, Bangalore-1.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1984

 Shri N. V. Suresh, G.H. 93, Thyagaraya Colony, Gowribidanur-561208.

(2) Shri U. S. Kumar and

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACI, 1961 (43 OF 1961) Smt. Ammaiah No. 54, 34th Cross, 11th Main 4th T Block, Jayanegar, Bangalore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 8th February 1984

C.R. No. 62/38750/83-84/ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 679/36 situated at between 11th & 36th Cross Jayanagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jayanagar under Document No. 1210/83-84 on 30-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1210/83-84 Dated 30-6-1983; All that property bearing No. 679/36 situated between 11th Main and 36th Cross, Jayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-2-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri M. N. Nanjappa, No. 1182/A, I.C. Cross Road, VII Main, RPC Lavout, Vijayanagar, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kanchan Bai, No. 23/1, III Main Road, Gandhinagar, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 8th February 1984

C.R. No. 62/38400/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 25 and 26 (Out house)

situated at III Main Road. Gandhinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar on 9-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 804/83-84 Dated 9-6-1983) Property bearing No. 25 and 26 (out-house) situated at III Main Road, Gandhinagar, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-34--526GI/83

Date: 8-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 13th February 1984

C.R. No. 62/38887/83-84/ACQ/B—Whereas, 1 MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 89A situated at Kodialbail village, Kodialbail Ward of Mangalore City Corporation bearing TS. No. 218-6A, R.S. (Middle Portion) Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City under Document No. 190/83-84 on 30-6-83 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Radha R. Shetty
 W/o N. Raghuram Shetty
 2. Smt. Shoba
 D/o N. Raghuram Shetty
 3. Sri Hariktishna Hegde
 S/o Raghuram Shetty
 4. Smt. Subha
 D/o N. Raghuram Shetty,
 No. 191, upstairs, VI Cross Gandhinagar,
 Bangalore
- (2) The South Kanara Hotel Complex Pvt. Ltd.,
 Represented by its Director
 Sri V. Harimohan Naidu,
 26-A/Z, Sankey Road,
 Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 190-83-84 Dated 30-6-1983)
All that property bearing 89A Kodialbail Village falling within Kodialbail ward of the Mangalore City Corporation bearing T.S. No. 218-6A, R.S. No. 385-6A (Middle portion) Mangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Bangalore

Date 13-2-1984 **Seal**:

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 13th February 1984

C.R. No. 62/38886/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding R_9 , 25,000/- and bearing

No. 89A situated at Kodialbail village, Kodialbail Ward of Mangalore City Corporation bearing T.S. No. 218-6A, R.S. No. 385-6A (Northern portion) Mangalore

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City under Document No. 192/83-84 on 30-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Umarvathi J. Hegde W/o M. J. Hegde Kodialguthu House Kodialbail, Bangalore Smt. Arathi S. Rai
 Smt. Kavitha Hegde 4. Smt. Niveditha J. Hegde 5. Adip Rai Nos. 2 to 4 represented by their power of Attorney Holder Sri M. Jagannath Hegde, No. 5 Minor represented by power of attorney holder father Sri G. Satish Rai All are residing at 21/2-B, Spencer Road, II Cross, Frazar Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) The South Kanara Hotel Complex Pvt. Ltd., Represented by its Director Sri V. Harlmohan Naidu, 26-A/2, Sankey Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 192/83-84 Dated 30-6-1983) All that property bearing No. 89A situated at Kodialbail village falling within the Kodialbail ward of Managalore City Corporation bearing T.S. No. 218-6A, R.S. No. 385-6A (Northern portion) Mangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date 13-2-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSUT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 00 U

Bangalore-560001, the 13th February 1984

C.R. No. 62/38885/83-84/ACQ/B.- Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Kodhaibail village, Kodhaibail Ward of Mangalore City Corporation bearing T.S. No. 218-6A, R.S. No. 385-6A (South Western portion) Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) have been transferred.

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

transfer with the object of :--

Mangalore City under Document No. 191/83-84 on 30-6-83 at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. Sumathi Shedthi 2. Smt. Shantha J. Shetty, No. 819, L.N. Colony Omprakash Building, Yeshwantpu:, Bangalore
 3. Smt. Radha R. Shetty
 W/o N. Raghuram Shetty
 No. 191, upstairs VI Cross, Gandhinagar, Bangalore 4 Smt. Umavathi J Hegde W/o M. J. Hedge 5. Sri Devdas Sulaya 6. Smt. A. Ahalya Shedthi Sri Ravındra Sulaya Smt. Sevanthi Sulaya
 - 9. Sti Dinakar Sulaya 10. Sri Surendra Sulaya All are residents of Kodulguthu House, Kodialbail Mangalore,
- (Transferoj) (2) The South Kanara Hotel Complex Pvt, Ltd., Represented by its Director Sri V. Harimohan Naidu, 26-A/2, Sankey Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 191/83 84 Dated 39-6-1983) All that property bearing No. 89A situated at Kodialbail Village, Kedialbail ward, Mangalote City Corporation bearing T.S. No. 218-6A, R.S. No. 385-6A (South Western portion) Mangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date 13-2-1984 Seal ·

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGAI ORE-560 001

Bangalore-560001, the 8th February 1984

C.R. No. 62/38811/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, 302, situated at Mahalakshmi Lavout Extension VI Main, Bungalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Rajajinagat on 15-6 1983

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
 - (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Di. V. H. Hanumanthaiah, No. 399/86 (old post office), VII Cross, I. Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri C. S. Shankaranarayana & Smt. C.S. Parvathi 571, 1st Block, III Stage, West of Chold Road, Bangalore

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the 1es pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1113/83-84 Dated 15-6-1983)
Property bearing No. 302 situated at Mahalakshmi Layout Extension, VI Main, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 7th February 1984

C.R.No. 62/38892/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 11/3 situated at V. Cross, Swasti Road,

Shanthinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Jayanagar on 11-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; ., J. L.
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

(1) 1. Smt. V. A. Jayashrec 2. Smt. Doddabale Prafulla G.P.A. Holder Mr. V. A. Pradeep Kuniar, No. 51, Basappa Road, Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Shri Hauuman Prasad Malpani,2. Smt. Shoba Malpani,No. 29/8, Nanjappa Road. Shanthinagar, Bangalore-27

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No .1607/83-84 Dated 11-8-83)
Property bearing No. 11/3, situated at V Cross, Swasti Road, Shanthinagar, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-2-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th February 1984

C.R. No. 62/38752 83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 316, situated at Akkithimmanaballi Shanthinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jayanagar under Document No. 1252/83-84 on 15-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 6fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri S. Kantharaju, No. 24, 1st Cross, HMT Layout Mathikers. Baugeleys

(Transferor)

1. Shri Jagadishkumar
 2. Sri Kuldeep Kumu
 3. Sri Satish Kumar,
 No. 7, 1st floor, 2nd Main Road,
 Sudhamanagar Lalbagh Road Cross,
 Bangalore.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

(Registered Document No. 1252/83-84 Dated 15-7-1983) All that property bearing No. 316 situated at Akkithin manahalli Extension, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-2-1984

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 6th February 1984

C.R. No. 62/39775/83-84/ACQ/B.—Whereas, 1,

MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 56/3 situated at Whitefield Village, K. R. Puram,

Hobli, Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk on 4-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trans as agreed to between the parties has not been trails extend in the said to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income orising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Edith Cecilia Keeler, No. 72, Main Road, Whitefield, Bangalore South Taluk... Bangalore.

(Transferor)

(2) Miss Jacquietine Pote and Melissa Pote, No. 11, D'Souza Layont, Whitefield, Bangalore South Taluk., Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

(Registered Document No. 1154/83-84 dated 4-6-1983) Property bearing Sy. No. 56/3, situated at Whitefied Village, K.R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Date: 6-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1984

RAC No. 516/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land & Building situated at Dhavaleswaram,

Rajahmundry

35-526GI/83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajahmundry on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Durga Venkata Ramanarao
 S/o Late Jagannadham Garu, Main Road, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Kuchipudi Enterprises. Rep. by Sri Dr. Kuchipudi Veera Raju and Others Jayasree Talkies Road, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Durga Theatres situated at Dhavaleswaram village Rajamundry registered by the S.R.O., Rajahmundry vide document No. 3923/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authors? Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P

Date: 15-2-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1984

RAC No. 878/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land situated at Mathampally Huzurnagar Tq (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Huzurnagar on June 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Sri G. Rayapa Reddy & Others, Mathampally, Huzurnagar Tq., Nalgonda Dt. (Transferor)
- (2) M/s. Sagar Cements Ltd., Rep. by Sri V. Buchalah, Director, Nagarjunanagar, Hyderabad-500 875.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 25 acres 20 cents situated at Mathampally Huzurnagar Taluk, Nalgouda Dt., registered by tht S.R.O., Huzurnagar vide 7 separate sale deeds bearing document Nos. 871, 872, 874, 875, 976, 877 and 878/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

RAC No. 470/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Bhavanipuram Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vijayawada on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Narra Varalaxmi and Others, Pattabhipuram, Guntur.

(Transferor)

(2) The Vijayawada Iron & Hardware Merchants Commercial Complex Welfare Society, Steel Palace, Main Bazar, Samarangam Chowk, Vijayawada-320 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Bhavanipuram, Vijaywada Tq., admeasuring 2-96 acres registered by the S.R.O., Vijayawada vide document Nos. 4166, 4590 and 4213/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Dato: 15-2-1984.

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 10th February 1984

RAC No. 471/83-84.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedingly Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 104 situated at M.G. Cloth Market Chirala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per dead registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Chirala in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri T. Scetharam, S/o Chenchu Punnaiah, Chirala.

(Transferor)

(2) Sri G. Rama Subba Rao, shop No. 104, Mahatma Gandhi Market, Chirala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

House property shop No. 104 in Mahatma Gandhi Cloth Market, Chirala admeasuring 276 sft., registered by the S.R.O., Chirala vide document No. 2085/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1984

FORM ITNS----

 Sri A. Hemambara Rao, Senior Engineer, BHEL, Hyderabad.
 Sri G. Krishnaji Rao, Behind Siddartha College, Patamata, Vijayawada-7.

(2) Smt. Bommu Sitaravamma,

W/o Chenochuramaiah, 12th Line, 2nd cross Road, Arundelpet, Guntur.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

RAC No. 472/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayavada on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property situated at Ward No. 26 of Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 4537/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

RAC No. 473/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Governorpet Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. M. B. Nageswaramma, and Others, Kodandaramireddy Veedhi, Governorpet, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri P. V. Subba Rao, D. No. 29-4-12, Kodandaramireddy Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Kodandaramireddy Street, Governorpet. Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 4134/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC 474/83-84.—Whereas, I,

Ref. No. RAC 4/4/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No. Mulgi situated at Chirala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, memely:-

(1) Sri Y. Veera Pratap Kumar, Chirala.

(Transferor)

(2) Sri Gadamsetty Subba Rao. S/o Narasaiah, D. No. 14-128, Ward No. 18. Mahatma Gandhi Cloth Market, Chicala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi at Mahatma Gandhi Cloth Market, Chirala admeasuring 276 sft., registered by the S.R.O., Chirala vide document No. 2381/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-1984.

FORM ITNS

(1) Sri Dasari Raja and Others, Machavaram Down Vijayawada

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sii Khaja Venkateswaia Rao and Others. C/o Rohini Rice Mill, Enikapadu, Vijayawada Tq. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 10th February 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Ref. No. RAC 475/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Enikapadu, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Vijayawada on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Land situated at Enikapadu, Vijayawada admeasuring acres registered by the S.R.O. Vijayawada vide document No. 4664/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-2-1984.

 Sri Satyanarayana Rathi, S/o Sukhdev Rathi, Marwadilane, Vijayawadu-1

(Transferer)

(2) The Chitti Cooperative Building Society Ltd., Rep. by President M. Vceraragnavaiah, Durgaagraharam, Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC 476/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Bhavanipuram Vijayawada.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

36-52601/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANITION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Bhavanipuram admeasuring 1 acre 36 cents registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 4665/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-1984.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri G. Venkata Narasimha Rao and Others. Jaggayyapet.

(Transferor) (2) Smt. K. Laxmi Kumari, W/o Muralidhar, Brahman Veedhi, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. 477/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proporty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Avulaveedhi Vijayawada. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer

at Vijayawada on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Avulaveedhi, Vijayawada 1egistered by the S.R.O., Vijayawada vide 3 separate sale deeds bearing Doc. Nos. 4386, 4387, and 4396/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-1984,

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri B. Laxmana Swamy s/o Veeraswamy and 3 others, Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Katreddy Audilaxmi S/o Atchireddy, Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 478/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Patamala Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Patamata bearing RS No. 77/8 A, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 4555/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 480/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop situated at Chirala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chirala on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namelyy:—

- (1) Sri Gadamsetty Rama Subba Rao, Mahatma Gandhi Cloth Market Chirala.
- (2) Sri Juluri Venkata Narasamma and Others, c/o Bhuma Subba Rao Co., Mahatma Gandhi Cloth Market, Chirala,

(Transferee)

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 188, M. G. Cloth Market, Chirala admeasuring 276 sft., registered by the S.R.O., Chirala vide document No. 2086/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. 479/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Navuluru Village, Mangalaguri Tq. (and more fully described in the Schedule atmexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer

at Mangalagiri on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfet with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Meka Malla Reddy s/o Venkata Reddy, Penumaka, Mangalagiri Taluk, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) Sri Nerella Sarveswara Rao, Main Bazar, Mangalagiri Taluk, Guntur Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 6 acres 40 cents situated at Nowluru village, Bethapudi Panchayat, D. No. 375, Mangalagiri Tq., registered by the S.R.O., Mangalagiri vide document No. 2019/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMPANIATION OF THE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. 481/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immove-tible property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. Land situated at Vissakoduru West Godavari Dt.

No. Land situated at Vissakoduru West Godavari Dt. tand more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 3himavaram on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration neerfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- Bheesetty Venkatramaiah and Others, Palakoderu, Bhimavaram Taluk, West Godavari Dt.
- Delta Paper Mills Limited, Vendra, Bhimavaram Taluk, West Godavari Dt.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and hereoin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 11 acres 75 cents situated at Vissakoderu village West Godavari District registered by the S.R.O., Bhimavaram vide document Nos. 2428, 2427, 2443, 2459, 1793, 1832, 2481, 2480, 1873, 1833, 2066, 2040, 2041, 1991 1983, 1933, 1795, 1796/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. 482/83-84.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Anakapalle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anakapally on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri P. Ramulu Naidu and Other Gavarapalem, Anakapally.

(Transferor)

(2) Navayuga Engineers & Fabrics Regd. firm
Rep. by Sri M. Subba Rao,
Managing Partner,
Vijayawada Town,
Vijayawada,
Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land situated at Anakapally admeasuring 2 acres 60 cents registered by the S.R.O., Anakapally vide document No. 2663, 2664, and 2672/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269®(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. 483/83-84. --- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/ and bearing

No. Land situated at Gadvagunta, Palakollu, W. G. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Penugonda on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Sri B, Ramachandra Raju, Managing Partner. Krishna Sugars, Gadva Gunta Khandrika, Palakollu,

(Transferor)

(2) P. Venkanna Spinning and Weaving Mills (P) Ltd., Rep. by Directors
Sri P. Suryanayayana and
Sri P. Satyanarayana,
S/o Venkanna, Palakollu,
W. G. Dt.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

at Gadvagunta Khandrika village admeasuring Land 8 acres 27; cents registered by the S.R.O., Penugonda vide document No. 1285/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. 484/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Kondapally

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Vijayawada on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--37---526GI/83

(1) Smt. K. Manikyamma w/o Madhusudhana Rao, and Others, Governorpet, Vijayawada.

(Transferor)

(1) The Employees Co-op. Building Society Ltd. Rep. by President Sri P. Balakrishna Sastry, B.Ed., Assistant, Z.P.H. School Kondapally, Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were possible against laters. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 26 acres 87 cents sinated at Kondapally village Krishna District registered by the S.R.O., Vijayawada 10 separate deeds bearing document Nos. 3993, 4007, 2015, 4225, 4121, 4126, 4160, 4092, 4077 and 4043/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. 485/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Land situated at Venigendia Guntur Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Guntur on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. M. Tulasamma w/o China Kota Reddy, Venigandla, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) Guntur Co-operative House Construction Society Ltd., Rep. by Sri Gundavarapu Laxminarayana, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 47 cents situated at Venigandla village Guntur Dt., registered by the S.R.O., Guntur vide document Nos. 5587, 5574 and 5577/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 486/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, bearing No. 5-63 situated at Vijayapuri Secunderabad the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gullalapalem Visakhapatnam

No. House situated at Gullalapalem Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Visakhapatnam on June, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri Prayaga Rama Sanyasi Rao, Maharanipet, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Smt. T. Sarojini
 w/o T. Krishna Murthy,
 H. No. MIG II B/87, Gullalapalem,
 Visakhapatnam, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Gullalapalem, Visakhapatnam registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 7293/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

(1) Sri T. Govindaiah and Others, Chirala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Batchu Pragna & Others, Sattenapally, Ongole Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC No. 487/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. Flat No. shop situated at Chirala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Chirala on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-tics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated at Mahatma Gandhi Cloth Market admeasuring 276 sft. situated at Chirala registered by the S.R.O., Chirala vide document No. 2370/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1984

(1) Sri Desiraju Ramakrishna Rao, Innecsupct, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Smt. B. Leela Rani, w/o V. V. N. S. B. Ramaiah, Razolu Tq., Razolu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 488/83-84.—Whereas. I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Razolu.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Razolu on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Razole admeasuring 624 sq. yds, of land area and 2320 sft., of plinth area registered by the S.R.O., Razole vide document Nos. 542, and 543/83.

M. JICAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10/2/1984

Scal:

 Sri Koneru Venkateswara Rao s/o Veerabhadraiah, Labbipet, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) A.B.C.D. Agri Enterprises (P) I.td., Rep. by Sri Grandhi Balakrishna, M. D., Regd. Office P. B. No. 508, Ramarao Street, Gandhinagar, Vijayawada-520 003,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th February 1984

Ref. No. RAC. No. 489/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immediate property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Kankipadu. Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer

at Kankipadu on June, 1983.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 83 cents situated at Kankipadu, Vijayawada registered by the S.R.O., Kankipadu vide document No. 1081/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

4

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 490/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Land situated at Tadepalli village, Mangalagiri Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mangalagiri on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as uforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Gorla Narasareddy s/o Peri Reddy, Kunchanapalli, Mangalagiri Tq., Guntur Dt.

(Transferor)

(2) Sri Tenneti Kanakamma w/o Venkatareddy, Kunchanapalli, Manalagiri Tq., Guntur Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land admeasuring 0.65 cents situated at Tadepalli village, Mangalagiri Taluk registered by the S.R.O., Mangalagiri vide document No. 2179/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10/2/1984

FORM ITNS----

(1) Sri N. Kunakaiah Chilakaluripet.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. A. Nagaratnam w/o A. Ramagopal, c/o Shop situated at Mahatma Gandhi Cloth Market, Chirala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 491/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi situated at Chirala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala on June. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated at Mahatma Gandhi Cloth Market, Chirala admeasuring 276 sft., registered by the S.R.O., Chirala vide document No. 2149/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10/2/1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 492/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Gorantla village, Guntur, Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—526GL/83

(1) Sri J. Lakshmayya s/o Kotayya, Bhimayaram.

(Transferor)

(2) Sri Maddineni Hanumantha Rao s/o Rungaiah, Srinivasa Colony. Guntur.

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Gorantia village, hearing RS. Nos. 486 and 495/1, registered by the S. R. O., Guntur vide document No. 5600/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10/2/1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Datla Laxmana Murthy Raju, Veeravaram, Peddapuram Tq.

(Transferor)

(2) Smt. S. Satheemani w/o Abraham, Plot No. 38, Madhavanagar, Kakinada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 493/83-84.—Wheteas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Madhavanagar, Kakinada.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Ward No. 2 Madhavanagar registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 5188/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10/2/1984

(1) Sri Nadimpalli Subha Raju, Komaragiripatnam, Amalapuram Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM, TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sti T. Satyanarayana and Sti T. Suryanarayana, Komaragiripatnam, Amalapuram T.q. E. G. Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 494/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Rice & Flour Mul situated at Komaragiripatnam

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Kakinada on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice and Flour Mills situated at Komaragiripatnam, Amalapuram Tq., registered by the S.R.O. Kakinda vide document No. 5213/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.F.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10/2/1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 495/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Gandhinagar, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Sriramamurthy and Others, D. No. 8-22-36, Gandhinagar Cement Road, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri M. Rama Satyanarayana, s. o Ramarao, Chavalivari Vecdhi, Ganhdinagaram, Kakinada.

(Timnsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 18 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot situated at Gandhinagar, Kakinada admeasuding 500 sq. yds. registered by the S.R.O. Kakinada vide document No. 5237/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri M. Kesavaramamurthy and Other, Seethaphalmandi, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt, V, V. L. Ranganayakamma, w/o V. Hanumantha Rao, Opp. Gopal Auto Service, Cine Street, Kakinadæ533 001.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 496/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No. House situated at Kakinada.

- a (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on June, 1983.
 - for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Kakinada bearing D. No. 2-44-15 registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 5207/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10 2/1984

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 497/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Palakol.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Palakol on June, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri M. Nargsimha Rao. s/o Satyanarayana, D. No. 17-1-23. Ward No. 8. Palakol.

(Transferor)

(2) Sri M. Anandarao. s/o Smanganayakulu, Ward No. 13, Dr. No. 36-3-13, Palakol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice ir. the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 17-7-33 situated at Pala-Kal. registered by the S.R.O., Palakal vide document No. 1457/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S.1 Muri Suryanarayanamma, Vidyadharapuram, Vijayawada-12

(Transferor)

(2) Sri Annam Poornachandra Kumar, s/o Baparao, isheemanavatinet. Vijavawach.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDER \BAD (A P)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 498/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Vijayawada. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 11-37-20 situated at Chippalavari Street, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 4659/83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 10/2/1984

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Relangi Narsamma w/o Hanumanthaiah, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri P. Venkata Narasimhaiah, s/o Satyam, D. No. 60-1-34, Ward No. 26, Kakinada.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 500/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Kakinada.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) ni the office of the Registering Officer at Kakinada on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, 1 amely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is a house situated at Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 5045/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 501/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing No.

Rice Mill situated at Mandapeta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandapeta on June, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following netsons. namely:-

39-526GI/83

 Sri B. China Veeraraju, s/o Venkataswamy, Mandapeta.

(Transferor)

(2) Sri Vanka Venkata Surya Satyanarayana Chowdary, s/o Satyam, c/o 5-10-10, Scetharama Rice Mill., Mandapeta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Seetharama Rice Mills bearing D. No. 5-10-10 situated at Mandapeta village registered by the SR.O, Mandapeta vide document No 1215/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 10/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 502/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconve-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Diwan Cheruvu, Panchayat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajahmundry on June, 1983. for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Y. Vijaya Kumar. s/o Venkatagiri. Kolamuru Sivaru. Konthamuru.

(Transferor)

(2) Sri Y. Satyanarayana, s/o Pothuraju, A.P.S.E.B. Employees Co-op. Bullding Society Ltd., Innespet Rajahmundry, E.G. Dt.

(Triansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 3 acres situated at Diwan Cheruvu Panchayat, Rajahmundry registered by the S.R.O. Rajahmundry vide document No. 3916 and 3977/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri D. Ranga Rao. Thikkala Road. Vijayawada.

(Transferor)

 Sri Swaroop Singh and Others, D. No. 20-238, Patamata, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; ----

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 503/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

- House situated at Patamata, Vijayawada.
 - (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred
 - as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 4327/83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10/2/1984

Soal

(1) Sri P. Ramesh, s/o Baburao, Eluru, W. G. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri N. Anjaneyulu, s/o Laxminarayana, Mallikarjunapeta, Mallikarjuna Veedhi, Vijayawada, Krishna Dt.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 504/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Scetharampur, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on June, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Sitharampuram known as Nataraj Tutorials registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 4556/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under: subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10/2/1984 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 505/83-84,—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Nallapadu, Guntur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sri S. Hrudaya Raju, Guntur. and Others.

(Transferor)

(2) The Diocese of Guntur Society, Rep. by Father B. Abraham, Dominion Selio, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 4-1-135 in Nallapadu village, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 5498/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 506/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Ramanayyapeta, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred under the Indian Registration Act, 190

has ben transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri S, Sreeramachandra Murthy & Others, Nageswararao Street, Ramaraopeta, Kakinada,

(Transferor)

(2) The Government Doctors
Co-Operative House Building Society Ltd.,
Rep. by President
Sri Dr. N. Venkata Rao,
Civil Asst. Surgeon,
Government General Hospital,
Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 6635 sft., situated at Ramanay-yapeta, Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide 6 separate sale deeds bearing document Nos. 5249 5303, 5288, 5306, 5338 and 6728/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

Date: 10-2-1984

Scal 1

_ __ __

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri P. Suryanarayanamma and Others, Governorpet, Vijayawada.

(Transferor)

 Sri Chennupati Viswanadha Rao s/o late Dasaradharamayya, D. No. 27-37-29, Governorpet, Viiavawada,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th February 1984

Ref. No. RAC. No. 507/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Governorpet, Vijayawada.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Governorpet, Vijayawada admeasuring 247 sq. yds. and plinth area 480 sft., registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 4542/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 9/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th February 1984

Ref. No. RAC. No. 508/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair merket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Nallapadu, Guntur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Guntur on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. P. Usha Rani, w/o Sampathkumar, Rep. bv Sri Ch. Venkataramanaiah, s/o Kotwiah, Vijayawada.

(Transferor)

 Sri Nannapaneni Venkataratnamma, w/o Veeraiah, Chandramoulinagar, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lnad situated at Nallapadu, Krishnanagar, Guntur udmeasuring 406 sq. yds. registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 4868/83.

M. JEGAN MQHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th February 1984

Rei. No. RAC No. 509/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land situated at Korltipadu Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Guntur on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

40-526GI/83

Date: 9-2-1984

Scal:

(1) Sri Mahanti Shankar Das, Guntur.

(Transferor)

(2) The Guntur House Construction Co-Op. Housing Society Ltd., Rep. by Srl Abpa Rao, Secretary, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Koritipadu, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 5605/83.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

FORM ITNS----

 Sri B. Ramachandramurthy, S/o Srinivsarao, Navynagar, Bombay.

(Transferor)

 Smt. Malempati Bharathilaxmi, W/o Dr. Rajendraprasad, Nehrunagar, Guntur.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th February 1984

Ref. No. RAC 510/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No. House situated at Guntur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering
Officer at Guntur on June 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Brodipet, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide 2 separate sale deeds bearing document Nos. 5035, 5037/83.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th February 1984

Ref. No. RAC No. 511/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/50 share in Rice Mill Tenali (and more fully described in the Schedula annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Tenali on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Sri Grandhi Ramakoteswara Rao, S/o Grandhi Sriranganayakulu, Marispet, Tenali.

(Transferor)

(2) Smt. A. Rajini Kumari, W/o Venkateswara Rao, Relangivari Veedhi, Najarpet, Tenali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

11/50th share in the Rice Mill situated at Gandhinagar, Tenali registered by the S.R.O., Tenali vide document No. 2588/83.

M. JEGAN MOHAII,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th February 1984

Ref. No. RAC No. 512/83-84.—Whereas, İ, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Patamata Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per dead registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Ramineni Nagendrababu, S/o Raghavaiah, Patamata, Vijayawada.
- (2) State Electricity Board Op. Cidcle Staff Co-op. Building Society, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 acres 26 cents situated at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O. Vijayawada vide 4 separate sale deeds bearing document Nos. 4623, 4624, 4625 and 4680/83.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC No. 513/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Piduguralla, Guntur Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Piduguralla on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Kesaram Leelananda, Pidugudalla, Guntur Di...

(Transferor)

(2) Sri Udatha Anantharamaiah & 6 Others, Piduguralla, Guntur Dr., D. No. 525-1 and 525-2. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. No. 525-1 and 525-2 Piduguralla village, Guntur Dt. registered by the S.R.O., Piduguralla vide document Nos. 1419/83, 1420/83.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC No. 514/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Movva Kotamma & Others, C/o Venkataratnam, Vemur, Tenali Tq.

(Transferor)

Sri Kanneganti Srinivas S/o K. V. Ramakrishna,
 D. No. 16-39-27, Bhupativari Street, Salipeta,
 Tenali,
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 16-39-27, Bhopativari Street, Salipet, Tenali registered by the S.R.O., Tenali vide 2172, 2173 and 2216/83.

M. IEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hydedabad.

Date: 10-2-1984

Seat:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. P. Veera Venkata Subbalaxmi, Sujatha, S/o Suribabu, Jaharveedhi, Kakinada.

(Transferor)

(2) Srl Parvathini Ramesh Kumar S/o Surya Bhaskara Rao, Suryaraopeta, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1984

Ref. No. RAC No. 515/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Bhimacrosurpalem, E.G. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Kakinada on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 acres 52½ cents situated at Bhimacrosapalem, Ramachandrapuram Tq. E.G. Dt. registered by the S.R.O. Kakinada vide document Nos. 5477, 5434, 4738 and 4771/83.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

New Delhi, the 10th February 1984

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

Ref. No. IAC/Acq.J/37EE/6-83/278.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1504A, situated at 89-Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC(Acq.)Range-I on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mode than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawan,
 22-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Auto Pins (India) Pvt. Ltd. Industrial Area, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (t) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1504A at 89, Nehru Place, New Delhi 548 sft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi /New Delhi.

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING. 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I. 37EE, 6-83/280.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 1005A, situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering

Officer at IAC (Acq.) Range-I on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

- (1) Master Arvind Ashok Singh & Master Rahul Ashon Singh U/G Sh. Ashok Pratap Singh R/o 5-Western Avenue, Maharani Bagh, New Delhi.
- (Transferor) (2) Sh. Bimal Khosla R o P.O. Box

6274, Dubai (U.A.E.).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1005A, 21-Barakhamba Road, New Delhi mg. 300

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Master Hemant Bharat Ram, Master Sumant Bharat Ram U/G Sh. Vinay Bharat Ram Master Ashish Bharat Ram, Kartika Bharat Ram, Deeksha Bharat Ram U/G Sh. Arun Bharat Ram and Sh. Vivek Bharat Ram R o 25-Sardar Patel Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Bimal Khosla R/o P.O. Box 6274, Dubai (U.A.E.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Alq.I/37EE/6-83/281.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. bearing No. Flat No. 1005, situated at 21-Barakhamba Rood, New Delhi

21-Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been the vivil stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1005, on 10th floor, in 21-Barakhamba Road, New Delhi

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Λcq.I/37EE/6-83/282.—Whedcas, ſ, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Rear portion of No. 12, situated at Siri Fort Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering

Officer at IAC(Acq.) Range-1, on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) S. Dharam Singh as Trustee of Dharam Singh Family Trust, A-2/140, Safdarjang Fnclave, New Delhi. (Transferor)
- (2) Messrs Neo-Pharma Instruments Corporation R/o Kasturi Bldg. J. Tata Road, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion of 3rd floor No. 12, Siri Fort Road, New Delhi mg. 950 sft.

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/6-83/284.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 719, situated at 89, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I in June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indiau Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Miss Shashi Gupta, L-13, South Extension Part-II, New Delhi-49.

(Transferor)

(2) Sh. V. K. Bajaj S/o Sh. K. L. Bajaj E-91, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 719 at 89 Nehru Place, New Delhi mg. 325 sft.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 10-2-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC /Acq.I/37EE/6-83/285.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 10, situated at F-Block, Connaught Place, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-1 in June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Kumar Investment, 75, Gandhi Road, Dehradun (UP) through Mr. Shashi Bhushap.

(Transferor)

(2) D. M. Bedi (HUF) C/o Bedi Stores D-13, Bagri Market, 71, Canning Street, Calcutta-1, Mrs. Kaushalaya Bedi W/o D. M. Bedi, Mrs. Sneh Bedi W/o Kamal Bedi, Mrs. Sujata Bedi W/o Vimal Bedi all R/o 2, Princep Street, Calcutta-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10 on 1st floor in Competent House, F-Block, Connaught Place, New Delhi mg. 786.07 sft.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-2-84

(1) M/s Tower Height Builders (P) 1.td. D-31, Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE /NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Vikram Mehra through natural guardian (father) Sh. R. K. Mehra A-15, Oberni Apartments, 2-Sham Nath Marg, Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 10th February 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC/Acq.I, 37EE/6-83/286.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 6-A (Fl²), situated at Kundan House, 16-Nehru Place, New Delhi

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Officer at IAC (Acq.) Range-l on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 6A, first floor, mg. 447 sft. Kundan House, 16-Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-84

FORM ITNS------

(1) M/s Gopal Das Estates & Housing Pvt. Ltd., 28-Bauakhamba Road, N. Dethi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I, NEW DILHI

COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No IAC Acq 1/37EF 6-83 287.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

bearing No. 95 LGF, entuated at 28-Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Officer at IAC(Acq) Range-I on June 83

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mi. R. k. Anand, Mrs. Dayawati, Mrs. Kshama Anand Mis. Manju Rani and Mrs. Sudha Anand, D-1 13, Lahori Tola, Varanası.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

95-LGF Dr. Gopal Das Bhawan, 28-Barakhamba Road, New Delhi mg 358 sft,

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assist ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1984

(1) M/s Kailash Nath and Associates, 18-Barakhamba Road, N. Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Harbans Singh Bajaj, Mr. Harinder Singh Bajaj and Mr. Mohinder Singh Bajaj, House No. 63, Sector 9-A Chandigarh. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. 1AC, Acq. I/37EE/6-83/289.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 'A', situated at 28, Ferozeshah Road, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 'A' area 1600 sft, on fifth floor, 28-Ferozeshah Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/6-83/290.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable immovable immovable immovable immovable. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Pratag Bldg., situated at

N-Block, Connaught Circus, New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 198 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC(Acq) Range-I on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Competent Builders, 101 Competent House F-14, Middle Circle, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s H. C. Mehta & Co., 5-N/24, N.I.T. Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial space flat No. 306, in Pratap Bldg., N-Block, Connaught Circus, New Delhi mg. 742.5 sft.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-2-1984

Seal:

42 -526GI/83

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No .IAC/Acq.I/37EE/6-83.292.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

bearing No. 201-B, situated at Parkash Mohalla Garhi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule anexed hereto). has been transferred in the office of the Registering

Officer at IAC (Acq.) Range-I, on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Parkash Wati Kalra R/o DI-83, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bishamber Nath Kalra R/o 201-B Parkash Mohalla, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 201-B. Parkash Mohalla, Gurhi. New Delhing. 100 sq. yd.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi 'New Delhi.

Date: 10-2-84

FORM ITNS----

 Shri Mangha Ram C/o D-J/100 Teipet Nager, N Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Anup Singh, D-1/109, Lajpat Nagar, N. Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-II1/6-83 571.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. D-I/109, situated at Lajpat Nagar, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storcy Govt. built quarter No. D-I; 109, Lapat Nagar, New Delhi mg. 100 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi the 10th February 1984

Ref., No. IAC./Acq.I/SR-III/6-83/769.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 49, situated at Kotla Mubarakpur, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Santosh Kumari W/o Sh. Rajeshwar Rai R/o 19A, Amrit Nagar New Delhi through special attorney Rajendia Kumar Akre.

(Transferor)

(2) Harminder Singh S/o S. Bhag Singh R/o R-10, NDSE-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49, mg. 150 sq. yds. Khasra No. 109, Amrit Nagar, Kotla Mubarakpur, N. Delhi.

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi /New Delhi.

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE New DELHI

New Delhi, the 10th February 1984 Ref. No. IAC/Acv.1/SR-III/6-83/785 --- Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. G/5-A situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Company of the last of the las (1) Smt. Bhagwan Devi W/o Late Shri Nihal Chand R/o E.17, Double Storey, Kalkajı. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Yog Raj S/o Shri Atam Parkash R/o M.-44, Old Double Storey, Jajpat Nagar-IV, N. Delhi & Shri Homender Kumar S/o Shri Atam Parkash R/o M-44, Old Double Storey, Lajpat Nagar-IV, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G/5-A- mg, 100 sq. yds. Kalkaji, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. K. Lakshmi 2/48 Sarva Priya Vihat, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s Amarjit Singh Johar & Co, C-139 Defence Colony, New Delhl-110024,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE
New DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acg.J/SR-JII/6-83/544.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. E-266 Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at I.A.C. (Acq) R.I

in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-266, Greater Kailash-I, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name; :—

Dato: 2-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/6-83/SR-III/546.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. 286 Greater Kailash situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at in June. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kokila Sawhney W/o Shri S. C. Sawhney 34/107 Patel Nagar New Delhi & Shri Harish Narang R/o 269 Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Roshan Alkazi W/o Mr. E. H. Alkazi R/o 28 A Nizammuddin West. New Delhi.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Single unit house No. S-286 Greater Kailash, New Delhi built on a plot of land measuring 304 sq. yds. (252 sq. mts.).

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Delhi/New Delhi

Date: 2-2-1984

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAN

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE New DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6.83/545.—Whereus, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C-176 Greater Kallash situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sushila Wati, Smt. Surinder Vij, Smt. Veena Vij,

Smt. Veena Vij, Smt. Kamlesh Vij.

(Transferor)

(2) M/s. Engineering Construction Corporation, 32 Shlvaji Marg, New Delhi.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-176 Greater Kailash-I, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 2-2-1984

FORM ITNS----

Shri Om Prakash Kalra
 Shri Madan Lal Kalra
 Shri Rajendra Nath Kalra

 Shri Rajendra Nath Kalra R/o G-147 Nanakpura, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Shivali Trading & Investment (I) Pvt. Ltd. G-14 Eros Appartments Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/6.83/552.—Whereas. I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing S-336 Greater Kailash-I, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Office at IAC (Acq) R.I. in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-336 Greater Kailash-I, New Delhi, app. 1150 s. ft.

SUDHIR CHANDRA Compentent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—43—526GI/83

Date: 2-2-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Diwan Chand Chanda S/o Shri Jinda Ram Chanda R/o 10/61 Vikram Vihar Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Raj Sikka S/o Shri M. L. Sikka R/o 2322 Laxmi Narain Street, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/6-83/547.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having v fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. G-131 Kalkaji situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq) R.I. in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-131 Measuring 200 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 2-2-1984

FORM LT.N.S.-

(1) Shri J. N. Thandani through Shri R. N. Thandani General Attorney K-34 Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. K. Somany & Smt. Snch Late Somany R/o B-2/14 Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/543.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reached to be incompeted by the competent by having a fair market value of the Paragraph of the Competent by the competent by the competence of the co property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 12 Block No. B-5 Saldarjang Enclave

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property No. 12 Block No. B-5 Safdarjang Enclave Residential Scheme, New Delhi 500 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 2-2-1984

FORM ITN9--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GQVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/562.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as t'ae 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S-174, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. S. Verma S/o Shri Amar Singh Verma and Smt. Birma Devi W/o Shri Amar Singh Verma R/o S-174, Greater Kailash, Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishore Kumar Sushil S/o Shri Amar Nath R/o 162-D, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-174, Greater Kailash-I, New Delhi mg. 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

 Shri Shri Tejasingh Awatramani S/o Shri Teja Singh R/o M-II/47 Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Suresh and Naresh Sons of Shri Fateh Chand Mehta R/o C-II/25 Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/6-83/548.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. M-II/47 Lajpat Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.I. New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. M-II/47 measuring 200 sq. yds. situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 2-2-1984

 Shri Dharam Dev Mahajan, D-60, Lajpat Nagar-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. O. B. Tandon C-55, Anand Niketan, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.J/SR-III/6-83/553.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. C-55, situated at Anand Niketan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House constructed on plot No. C-55, Anand Niketen, N. Delhi mg. 393.70 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/770.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I-C/138, situated at Lajpat Nagar, New Delhi of Mahal Industrial Estate, Off Mahakali Caves Rd. Andheri (East), Bombay-93 situated at Andheri (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Satish Kumar
 S/o Shri Ganpat Rai
 R/o A-66, Avas Vikas Colony,
 Saharanpur,

(Transferor)

(2) Smt. Phool Devi W/o Shri Mohan Lal C/o Shri S. S. Kapoor S/o Shri Dina Nath Kapoor D-1/30, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I-C/138, Lajpat Nagar, New Delhi mg. 100 so. yds,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI
New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/616.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House situated at Vill. Jogabai, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Khiali Ram S/o Shri Chhajjan R/o Jogabai, New Delhi through attorney Abdul Hameed Rehmani.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi through its Secretary Abdul Quddus Naqvi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House mg. 140 sq. yds. khasra No. 161 min, in abadi laldora of vill. Jogabai, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/6-83/618.—Wherens, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Vill. Jogabai, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—44—526GI/83

Shri Badiuzzaman
 S/o Mohd. Saieed
 R/o Jamia Nagar, New Delhi through attorney
 Maulana Ashiq Ali Asri.

(Transferor,

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, Jamia Nagar, New Delhi, through its President Abdul Hameed Rehmani.

(Transferce);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House mg. 111 sq. yds. khasra No. 111 min abadi laldora of vill. Jogabai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/619,—Whereas, T, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House built on land situated at Vill. Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Roohi Naushaba
D/o Badar Alam
W/o Shri S. M. Rashid Nadeem Alam
S/o Late Badar Alam
R/o 337G/13, Batala House,
Jamia Nagar, New Delhi
through attorney
Shri Maulana Ashiq Ali Asri
R/o 8/1, Jogabai, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, Jamia Nagar, New Delhi, through its president Abdul Hameed Rehmani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on land mg. 111 sq. yds. khasra No. 161 min, in abadi laldora of vill. Jogabai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III-6-83/620.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House built on land situated at Vill. Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the wansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shahjahan Begum W/o Abdul Ghaffar R/o Jamia Nagar, New Delhi through attorney Maulana Ashiq Ali Asri S/o Gul Hasan R/o 8/1, Jogabai, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi, through its president Abdul Hameed Rehmanl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 1—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House built on land mg. 111 sq. yds, khasra No. 161 min. Vill. Jogabai, New Delhi within laldora abadi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDINF, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/6-83/624.—Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. house mg. 500 sq. yds. situated at Vil. Jogabai, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mian Mohd. Sultan S/o Mian Abdul Rasheed R/o Jamia Nagar, N. Delbi through general attorney Dr. Zahind Hssain Khan.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi, through its Sect. Abdul Quddus Nagvi

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House mg. 500 sq. yds. khasra No. 164 min situated in abadi Laldora of Vill. Jogabai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-! Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/654.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House built on land situated at Vill. Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Qazi Mohd. Islam
S/o Qazi Abdul Naicem
R/o 2016, Ahata Kale Saheb,
Ballimaran, Delhi
throgh attorney
Maulana Abdul Hameed Rehmani
S/o Abdul Jabbar
R/o 54, A, Zakir Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre,
 8/1, Jogabai,
 New Delhi,
 through its sect.
 Abdul Quddug Naqvl

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on land mg. 150 sq. yds. khasra No. 161 min, in abadi laldora of vill. Jogabai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/617.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House built situated at Vill. Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Abdul Hannan Khan S/o Shri Haqqul Movin Khan R/o Jamia Nagar, New Delhi, through attorney Maulana Ashiq Ali Asri,

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, Jamia Nagar, New Delhi, through its president Abdul Hameed Rehmani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House mg. 111 sq. yds. khasra No. 161 min, in abadi laldora of vill. Jogabai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/655.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing House built on land situated at Vill. Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Periotrales Office of

in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983 for an apparent consideration which is less

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Qazi Mohd. Ahmad S/o Qazi Abdul Naleem R/o Jamia Nagar, New Delhi through GA Maulana Abdul Hameed Rehmani S/o Shri Abdul Jabbar R/o 54A, Zakir Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, Jamia Nagar, New Delhi, through its Sect. Abdul Hameed Rehmanl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on land mg. 130 sq. yds. khasra No. 161 min in vill. Jogabai, New Delhi within Laldora abadi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/656.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House built on land situated at Vill. Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Qasi Mohd. Islam S/o Qazi Abdul Naleem R/o H. No. 2016, Ahata Kala Sahab, Balli Maran, New Delhi through attorney Maulan Abdul Hameed Rehmani S/o Abdul Jabbar R/o 54A, Zakir Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi, through its Sect. Abdul Quddus Naqvi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on land mg. 110 sq, yds, khasra No. 161 mln, village Jogabai, New Delhi within Laldora abadi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

FORM ITNS----

(1) Shri Tek Chand S/o Shri Chuttan R/o Jogabai, New Delhi through GA Ashiq Ali Asri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/657,-Whereas, I, Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/657.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 8-B, situated at Vill. Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Revistration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house No. 8-B, mg. 83 sq. yds. khasra No. 161 min vill. Jogabai, New Delhi (in abadi laldora).

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range l Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:-45—526QT/83

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. N o.IAC/Acq.I/\$R-III/6-83/658,---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 8/1, situated at Vill. Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt, Razia Begum w/o Mohd. Sharif Khan r/o 8/1, Jogabai, New Delhi through Attorney Abdul Quddus Naqvi S/o Maulana Taqriz Ahmad, 9A, Ghafoor Nagar, Jamia Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi through its President Maulana Abdul Hameed Rehmani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house built on plot of land No. 8/1, mg. 50 sq. yds. khusra No. 161 min, village Jogabai, Teh, Meh., New Delhi within laldora abadi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/659.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
House No. 8/1, situated at Vill. Jogabni, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :--

(1) Smt. Razia Begum w/o Mohd, Sharif Khan r/o 8/1, Jogabai, New Delhl through Attorney Abdul Quddus Naqvi S/o Maulana Taqriz Ahmad, 9A, Ghafoor Nagar, Jamia Nagar, New Delhi.

(Transferor)

 (2) Islamic Awakening Centre,
 8/1, Jogabai, New Delhi through
 its President Maulana Abdul Hameed Rehmant. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house built on plot of land No. 8/1, mg. 49 sq. yds, khasra No. 161 min. vill. Jogabal, Tch. Meh., New Delhi within laldora, abadi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III|6-83|660.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House built on land situated at Vill. Jogabai, N. Delhl. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Qazi Mohd. Islam S/o Qazi Abdul Naicem r/o 2016, Ahata Kale Sahab Ballimaran, Delhi through attorney Maulana Abdul Hameed Rehmani S/o Abdul Jabbar r/o 54A, Zakir Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi through its Sect. Abdul Quddus Naqvi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Action shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on land mg. 130 sq. yds., khasra No. 161' min in abadi laldora of vill. Jogabai, New Dlehi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

154to: 16-2-1984

(1) Dr. Qazi Mohd, Ahmed S/o Qazi Abdul Naicem R/o Jamia Nagar, New Delhi, through GA Maulana Abdul Hameed Rehmani S/o Abdul Jabbar r/o 54A, Zakir Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Islamic Awakening Centre,8/1, Jogabai, New Delhi through its Sect. Abdul Quddus Naqvi. GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC. Acq.I/SR-III 6-83 661.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House built on land situated at Vill. Jogabai, N. Delhi-(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

House built on land mg. 110 sq. yds. khasra No. 161 min. in Vill, Jogabai, New Delhi within laldora abadi. (

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Pelhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/o Gul Hasan r/o 8/1, Jogabai, N. Delhi.

Shri Ram Pershad S/o Chhajjan r/o Vill, Jogabai, New Delhi

through attorney Maulana Ashiq Ali Asri

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.[/SR-III]6-83]662.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq. [/SR-III] [6-83] [662.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House built on land situate dat Vill. Jogabai, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi through its President Maulana Abdul Hameed Rehmani. (Transferee) 12411

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on land mg. 120 sq. yds. khasra No. 161 min, Vill. Jogabai, New Delhi within laldora abadi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/663.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. House built on land situated at Vill. Jogabai, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ram Pershad S/o Chhajjan
 r/o Jogabai, New Delhi
 through attorney Maulana Ashiq Ali Asri,
 S/o Gul Hasan R/o 8/1 Jogabai, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi through its President Maulana Abdul Hameed Rehmani. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on land mg. 130 sq. yds. khasra No. 161 min. vill. Jogabai, New Delhi within Laldora Abadi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Tek Chand S/o Chuttan r/o Jogabai, New Delhi through attorney Ashiq Ali Asri.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/6-83/664.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

8-B, situated at Vill. Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 8-B, khasra No. 161 min. mg. 85 sq. yds, in abadi laldora of vill. Jogabai N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III-SEC. 11

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/665.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 8-B, situated at Vill Jogabai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

46-526GI/83

(1) Tek Chand S/o Chuttan R/o Jogabai, New Delhi through attorney Ashiq Alı Asıı.

(Transferor)

 (2) Islamic Awakening Centre,
 8/1, Jogabai, New Delhi through
 its President Maulana Abdul Hameed Rehmani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 8-B, mg. 80 sq. yds. khasra No. 161 situated in abadi laldora of vill. Jogabai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, DELHI/NEW DELHI

Date: 16-2-1984

 Shri Tek Chand S/o Chuttan r/o Jogabai, New Delhi through G/A Ashiq Ali Asri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhl.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III|6-83|666.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 3-B, situated at vill. Jogabi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1 6of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of house No. 8-B, mg. 81 sq. yds, khasra No. 161 min vill, Jogabai, New Delhi within laldora abadi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taAcquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Tek Chand S/o Chuttan r/o Jogabai, New Delhi through attorney Ashiq Ali Asri.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabal, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR LUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III|6-83|667.--Whereas, I.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of he publication of this notice in the Official Gazette

and bearing No.
House No. 8-B, situated at Vill. Jogabai, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in

June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Part of house No. 8-B, mg. 95 sq. yds., khasra No. 161 min. in abadi loldova of vill. Jogabai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1 G-13, GROUND THOOR, CR BUILDING, IP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III₁6-83[668, --Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 8-B, situated at Vill, Jogabar New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tek Chand S/o Chuttan r/o Jogabai, New Delhi through attorney Ashiq Ali Asri.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi, through its president.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 8-B, mg. 82 sq. yds. khasra No. 161 mm, in abadi laldora of vill. Jogabar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date 16-2-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-1II/6-83/669.-- Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 8-B, situated at Vill. Jogaoai, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tek Chand S/o Chuttan r/o Jogabai, New Delhi through attorney Ashiq Ali Asri.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 8-B, mg. 82 sq. yds. khasra No. 161 min, in abadi laklora of vill. Jogabai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ret. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83|670.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 4 situated at Vill, Jogabai, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 Shri Balwant Singh s/o Shri Khiali Ram, r/o 13-Vill. Jogabai, N. Delhi through attorney Abdul Quddus Naqvi s/o Taqriz Ahmad, r/o 9A, Ghafoor Nagar, Jamia Nagar, N. Delhi,

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, Jamia Nagar, N. Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 4 mg. 30 sq. yds. khasia No. 161 min. in abadi laldora of vill, Jogabai, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delha.

Date: 16-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83|671,-Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83|671,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 4 situated at Vill. Jogabai, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

of 1908) in the Office of the Registering Officer N. Delhi on June, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Balwant Singh s/o Shri Khiali Ran, r/o 13-Vill. Jogabai, N. Delhi through his attorney Abdul Quddus Naqvi s/o Taqriz Ahmad, r/o 9A, Ghafoor Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, Jamia Nagar, N. Delhi through its President Abdul Hameed Rehmani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of houe No. 4, msg. 25 sq. yds. khasra No. 161 min. vill. Jogabai, New Delhi in abadi loldora.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-2-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDI-R SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83|672.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House No. 4 situated at Vill. Jogabai, N. Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

N. Delhi on June, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Balwant Singh
O Shri Ishiali Ram,
roo 13-Vill, Jogabar,
N. Delhi
through his attorney
Abdul Quddus Naqvi
So Taqriz Ahmad,
roo 9A, Ghafoor Nagar,
N. Nelhi.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre.
 8/1, Jogabai,
 N. Delhi
 through its President
 Abdul Hameed Rehmani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 4, mg. 25 sq. yds. khasra No. 161 min. vill. Jogabai, New Delhi in abadi laldora.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi 'New Delhi.

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I, P. FSTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83|673,—Whereas, I., SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8/1 situated at Vill. Jogabai, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—526G1/83

 Smt. Razia Begum w/o Mohd. Sharif Khan, r/o 8/1, Jogabai, N. Delhi through his attorney Abdul Quddus Naqvi s/o Maulana Taqriz Ahmd., 9A, Ghafoor Nagar, Jamia Nagar N. Delhi.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai N. Delhi through its President Maulana Abdul Hameed Rehmani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable peroperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house built on plot of land No. 8/1, mg. 51 yds. khasra No. 161 min, vill. Jogabai, N. Delhi within laldora abadi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 16-2-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III. 6-83/674.-Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority ander Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Part of house No. 8 situated at Vill. Jogabai, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sugriv Yadav s/o Ram Parshad, r/o Jogabai, N. Delhi through attorney Abdul Quddus Naqvi s/o Taqriz Ahmed, r/o 9A, Ghafoor Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, N. Delhi through its President Maulana Abdul Hameed Rehmani.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 8 mg, 60 sq. yds. khasra No. 161 min, in abadi laldora of vill. Jogabai, N. Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initlate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. IAC / Acq I SR-III 6-83/675.- Whereas, J. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8 situated at Vill. Jogabai, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at New Delhi on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sugriv Yadav 5.0 Ram Parshad, 1.0 Jogabai, N. Delhi 1.1 through attorney Abdul Quddus Naqvi

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centie, 8/1, Jogabai, Jamia Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 8, mg. 70 sq. yds. khasra No. 161 min., abadi laldora of vill. Jogabai, N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1984

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/6-83|676.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House No. 8 situated at Vill. Jogabai, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sugriv Yadav
s/o Ram Parshad,
r/o Jogabai, N. Delhi
through attorney
Abdul Quddus Naqvi
s/o Taqriz Ahmed,
r/o 9A, Ghafoor Nagar,
N. Delhi,

(Transferor)

(2) Islamic Awakening Centre, 8/1, Jogabai, N. Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Part of a house No. 8, khasra No. 161 min., in abadi laldora of Vill. Jogabal, N. Delhi mg. 50 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s Ansal Housing & Estates (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. C. Marg New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Saroj Devi W/o Sh. Tej Ram, ED-68 Tagore Garden New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/6.83/559.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land Village Satbari situated at Mehrauli Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 12 bighas and 7 biswas comprised in Khasra Nos. 515/2 min. (1-00), 530/2(2-06), 535 (4-16) and 536 min. (4-03) in Village Satbari.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date ; 2-2-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.(1) M/s Manohar I.al Atree & Co. No. 279 Masjid Moth. New Delhi

(Transferor)

(2) Chri, Surinder Singh Khera S/o Bachittar Singh Khera D-28 N.D.S.E.-II New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTALE, NEW DELHL

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC Acq.I/6.83/SR.III/560.—Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr land Mehrauli situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

in the office of the Registering Officer

at JAC/Acq, R.-I in June 1983

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 11 bighas and 10 biswas comprised in K. No. 693/1(1-05) 693/2(1-05), 693/3(1-14), 693/4(0-12) 694(4-16) and 695(1-18) in village satbari Tehsil Mehrauli Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 2-2-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Manohar Lal Atree & Co No 279 Masjid Moth, New Delhi

(2) Smt S Valcie W/o Sh Street Valcie C o Sh R Chand G 7 NDSE Part II New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OLLICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G 13 GROUND ITOOR OR BUILDING I P ESTATE NEW DECHI

New Delht the 2nd February 1984

No IAC Acq I SR III 6 83 561 - Whereas I SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to blieve that the immovible property having a fair market value exceeding Rs 25 000/and bearing No Agr. land Village Satbari situated at Mehrauli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the registering officer it IAC / (Neg) R. I in June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair matter value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Agricultural linds measuring 9 bighas and 10 biswis comprised in K Nos 326(1-19), 330(1-18), 339(1.12) 341/1 min (2.14), 341/2 min (1.07) in village Satbarr Tehsil Mehriuli, Delhi

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Date 2 2 1984 Seal

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6 83/558.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land Village Satbari situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer

at on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ansal Housing & Estate (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Trend Setter Apparels
(P) Ltd. B-76 Okhla Industrial Estate Phase-II
New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 7 Bighas and 17 biswas comprised in Khasra Nos. 664 min, (4-03) and 662/2(3 14) in village Satbari.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 10th February 1984.

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/556.—Whereas, 1, SUBHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Satbari, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under

the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

48---526GT/83

 M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri H. K. Kapur S/o late Shri Thakur Dass Kapur, Master Rajiv Kapur S/o Sh. H. K. Kapur r/o C-12, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 7 bighas and 17 biswas comprised in Khasra Nos. 663/2 (3-14) and 667 min West (4-03) in village Satbari, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984. .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th February 1984.

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/557.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Agr. land situated at Village Satbari, N. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ansal Housing & Estates (P) Ltd., 115
Ansal Bhawan,

16-K.G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramji Bharany S/o Sh. C. L. Bharany 14-Sunder Nagar Market, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 13 bighas and 15 biswas comprised in Khasra Nos. 531(4-16), 534(4-16) and 537 min west (4-03) in village Satbari, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984. .

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th February 1984.

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/6-83/625.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agricultural land situated at Village Satbari, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property are reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri H. K. Kapur S/o Late Thakur Dass Kapoor, Master Rajiv Kapur U/G of Mr H. K. Kapur r/o C-12, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 6 bighas and 3 biswas comprised in Khasra Nos. 669 min (4-03) and 668/2(2-00) in Village Satbari, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1984 ,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTÅTE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th February 1984.

Ref. No. IAC/AcqI/SR-III/6~83/623.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Village Devli, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ora Parkash S/o Puran Singh r/o 45--Anand Parvat, N Delhi.

(2) Shri Gurbir Singh S/o Puran Singh r/o N-30, Jangpura, N. Delhi,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heraix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House mg. 375 sq. yds. Khasra No. 553 abadi laldora of Village Devli, Teh. Meh. N Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date': 10-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/AcqI/SR-III/6-83/622.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Vill, Devli, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at in June, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surat Singh Sangwan S/o Shri R. N. Sangwan r/o Qr. No. 45, Anand Parhat, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shri Puran Madan S/o Dayal Singh r/o N-3, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on land mg, 375 sq, yds, khasra No, 553 Vill. Devli. Teh Meh, N Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984.,

FORM I.T.N.S.---

 Shri Kalu S/o Late Shri Mishri r/o Village Jonapur, Teh. Meh., N. Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ved Prakash Sawhney S/o Shri Dewan Chand Sawhney and Smt. Usha Sawhney W/o Ved Prakash Sawhney r/o 34, Lajpat Nagar-III, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th February 1984.

Ref. No. IAC/Acq1/SR-III/6-83/725.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agr. land situated at Vill. Jonapur, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

New Delhi in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in Crespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land falling in Rectangle No. 9. Khasra No. 15, Khata No. 15(4-16) vill. Jonapur, Teh Meh., N. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 10-2-1984.,

(1) Shri Kalu s/o Sh. (Latc) Mishri r/o Vill. Ionapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vcd Prakash Sawhney & Smt. Usha Sawhney w/o Ved Prakash Sawhney, r o 34. Laiput Nagar, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATF
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/724.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (m) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land falling in Rectangle No. 9, Khata No. 15, khasra No. 25, mg. 4 bighas and 9 biswas vill. Jonapur, Teh. Meh.. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/723.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 26,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule expected hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kalu s/o Late Sh. Mishri r/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ved Prakash Sawhney s/o Shri Dewan Chand Sawhney & Smt. Usha, Sawhney w/o Ved Prakash Sawhney r/o 34, Laipat Nagar-III, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

falling in Rectangle No. 9 Khata No. 15, khasra No. 16, mg. 4 bigha and 16 biswa vill, Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984

Seal .

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, 1P ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Rcf. No. IAC Acq.I/SR-III/6-83/726.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill Jonapui, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to per tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any shoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wcalth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

49--526GI/83

(1) Shri Kalu s/o Late Sh. Mishri r/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferot)

(2) Shri Ved Ptakash Sawhney s/o Shri Dewan Chand Sawhney & Smt. Usha, Sawhney w/o Ved Prakash Sawhney r/o 34, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter?

THE SCHEDULE

Agr. land falling in Khasra No./Khata 11/1/1(1-01) and Kh. No. 11|1|2 No. 15 Khata No. 162 (1-01) Rectangle No. 8 vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/6-83 705.—Whereas J, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed herto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhule S/o Sakta R/o Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Verma 5/0 R. P. Verma 7/0 28-Barakhamba Road, New Delhi and Kanesh Khullar 5/0 K. K. Khullar 7/0 C-4/13, Safdarjang Development Arca, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 7 bighas 15 biswas bearing Mustaul No. 64. Kila No. 11 (4-16), 12 (2-19) vill. Jonapur. Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-inx
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND I-LOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83 614.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi,

Agr. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Neki, Lakhi ss/o Raghbir, Smt. Saroopi d/o Raghbir, Teka s/o Ram Chand, Duli, Bali ss/o Lal Singh R/o Vill, Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

 (2) Shri Krishan Chand Choihtram Daryani S/o R.D. Chandra.
 13-D. Pocket H. DDA. Self Financing Scheme, Saket, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. Jand mg. 4 bighas and 16 biswas. M. No. 56, Killa No. 15, Vill. Dera Mandi. New Delhl.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/615,—Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a₅ the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Neki, Lakhi ss/o Raghbir, Smt. Saroopi d/o Raghbir, Teka s/o Ram Chand, Duli, Bali ss/o Lal Singh r/o vill. Dera, Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Chand Choithram Daryani s/o Choithram Daryani c/o R.D. Chandra, 13-D. Pocket-H, DDA, Self Financing Scheme, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas and 14 biswas M. No. 56, Killa-No. 14, vill. Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/690.---Whereas I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Fatehpur Beri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Chhain 5/o Jhandu, Azad d/o Jiwan, Rampal, Dhanpal, Girjrøj, Richa, Ram ss/o Ram Phal r/o Vill. Fatchpur Beri, New Delhi.

(2) Shri Kewal Krishan Kochar s/o Mukand Lal Kochar r/o 84, Anandlok, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 9 biswas khasra No. 988, vill. Fatehpur Beri, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/706.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Meh., New

Delhi,

(and more fully described in schedule

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Styl Parkin s/o Haria (5/6 share) Saroopi w/o Haria (1/6 share), r/o Vill. Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

 M/s Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas, Khasra No. 1636, vill. Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE 1 G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/707.-Whereas I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. hand situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 Office of the registering Officer at

on June 1983, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Parbhu s/o Haria (2/3 share) Saroopi W/o Haria (1/3 share). Vill. Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219 Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas khasra No. 1632 Vill. Ayn Nagar, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984

(1) Shri Jel Narain s/o Sh. Shankar r/o V. & P.O. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sumitra Devi w/o Prehlad, Rai r/o H. No. 4061, Naya Bazar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-111/6-83/745.—Whereas I. SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair merket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been

transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land mg. 500 sq. yds. (10 biswa) out of khasra No. 437, situated within abadi Laldora of Vill. & P.O. Bijwasan, Teh. Meb., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/555.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Khasra No. 352/2 situated at Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.T. on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Naresh Kumar Jain, Katra J.K. Jain & Sons HUF, 1242/2, Jain Bhawan Rang Mahal, Delhi. (Transferor)

(2) M/s Chirawa Investment Ltd., Atma Ram House, Tolstoy Marg. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 352/2 village Bijwasan. Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 2-2-1984

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/566.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

on June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the said Act, to the following persons the said Act, the said

 Shri Devi Singh s/o Shri Ram Saroop r/o Vill. Bilwasan, Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jug Lal 5/0 Parbhu and Smt. Piari w/0 Shri Jug Lal τ/0 Village, Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi,

(Transferec)

ď

38 [5 4]

43

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning by given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas and 1 biswa khasra No. 502, khata No. 266, vill. Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1984

(1) Shri Mahesh Kumar Jain 1/0 1242/2, Jain Bhawan, Rang Mahal, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Chirawa Investment Ltd., Atma Ram House, Tolstov Marg, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1984

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-83/761.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding movable property having a fair market value of Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that te consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Khasra Nos. 563 (0-9) 564 (0-11), vill. Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY.

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE.2459/82-83.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No.

Flat No. F/13, 3rd floor 'Saibaba Dham' Off. S. V. Road,
Borivali(W), Bombay-92 situated at Borivali(W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lishelity of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. 'Arun International

(Transferor

(2) M1. Ramesh kumar Shankerlal Chamadia.

(Transferec)

(3) Transferer.
(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. F/13, 3rd floor in 'Saibaba Dham', Off. S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/2159/83-84 date. 14-6-1983.

VIJAY RANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984.